राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 भाजपा की हार पर अखिलेश यादव का तीखा तंज....

एशियाड से पहले रूमेश पथिरागे का सामना करेंगे नीरज.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 103 | नई दिल्ली, बुधवार, 05 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 39.0°C
न्यूनतम तापमान 29.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	80%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,44,690
चांदी	2,40,000
सेंसेक्स	76,391.39
निफ्टी	23,869.60

टीबी मुक्त भारत जनभागीदारी का राष्ट्रीय अभियान बना : रेखा गुप्ता

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ह्यटीबी मुक्त भारतह्न केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का राष्ट्रीय अभियान बन चुका है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व ने टीबी उन्मूलन को पूरे देश का जन-आंदोलन बना दिया है और अब प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से ही इस लक्ष्य को समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने बातें मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में ह्यटीबी मुक्त भारत अभियानह्न के तहत जनप्रतिनिधियों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए कही। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन ने किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा टीबी जागरूकता पर आधारित विशेष वीडियो दिखाया गया तथा दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन द्वारा ह्यटीबी मुक्त भारत अभियानह्न की उपलब्धियों, वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री द्वारा टीबी उन्मूलन अभियान से संबंधित विभिन्न सूचना एवं जागरूकता स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने विशेष रूप से ह्यनिक्षय मित्रह्न अभियान से जुड़े स्टॉल का निरीक्षण करते हुए टीबी रोगियों को उपलब्ध कराई जा रही पोषण सहायता, सामुदायिक सहयोग, जनभागीदारी, मरीजों के पुनर्वास और डिजिटल माध्यम से सहयोग उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से अभियान की प्रगति, मरीजों तक पहुंच रही सुविधाओं तथा समाज की सहभागिता बढ़ाने के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की और इस अभियान को प्रत्येक वार्ड, विधानसभा एवं स्थानीय स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस जन-आंदोलन से जुड़ सकें।

ओडिशा दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति मुर्मू ने ट्रेन से 170 किलोमीटर यात्रा की

प्रात : किरण, एजेंसी

भुवनेश्वर/ब्रह्मपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने ओडिशा दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को भुवनेश्वर से गंजाम जिले के ब्रह्मपुर तक ट्रेन से 170 किलोमीटर यात्रा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू ने ह्यराष्ट्रपति विशेषह्न ट्रेन में सफर किया और इस दौरान उनके साथ राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति तथा मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी थे। ह्यराष्ट्रपति विशेषह्न ट्रेन एक बेहद शानदार रेल कार है, जिसमें वातानुकूलित शयनकक्ष, एक भोजन एवं बैठक कक्ष और एक रसोई की व्यवस्था है। एक अधिकारी ने बताया कि इस ट्रेन को 170 किलोमीटर की दूरी तय करने में दो घंटे से अधिक का समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ह्यमौसम विभाग द्वारा बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रपति की ट्रेन यात्रा की व्यवस्था की गई है। ट्रेन के पूर्वाह्न 11 बजकर 10 बजे ब्रह्मपुर स्टेशन पहुंचने का समय निर्धारित था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस विशेष ट्रेन के आगे और पीछे दो अन्य ट्रेन चल रही थीं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि भुवनेश्वर और ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, जहां बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और गहन सामान जांच प्रणाली तैनात की गई है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों के अलावा, कुछ केंद्रीय एजेंसियों के कमांडो भी ट्रेन में सवार थे। अधिकारी ने बताया कि भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर पुलिस कर्मियों की लगभग 15 पलटन (एक पलटन में 30 कर्मी) तैनात की गईं। उन्होंने बताया कि ब्रह्मपुर में भी इसी तरह की व्यवस्था की गई। राष्ट्रपति मुर्मू ओडिशा के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार को यहां पहुंची थीं। ब्रह्मपुर पहुंचने के बाद, मुर्मू पूजा-अर्चना करने के लिए तप्तहपानी में मां कंधुनी देवी मंदिर जाएंगी। गंजाम के जिलाधिकारी वी कीर्ति वसन ने बताया कि जिले में राष्ट्रपति के दौरे वाले स्थानों को नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। तप्तईपानी अपने प्राकृतिक गर्म पानी के झरने के लिए एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जो हरे-भरे जंगलों से घिरा एक सुरम्य स्थान है।

संसद में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर हंगामा

खड़गे बोले- ED कहां है, रिजिजू ने कहा- विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

प्रात : किरण, एजेंसी

दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 19 मिनट चल पाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस दौरान टैक्स संशोधन से जुड़े बिल पेश किए। इसके बाद सदन बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दिन में दो बार स्थगित हुई। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के आधे घंटे के भीतर स्थगित भी हो गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट ही चल पाई। दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। ट्रस्ट को 70 एकड़ से ज्यादा जमीन सौंपी। पीएम खुद राम मंदिर से जुड़े हर आयोजन में शामिल हुए। अब एऊ उइक और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां कहां हैं। सरकार को सदन में इसका जवाब देना चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राम मंदिर बनने पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया था। आज वही लोग घड़ियाली आंसू बहाकर देश को गुमराह नहीं कर सकते। पहले भगवान राम का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगिए, उसके बाद सरकार से जवाब मांगिए।

राज्यसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक स्थगित

राज्यसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। आज कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर नारे लगाए।

16 मिनट ही चली लोकसभा

दो बजे शुरू हुई लोकसभा की कार्यवाही 16 मिनट ही चल पाई। इस दौरान विपक्षी सांसदों की नारेबाजी जारी रही।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड जेपीएससी विवाद: भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस पार्टी और उसके दोहरे रवैये पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन और जेपीएससी पेपर लीक मामले पर कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी केवल चुनिंदा राजनीति कर रही है। झारखंड के छात्रों के प्रति कांग्रेस की चुप्पी संबित पात्रा ने कहा कि झारखंड में हजारों छात्र लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उनके समर्थन में एक शब्द भी नहीं कहा है और न ही संसद में इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए काम कर रहे हैं और संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं।

मंगल मिलन' में मांडविया ने राष्ट्रमंडल खेल

नई दिल्ली। केन्द्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने देश के युवाओं के विकास की विभिन्न योजनाओं एवं उन्हें रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने को लेकर आज यहां गठबंधन में शामिल पार्टियों के सांसदों के साथ गहन विचार मंथन किया और 2030 में देश में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया। संसद पुस्तकालय भवन स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में मंगलवार को राजग संसदीय दल की साप्ताहिक 'मंगल मिलन' बैठक में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने उपरोक्त दोनों विषयों पर अपने विभाग के दो विशेष योजनाओं के प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किये। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेता एवं सांसद शामिल हुए।

बिहार-बंगाल में बिजली गिरने से 11 मौतें

बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड, 200 यात्री फंसे; हरियाणा के अंबाला-झज्जर में सड़कें तालाब बनीं, दुकानों में पानी घुसा

प्रात : किरण, एजेंसी

देशभर में बारिश से आम लोगों का जीवन भी प्रभावित है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सोमवार को बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में बिहार के अलग-अलग जिलों के 7 और बंगाल के हावड़ा के 4 लोग शामिल हैं। उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। सड़क पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात बाधित हो गया। इसके कारण करीब 200 यात्री फंस गए हैं, जो सोमवार रात 9 बजे से रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं। इधर, हरियाणा के अंबाला और झज्जर में रात भर बारिश हुई। इससे सड़कें तालाब बन गईं। दुकानों में पानी घुस गया। उत्तर प्रदेश के आगरा में रात 1 बजे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। बाराबंकी में दो घंटे की तेज बारिश से बस स्टेशन पर पानी भर गया।

पटना में छात्रों का प्रदर्शन- वाटर कैनन पर डांस

बैरिकेडिंग तोड़ी, सड़कों पर लेटे, उठाकर ले गई पुलिस; CM हाउस घेरने निकले थे

पटना। में मंगलवार, 4 जुलाई को पेपर लीक और रोजगार की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले छात्रों पर वाटर कैनन चला। इनकम टैक्स गोलंबर पर पुलिस और स्टूडेंट्स के बीच हल्की झड़प हुई। यहां पहुंचते ही छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने लगे। पुलिस ने यहां छात्रों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। स्टूडेंट्स वाटर कैनन पर डांस करने लगे। कुछ छात्र सड़क पर बैठ गए। पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें उठाकर वहां से हटाया। प्रदर्शन के दौरान ठरवकके राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी सड़क पर लेट गए। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम छात्रों के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिखाई दिए। इससे पहले पुलिस ने सभी को जेपी गोलबंर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोका था। छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की गई पुलिस ने सभी छात्रों को समझाया, लेकिन वे पीछे नहीं हटे। इस प्रदर्शन में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि छात्रों पर गोली चली क्या हुआ। कुछ नहीं किया गया। ढट मोदी और अमित शाह का इस्तीफा होने तक लड़ाई जारी रहेगी। पुलिस ने ठरवकके राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और भाग्य भारती नाम की छात्रा को डिटेन किया है।

एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट टबुर्लेंस में फंसी, 12 घायल

पैसेंजर ने बताया- विमान 3 मिनट पलटी खाता रहा, कई लोगों के पैर-कंधे में चोट

प्रात : किरण, एजेंसी

दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट AI2379 मंगलवार को टबुर्लेंस (तेज हवा के झटकों) में फंस गई। उड़ान के दौरान फ्लाइट हिलने लगी और अचानक कुछ फीट तक नीचे आ गई। हालांकि, पायलट ने स्थिति संभाली और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा। हादसे में 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें यात्री और क्रू मेंबर्स शामिल हैं। घायलों को दिल्ली एयरपोर्ट के मेडिकल सेंटर में इलाज के लिए भेजा गया है। 7 घायलों को दिल्ली के वसंत कुंज स्थित फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एअर इंडिया ने पहले बताया था कि सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। फ्लाइट में सवार एक यात्री ने दावा किया कि उड़ान भरने के करीब डेढ़ घंटे बाद अचानक तेज झटके लगने लगे। सुबह का समय था और ज्यादातर यात्री सो रहे थे। अचानक विमान जोर से हिलने लगा और 2-3 मिनट तक पलटी खाता रहा। यात्री के मुताबिक, 15-20 लोगों को ज्यादा चोटें आई हैं, जबकि 70 से 80% लोगों को मामूली चोट लगी है। यात्री के मुताबिक फ्लाइट में 100 से ज्यादा लोग सवार थे। घटना की जांच की जा रही है। फ्लाइट की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें उसकी सीलिंग के पैनल में दरारें दिखीं।

टबुर्लेंस में अचानक कई फीट नीचे आ सकता है विमान

टबुर्लेंस का मतलब है हवा का बहाव अचानक बदल जाना, जिससे विमान को झटके लगने लगते हैं। इस दौरान विमान कुछ समय के लिए ऊपर-नीचे या दाएं-बाएं हिल सकता है और कभी-कभी कुछ फीट नीचे भी आ जाता है। इसी वजह से यात्रियों को लगता है कि विमान गिर रहा है। हालांकि, ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता।

क्या टबुर्लेंस की वजह से प्लेन क्रैश हो सकता है?

आधुनिक तकनीक और बेहतर सुरक्षा सिस्टम की वजह से आज टबुर्लेंस से विमान हादसे की आशंका काफी कम हो गई है। हालांकि, बेहद गंभीर टबुर्लेंस या खराब मौसम में दुर्घटना का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होता। हालांकि, आज के आधुनिक विमान हर तरह के टबुर्लेंस को झेलने के हिसाब से बनाए जाते हैं। पायलटों को भी ऐसी परिस्थितियों

कश्मीर में टारगेट किलिंग रोकने की तैयारी

प्रवासी मजदूरों के लिए क्लस्टर बनेंगे, थाने में देनी होगी जानकारी; 4 दिन पहले 2 की हत्या हुई थी

कश्मीर। के कुलगाम में 4 दिन पहले दो बाहरी मजदूरों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। इस हत्या के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने नई सुरक्षा रणनीति पर चर्चा तेज कर दी है। कश्मीर घाटी में इस वक्त करीब 4 लाख प्रवासी मजदूर रहते हैं। छॠमनोज सिन्हा ने इनकी सुरक्षा को लेकर अहम बैठक की है। इसमें कुछ निर्देश तय हुए हैं। प्रशासन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इन निर्देशों में दो बातें सबसे अहम हैं। पहली- घाटी में जहां प्रवासी मजदूर बिखरे हैं, असुरक्षित जगहों पर रह रहे हैं, उन्हें एक ही जगह ठहराने के लिए क्लस्टर बनाए जाएं।

बाहरी मजदूरों को अलग-अलग नहीं रहने दिया जाएगा

दूसरा- घाटी आने वाले हर नए मजदूर को पास के पुलिस स्टेशन में जानकारी देनी होगी। जहां नया मजदूर रहेगा, पुलिस उस इलाके का सिक्योरिटी वैरिफिकेशन करेगी। उसके बाद मजदूर को वहां रुकने दिया जाएगा।

बडगाम और दक्षिण कश्मीर पर मुख्य फोकस

घाटी में सैकड़ों ईंट-भट्ठे हैं, अकेले 199 रजिस्टर्ड भट्ठे। ज्यादातर मध्य कश्मीर के बडगाम और दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, कुलगाम और पुलवामा में हैं। पुलिस के अनुसार प्रवासियों को व्यक्तिगत सुरक्षा देना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। इसलिए ईंट-भट्ठों और बागानों में काम करने वाले यूपी, बिहार और छत्तीसगढ़ के श्रमिकों को बिखरी हुई झोपड़ियों के बजाय ह्यनामित सुरक्षित क्लस्टरोंह्न में भेजना शुरू कर दिया है।

तमिलनाडु के नेता विपक्ष उदयनिधि स्टालिन गिरफ्तार

एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

प्रात : किरण, एजेंसी

दिल्ली। उदयनिधि सोमवार को तंजावुर में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली में भी मौजूद थे। इसी दौरान भीड़ में ₹तृषा, तृषा₹ के नारे लगे। आरोप है कि इस पर उदयनिधि ने कहा, ₹पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए।₹ बाद में सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था। पुलिस ने उनके खिलाफ 6 धाराओं में केस दर्ज किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उदयनिधि ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, उस पर सुनवाई होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें अरेस्ट कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर उदयनिधि को करीब 4 घंटे पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। 4 मई को तमिलनाडु विधानसभा के रिजल्ट आए थे। ळश्ङ ने 234 में से 108 सीटें जीती थीं। उस दिन तृषा का बर्थडे था। रिजल्ट आने से पहले वो तिरुमाला मंदिर पहुंचीं, दर्शन किए और फिर विजय के घर पहुंचीं। विजय और तृषा की केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही है। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। यह वही वक्त था जब विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम तलाक के लिए कोर्ट में लड़ाई लड़ रही थीं। उदयनिधि की जमानत याचिका पर जस्टिस जी.के. इलंथिरैयन की अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान सरकारी वकील विजय नारायण ने अदालत को बताया कि सरकार विपक्ष के नेता को रिमांड पर नहीं भेजना चाहती।

केजरीवाल ने PM आवास तक मार्च निकाला, पुलिस ने रोका

फिरोजशाह रोड पर धरने पर बैठे, बोले- E20 के खिलाफ 2 लाख+ लोगों की चिट्ठियां भिजवाईं

प्रात : किरण, एजेंसी

दिल्ली। के पूर्व CM और आम आदमी पार्टी (AAP) संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को E20 फ्यूल के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर ही रोक दिया। इसके बाद केजरीवाल सहित अन्य अअढ नेता फिरोजशाह रोड पर ही बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। AAP ने करीब 100 नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ यह मार्च निकाला था। पार्टी का दावा है कि उसने देशभर से 2.30 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं जुटाई हैं। मार्च के दौरान केजरीवाल ने कहा कि E20 के खिलाफ 2 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठियां लिखी हैं, जिन्हें वे खुद प्रधानमंत्री को सौंपना चाहते थे लेकिन हमें पुलिस ने रोक दिया। हमने सभी चिट्ठियां पुलिस के हाथों मोदी जी को भेज दी हैं। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को मैसेज भेजा था। उन्होंने कहा- हमें उम्मीद है कि पीएम हमसे मिलेंगे।

केजरीवाल बोले- E20 रोकने के लिए NEET से बड़ा आंदोलन करना होगा

E20 के विरोध में धरने के दौरान अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि ट्रम्प के दबाव में मोदी सरकार अमेरिका से एथनॉल खरीद रही है। अमेरिका दुनिया में सबसे ज्यादा एथनॉल बनाता है और उसने भारत पर इसे खरीदने का दबाव बनाया।

केजरीवाल ने कहा- अमेरिका का कचरा खरीदकर हमारी 30 लाख गाड़ियों पर थोपा जा रहा है। इसे रोकने के लिए हमें NEET आंदोलन से भी बड़ा आंदोलन करना होगा। उन्होंने लोगों से इस अभियान में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि ए20 नीति के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

अअढ बोली- PMO का कोई अधिकारी ज्ञापन लेने यहां आए

दिल्ली अअढ अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा- हम 2 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं लेकर आए हैं। हमें आगे जाने दिया जाना चाहिए। अगर कोई दिक्कत है तो प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) का कोई अधिकारी यहां आकर ज्ञापन ले ले और इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हो जाए। सौरभ भारद्वाज ने भारी पुलिस बल की तैनाती पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा- इतनी बड़ी संख्या में पुलिस, RAF, लाठियां और ढाल देखकर हैरानी हो रही है। हम सिर्फ लोगों की चिट्ठियां प्रधानमंत्री तक पहुंचाने आए हैं।

चंडीगढ़ की स्टूडेंट से लुधियाना के होटल में रेप

बॉयफ्रेंड के दोस्त ने धोखे से बुलाया, अश्लील बनाई; पीड़िता बोली- उसे भाई मानती थी

चंडीगढ़। की एक स्टूडेंट से उसके बॉयफ्रेंड के दोस्त ने लुधियाना के होटल में रेप किया। आरोपी ने उसे कहा कि उसके बॉयफ्रेंड के दूसरे लड़कियों से अवैध संबंध हैं, जिन्हें मिलाने के बहाने होटल बुलाया था। वहां नशीला पदार्थ पिलाकर उसे बेहोश कर दिया। संबंध बनाकर उसका वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया। स्टूडेंट ने कहा कि वह रेप करने वाले को भाई मानती थी। जब रेप के बाद उसने पूछा कि ये क्या कर दिया तो उसने कहा कि बस हो गया। करीब 8 महीने से वह स्टूडेंट को ब्लैकमेल कर रहा था, जिसके बाद उसने बॉयफ्रेंड को पूरी बात बताई। स्टूडेंट ने अब हिम्मत जुटाई और चंडीगढ़ एसएसपी को इस मामले की शिकायत दी। चंडीगढ़ में स्टूडेंट की शिकायत पर जीरो एफआईआर दर्ज कर लुधियाना डिवीजन नंबर पांच में ट्रांसफर कर दी गई है।

डाबर के '100% शुद्ध' दावे वाले प्रोडक्ट पर रोक

FSSAI ने शहद-घी समेत कई सामान बेचना बैन किया; 15 दिन में रिपोर्ट मांगी

दिल्ली। डॉबर के कई प्रोडक्ट की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। इनमें शहद और गाय का घी भी शामिल है। ये प्रोडक्ट 100% शुद्धता के दावे के साथ बेचे जा रहे थे। यह रोक खाने-पीने के सामानों के मानक तय करने वाली सरकारी संस्था ऋरअकने लगाई है। फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने इन दावों को गुमराह करने वाला बताया है। इस पर डाबर से 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है। सोमवार 3 अगस्त को FSSAI ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी है। FSSAI के अनुसार, कंपनी की वेबसाइट पर बेचे जा रहे खाद्य पदार्थों पर भ्रामक दावे पाए गए थे। इनमें '100% नेचुरल', '100% प्योर', '100% प्योरिटी गारंटेड', '100% ऑर्गेनिक' और '100% टेंडर कोकोनट वॉटर' जैसे लेबल शामिल थे। FSSAI का कहना है कि '100 प्रतिशत' दावों का यह उपयोग FSS विनियम, 2018 का उल्लंघन करता है। ये दावे अस्पष्ट, असत्यापित और उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले हैं।

प्रदर्शन के दौरान राजद सांसद मनोज झा ने एक पोस्टर हाथ में ले रखा था, जिस पर लिखा था

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन, प्रियंका बोलीं- भाजपा से ऊब चुकी जनता

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन परिसर में राम मंदिर चढ़ावे में गड़बड़ी के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जवाबदेही की मांग की। संसद भवन परिसर में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव, अवधेश प्रसाद, राजद सांसद मनोज झा, संजय यादव, कांग्रेस नेता सैयद नासिर हुसैन, कर्मवीर बौद्ध सहित कई विपक्षी सांसद शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान राजद सांसद मनोज झा ने एक पोस्टर हाथ में ले रखा था, जिस पर लिखा था, भाजपा ने किया राम का अपमान, दान चोरी पर कब दोगे बयान। कई सांसदों ने चंदा चोर गद्दी छोड़ लिखे पोस्टर भी प्रदर्शित किए। कांग्रेस सांसदों ने एक बड़ा पोस्टर हाथ में लेकर सवाल किया, अमित शाह संसद से गायब क्यों? विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में प्रतीकात्मक रूप से एक दानपात्र भी रखा, जिसमें कई सांसदों ने विरोध स्वरूप चंदा डाला। प्रदर्शन के दौरान शेम-शेम के नारे भी लगाए गए और सरकार से राम मंदिर चढ़ावे में कथित गड़बड़ी पर जवाब देने की मांग की गई। इस बीच मध्यप्रदेश के दतिया और बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि देश की जनता अब भारतीय जनता पार्टी से थक चुकी है और उपचुनाव के नतीजे इसकी शुरूआत हैं। इससे पहले संसद भवन में इंडिया गठबंधन के फ्लोर लीडर्स की बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला समेत गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 05 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

अवैध लीसा तस्करी के तीन आरोपियों की जमानत खारिज

देहरादून, एजेंसी। त्यूणी क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान 22 कुंतल अवैध लीसा परिवहन के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट (चकराता) आकाश कुमार की अदालत ने तीनों आरोपियों की जमानत याचिका निरस्त कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि प्रथम दृष्टया आरोपियों को राहत देने का पर्याप्त आधार नहीं है और अवैध कारोबार के स्रोत व अन्य संलिप्त लोगों की विवेचना अभी जारी है। अदालत ने उत्तरकाशी जिले के मोरी (ग्राम पासा) निवासी राहुल, नौगांव (ग्राम बसराली) के मुकेश और डुंडा (ग्राम मंगांव) निवासी कृष्णा के प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई की। बचाव पक्ष ने आरोपियों को निर्दोष बताते हुए उनका आपराधिक इतिहास न होने की दलील दी, जिसका वन विभाग के अधिवक्ताओं ने विरोध किया। पत्रावली व उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर न्यायालय ने पाया कि सह-अभियुक्त राहुल के खिलाफ पूर्व में भी वन अपराध का मामला दर्ज रहा है। दरअसल, वन विभाग की टीम ने 23 जुलाई की रात त्यूणी में एक पिकअप वाहन से अवैध लीसा और 14 खाली प्लास्टिक कैरेट बरामद किए थे। इस संबंध में उत्तराखंड संशोधन वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत ने माना कि लीसे की निकासी के स्रोत और पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच पूरी होना शेष है, ऐसे में जमानत देना न्यायसंगत नहीं है।

11 लाख की स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्ज

देहरादून, एजेंसी। 11 लाख की स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्जसंवाद न्यूज एजेंसीविकासनगर। कोतवाली पुलिस ने ग्राम कुंजा ग्रांट में एक मकान पर छापा मारकर घर से ही स्मैक की तस्करी करने वाली महिला मुस्कान को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 37 ग्राम स्मैक और तौलने के लिए प्रयुक्त एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद हुआ है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 11 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि रविवार रात सूचना मिली थी कि कुंजा ग्रांट में एक महिला अपने घर पर ही ग्राहकों को बुलाकर नशे की आपूर्ति कर रही है। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा। पूछताछ में मुस्कान ने कबूल किया कि वह क्षेत्र की ही एक अन्य महिला से स्मैक खरीदकर लाती है और घर पर छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर मुनाफे के लिए बेचती है। पुलिस के अनुसार, शातिर महिला के खिलाफ वर्ष 2023 व 2026 में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मुकदमे दर्ज हैं।कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत नई प्राथमिकी दर्ज कर ली है। साथ ही, मुख्य रूप से स्मैक उपलब्ध कराने वाली महिला की भूमिका व पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है।

कोसी रेंज का बुजुर्ग तेंदुआ...जंगल भेजना खतरनाक, अब विभाग की देखरेख में होगा जीवन-यापन

नैनीताल, एजेंसी। रामनगर के कोसी रेंज स्थित रेस्क्यू सेंटर में बंद हमलावर तेंदुआ अब जंगल नहीं भेजा जाएगा। उसके दांत और पंजे घिस चुके हैं, जिससे जंगल में छोड़ने पर इंसानों के साथ संघर्ष की आशंका है। इसलिए वन विभाग अब उसकी स्थायी देखभाल करेगा। वन प्रभाग रामनगर के कोसी रेंज स्थित रेस्क्यू सेंटर में बीते एक माह से कैद हमलावर तेंदुआ अब अपने प्राकृतिक आवास में नहीं जा सकेगा। वनकर्मियों की जांच में पता चला कि तेंदुए की उम्र 11 साल से अधिक है। उसके पंजे और दांत घिस चुके हैं। उसे दोबारा जंगल में छोड़ने पर मानव वन्यजीव संघर्ष होने की आशंका है। अब उसकी देखभाल वन विभाग करेगा। पिछले महीने कोटा रेंज स्थित ग्राम चोपड़ा में घर के पीछे पानी लेने गई महिला पर तेंदुए ने हमला किया था। परिजनों की मदद से महिला को अस्पताल में भर्ती कराया था। घटना के बाद वन विभाग ने पिंजरा लगाकर तेंदुए को रेस्क्यू कर लिया। इसके बाद उसे कोसी रेंज के रेस्क्यू सेंटर में रखा गया। लगभग एक माह से तेंदुआ वनकर्मियों की देखरेख में है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

अल्मोड़ा, एजेसी। एसएसजे परिसर के वनस्पति विज्ञान विभाग ने विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर जागरूक कार्यक्रम आयोजित किया। प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर विभाग में विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे। सोमवार को हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विवि के शोध एवं प्रसार निदेशक प्रो. जगत सिंह बिष्ट रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. बलवंत कुमार के कहा कि प्रकृति हमें जीने के लिए हर संसाधन उपलब्ध कराती है। इसलिए इसका संरक्षण सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में एमएससी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के बीच भाषण प्रतियोगिता हुई। वहां डॉ. धनी आर्य, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. मंजुलता उपाध्याय, डॉ. रवि कुमार, डॉ. धनी आर्य, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. मंजुलता उपाध्याय, डॉ. रवि कुमार, शोधार्थी नेहा पंतोला सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

हल्द्वानी, काठगोदाम और रामनगर में भी मिलेगा शुद्ध पेट्रोल

हल्द्वानी। कुमाऊं के वाहन चालकों को जल्द ही शुद्ध पेट्रोल (इथेनॉल रहित) मिलने लगेगा। पहले चरण में इसी माह से भारत पेट्रोलियम के चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर हल्द्वानी, काठगोदाम और रामनगर में इसकी बिक्री शुरू करने की तैयारी है। विशेष पेट्रोल की कीमत करीब 169 रुपये प्रति लीटर के आसपास रहेगी जो सामान्य पेट्रोल से काफी अधिक है।

ग्राम प्रधान के भाई पर हमला, गर्दन कटने से बची, कान का एक हिस्सा कटकर हुआ अलग, 18 पर केस दर्ज

रुड़की, एजेंसी। हरिद्वार जिले के मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के पीरपुरा गांव में ग्राम प्रधान के भाई इंतजार पर दर्जनों लोगों ने जान से मारने की नीयत से धारदार हथियारों से हमला कर दिया, लेकिन वो किस्मत से थोड़ा पीछे हो गया और गर्दन पूरी तरह कटने से बच गई. हालांकि, उसके कान का एक हिस्सा कटकर अलग हो गया और उसकी गर्दन पर भी चोट आई है.

इसी बीच पीड़ित इंतजार को बचाने के लिए आए कुछ लोगों पर भी इन लोगों ने धावा बोल दिया. जिसमें मुजफ्फर और हिफाजत भी गंभीर रूप से घायल हो गए. इसके बाद खुद को घिरा देख हमलावर धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए. ग्राम प्रधान ने इस मामले में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है. वहीं, पुलिस ने तहरीर के आधार पर कई हमलावरों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

दरअसल, पीरपुरा गांव के ग्राम प्रधान मुजफ्फर अली ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि कुख्यात बदमाश अकील उर्फ भुट्टू और उसके परिजनों पर धारा 307 आईपीसी समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं और ये लोग आए दिन गांव का माहौल खराब करने

की नीयत से झगड़ा करते रहते हैं. इसी के चलते ये लोग उसके परिवार पर लगातार मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे थे.

जान से मारने की नीयत से हमला, पुरानी रंजिश का मामलाः आरोप है कि अकील उर्फ भुट्टू और उसके दर्जनों साथियों ने उनके भाई पर जान से मारने की नीयत से धारदार हथियारों से लैस होकर हमला किया है. क्योंकि, पूर्व में अकील उर्फ भुट्टू और उसके परिजनों ने इंतजार और उसके साथियों के साथ रोशनाबाद में मारपीट कर घायल कर दिया था.

इसके बाद ग्राम प्रधान ने सिडकुल थाने में मुकदमा दर्ज कराया था. तब से ही आरोपी पक्ष के लोग ग्राम प्रधान और उसके परिजनों के ऊपर मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे थे. मुकदमा वापस न लेने की रंजिश के चलते रविवार सुबह करीब 9 बजकर 15 मिनट पर ग्राम प्रधान का भाई इंतजार दुकान जाने के लिए घर से निकला था.

तभी थोड़ी दूर पर ही आरोप है कि परवेज, राशिद, अकील, तौकीर, नदीम, लुकमान, परवश, तमरेज, फिरोज, अकदस, अखलद, अरशद, शारिक, समीर, अयान, अदनान, शोएब, कादिर ने अपने हाथों में लाठी-डंडे, लोहे के सरिए और धारदार हथियार तबल लेकर इंतजार की गाड़ी के आगे घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर बाइक लगा दी. जिसके बाद उसे रोक दिया. आरोप है कि उसे जबरदस्ती बाहर निकाल लिया और उसके साथ गाली गलौज की. साथ ही बताया कि उन्हें अकील उर्फ भुट्टू ने भेजा है. अकील और उसके परिजनों पर मुकदमा लिखवाने के लिए सजा देने आए हैं. इतना कहकर इन लोगों ने इंतजार पर अपने हाथों में लिए धारदार हथियारों से हमला कर दिया. गर्दन कटने से बची, कान का हिस्सा कटकर हुआ अलगः आरोप है कि परवेज ने अपने हाथ में लिए तबल से इंतजार पर जान से मारने की नीयत से वार किया, लेकिन किस्मत से थोड़ा पीछे हो जाने कारण इंतजार की गर्दन पूरी तरह काटने से बच गई, लेकिन उसके कान का एक हिस्सा कटकर अलग हो गया और उसकी गर्दन पर भी चोट आई है.

शोर सुनकर इंतजार का भाई मुजफ्फर, हिफाजत इंतजार को बचाने के लिए आए, तो इन लोगों ने इन पर भी धावा बोल दिया. जिसमें मुजफ्फर और हिफाजत भी गंभीर रूप से घायल हो गए. वहीं, मौके पर शहजाद, उस्मान, साकिब, अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए. जिन्होंने यह पूरी घटना देखी और इन लोगों ने हमलावरों से उन्हें बचाया.

हमलावरों ने ग्रामीणों के आने पर अपने आप को घिरा देख मौके से फरार हो गए और जाते-जाते दोबारा मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी देकर गए. इसी कारण ग्राम प्रधान और उसका परिवार दहशत में है. ग्राम प्रधान और उसके घायल परिजनों का उपचार सरकारी अस्पताल हरिद्वार में चल रहा है.

कई लोगों पर मुकदमा दर्जः ग्राम प्रधान मुजफ्फर अली ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है. वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तहरीर के आधार पर डेढ़ दर्जन हमलावरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

हरिद्वार में मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार

फ्लैट और कार से 200 बोतल कोडीन सिरप बरामद

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में एसटीएफ, एएनटीएफ, ड्रग विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अवैध रूप से कोडीन युक्त सिरप का भंडारण और बिक्री करने के आरोप में एक मेडिकल स्टोर संचालक को गिरफ्तार किया गया. संयुक्त टीम ने आरोपी के फ्लैट और कार की तलाशी के दौरान 200 बोतल कोडीन युक्त सिरप भी बरामद की है. आरोपी के खिलाफ ज्वालापुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

एसटीएफ के अनुसार, मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में एसटीएफ, एएनटीएफ, ड्रग विभाग और ज्वालापुर कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम हरिद्वार क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण कर रही थी. इस दौरान गोपनीय सूचना

मिली कि सराय गांव स्थित वैभव मेडिकल स्टोर का संचालक आकाश छाबड़ा अपने आर्य नगर स्थित आवास पर अवैध रूप से कोडीन युक्त सिरप का भंडारण कर रहा है.

सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने आरोपी के फ्लैट और उसकी वैगनआर कार की तलाशी ली. तलाशी के दौरान दो पेटियों में रखी 200 बोतल कोडीन युक्त सिरप बरामद हुई. टीम ने जब सिरप के खरीद, बिक्री और भंडारण से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे तो आरोपी कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया. पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह नशा करने वाले लोगों को फुटकर में कोडीन युक्त सिरप बेचकर अवैध धन लाभ कमाता था. इसके बाद पुलिस ने आरोपी आकाश छाबड़ा पुत्र सुरेश छाबड़ा निवासी आर्य नगर, थाना ज्वालापुर को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उसकी वैगनआर कार भी कब्जे में ले ली है.

आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है. पूछताछ में नशीले सिरप की आपूर्ति करने वाले अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा है. इसमें शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भी जल्द कार्रवाई की जाएगी.

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने आमजन से नशे से दूर रहने और नशा तस्करी से संबंधित किसी भी सूचना की तत्काल पुलिस या एसटीएफ को देने की अपील की है. उन्होंने कहा कि ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत नशा तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी.

एक साल बाद भी 25 फीट मलबे के नीचे दबा है कल्प केदार मंदिर

उत्तर काशी, एजेंसी। गत वर्ष 5 अगस्त 2025 को आई आपदा में यह प्राचीन मंदिर मलबे में दब गया। सावन माह में भगवान शंकर के इस मंदिर में श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों की भीड़ रहती थी। धराली आपदा के एक वर्ष बाद भी कल्प केदार मंदिर मलबे में दबा है। करीब पच्चीस फीट मलबे के नीचे दबे इस मंदिर की खोज के लिए ठोस कदम नहीं उठे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम देवता समेश्वर देवता ने 5 अगस्त 2026 तक कुछ भी करने से मना किया है। गत वर्ष 5 अगस्त 2025 को आई आपदा में यह प्राचीन मंदिर मलबे में दब गया। सावन माह में भगवान शंकर के इस मंदिर में श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों की भीड़ रहती थी। आपदा के बाद मंदिर समिति ने एनडीआरएफ की मदद से इसकी स्थान तलाशी। उस आधार पर 5 अगस्त 2025 से वहां एक हनुमान झंडी स्थापित है। लगभग जून 2026 में स्थानीय युवाओं ने स्वच्छता के लिए लकड़ी के खंभे और झंडे लगाए। मंदिर को मलबे से निकालने के लिए ग्रामीणों ने समेश्वर देवता की देवडोली की अनुमति ली।

मंदिर समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, देवता ने 5 अगस्त 2026 तक खोदाई से मना किया है। कल्प केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश पंवार ने भी देवता के निर्देश की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि एक वर्ष पूरा होने के बाद दोबारा देवता से पूछा जाएगा।

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच दौड़ से बाहर हुए 17 दल, सात नए आवेदन आए

हरिद्वार, एजेंसी।

उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी बीच चुनावी तस्वीर में बड़ा बदलाव सामने आया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में पंजीकृत 42 राजनीतिक दलों में से 17 दल अब चुनावी दौड़ से बाहर हो गए हैं।

वहीं, अगले विधानसभा चुनाव को देखते हुए सात नए दलों ने पंजीकरण के लिए आवेदन किया है, जबकि निर्दलीय विधायक उमेश कुमार की पार्टी को चुनाव आयोग से पंजीकरण मिल गया है। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच चुनाव आयोग ने 17 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को चुनावी दौड़ से बाहर कर दिया है। वहीं, आगामी चुनाव के लिए सात नए दलों ने चुनाव आयोग कार्यालय में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है।

2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में 42 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल थे। इनमें से 17 दल ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले छह वर्षों में लगातार कोई चुनाव नहीं लड़ा है। चुनाव आयोग की जांच में ये दल अपने पंजीकृत पते पर भौतिक रूप से मौजूद नहीं पाए गए। कई ऐसे हैं, जिन्होंने वित्तीय रिटर्न, अंशदान रिपोर्ट या आंतरिक चुनाव समय पर नहीं कराया है।

इन दलों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से निष्क्रिय या संदिग्ध आरयूपीपी होने के नाते नोटिस भेजा था। दलों को अपना पक्ष रखने और अपने अस्तित्व के सबूत देने के लिए सुनवाई का अवसर भी दिया गया। सीईओ की रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय चुनाव आयोग ने इन्हें पंजीकृत सूची से हटा दिया है।

यानी आगामी विधानसभा चुनाव में इन दलों से कोई भी प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ सकेगा। यानी 42 में से 25 दल ही अगले विस चुनाव में मैदान में उतर सकेंगे। वहीं, अगले विस चुनाव के मद्देनजर सात नए दलों के पंजीकरण आवेदन मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को प्राप्त हुए हैं, जिनमें खानपुर से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार की जन निर्माण पार्टी को चुनाव आयोग में पंजीकरण हो गया है। छह अन्य दलों पर कार्रवाई गतिमान है।

गौशाला में घुसा तेंदुआ, वन विभाग ने ट्रेंकुलाइज कर किया रेस्क्यू, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा जिले के ज्योली गांव में रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक तेंदुआ गांव की एक गौशाला में घुस गया. गौशाला के अंदर तेंदुए को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई. हालांकि ग्रामीणों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी. सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम रात में ही मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया. वन विभाग द्वारा गुलदार को ट्रेंकुलाइज करने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली.

वन विभाग की टीम ने सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम करने के बाद तेंदुए को ट्रेंकुलाइज किया. बेहोश होने के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकालकर कब्जे में लिया गया. इसके बाद तेंदुए की स्वास्थ्य जांच की गई. वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार तेंदुआ पूरी तरह स्वस्थ है और उसकी लगातार निगरानी की जा रही है. आवश्यक औपचारिकताओं के बाद उसे उपयुक्त वन क्षेत्र में छोड़े जाने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी. तेंदुए ने शनिवार को गांव में एक बकरी का शिकार कर उसे मार डाला था. घटना के बाद ग्रामीणों ने मरी हुई बकरी को गौशाला के भीतर तारों से बांधकर रख दिया.

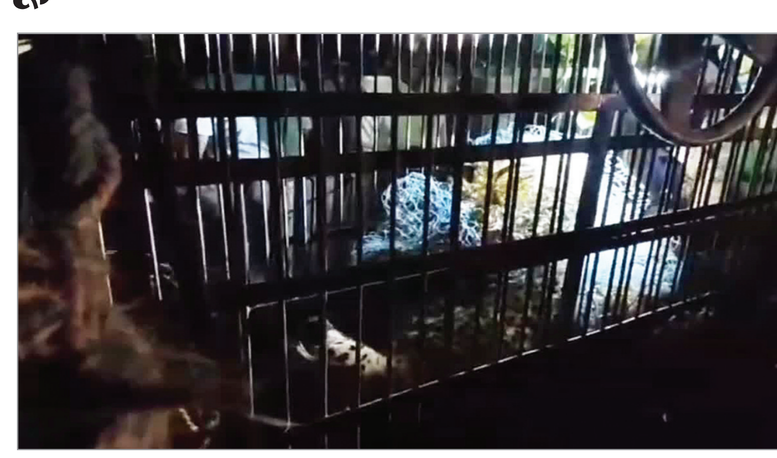

देर रात तेंदुआ दोबारा उसी बकरी को खाने के लिए गौशाला में पहुंच गया. जैसे ही ग्रामीणों ने उसे अंदर घुसते देखा, उन्होंने तुरंत गौशाला का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया, जिससे तेंदुआ अंदर ही फंस गया. इसके बाद बिना कोई जोखिम उठाए वन विभाग को सूचना दी गई. वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र को सुरक्षित कराया और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाया. अभियान के दौरान किसी भी ग्रामीण या वनकर्मी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा. तेंदुए के सुरक्षित पकड़े जाने के बाद गांव में फैली दहशत का माहौल खत्म हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली. वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वन्यजीव दिखने पर घबराने या उन्हें उकसाने के बजाय तुरंत विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते सुरक्षित कार्रवाई की जा सके और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोका जा सके. बता दें कि अल्मोड़ा जिले के कई क्षेत्रों में गुलदार के आतंक की खबर अक्सर सामने आती रहती है. जिससे लोगों को घर से बाहर निकलना दूभर हो जाता है.

राज्य में भूस्खलन से 84 सड़क बंद, नदियों का जलस्तर बढ़ा

चमोली, एजेंसी। लगातार बारिश से उत्तराखंड में मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भूस्खलन के चलते 84 सड़कें बंद हैं, जबकि कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं।

राज्य में भूस्खलन के कारण 84 सड़क बंद हैं। इनमें अल्मोड़ा में एक, बागेश्वर छह, चमोली 18, देहरादून छह और नैनीताल में पांच मार्ग बंद हैं। पौड़ी छह, पिथौरागढ़ 16, रुद्रप्रयाग 11, टिहरी छह और उत्तरकाशी में नौ मार्ग बंद हैं। वहीं, बारिश होने के कारण नदियों का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया। चमोली में अलकनंदा, मंदाकिनी और पिंडर नदी का जल स्तर चेतावनी स्तर को ऊपर और खतरे के निशान के पास पहुंच गया। रुद्रप्रयाग में अलकनंदा, मंदाकिनी नदी का जल चेतावनी स्तर अधिक हो गया। हरिद्वार में भी गंगा नदी का जल स्तर खतरे के जल स्तर के पास पहुंच गया है। यमुनोत्री हाईवे पर पालीगाड़ से जानकीचट्टी तक भूस्खलन के कारण श्रद्धालुओं और प्रशासन की मुश्किलें लगातार बनी हुई हैं। स्यानाचट्टी में लगातार हो रहा चट्टानी भूस्खलन हाईवे खोलने में सबसे बड़ी बाधा बना है, हालांकि निर्माण एजेंसी युद्धस्तर पर मलबा हटाने में जुटी है। दूसरी ओर,

यमुनोत्री हाईवे पर संकट बरकरार

जानकीचट्टी-यमुनोत्री पैदल मार्ग पर राम मंदिर के पास एक सप्ताह बाद भी हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। यहां श्रद्धालु अब भी जोखिम उठाकर आवाजाही करने को मजबूर हैं।

थराली में सोमवार रात और मंगलवार सुबह हुई भारी बारिश से थराली समेत आसपास के क्षेत्रों में भूस्खलन और चट्टान टूटने की घटनाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ है। नदी-नाले उफान पर हैं, जबकि सड़कों पर जगह-जगह मलबा आने से आवाजाही बाधित हो गई है। थराली बाजार में कीचड़ और मलबे के कारण पैदल चलना भी जोखिम भरा बना हुआ है।

थराली-देवाल मोटर मार्ग केदारबगड़ में घांगली गधेरे से आए मलबे के कारण बंद हो गया है। मार्ग के सातवें किलोमीटर पर ऊनी पुलिया के पास लगातार चट्टान से पत्थर और मलबा गिरने के कारण जेसीबी मशीन को भी सड़क खोलने में दिक्कत आ रही है। वहीं, थराली-कुराड़ मोटर मार्ग पर राड़ीगांव के ऊपर लगातार हो रहे भूस्खलन से मलबा सड़क पार कर बस्ती की ओर पहुंच रहा है। इससे सड़क पर कई वाहन फंस गए, जिन्हें जेसीबी मशीन की मदद से निकाला जा रहा है। राड़ीगांव के ऊपर करीब तीन किलोमीटर क्षेत्र में सक्रिय हुए भूस्खलन जोन का मलबा और बोल्डर घांगली गधेरे के रास्ते बस्ती और फिर थराली-देवाल मोटर मार्ग तक पहुंच रहे हैं। इसके चलते बारिश शुरू होते ही मोटर मार्ग बंद हो जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि सड़कों को खोलने के लिए जेसीबी मशीन भेज दी गई है। बारिश रुकते ही मार्गों को खोलने का कार्य तेज गति से किया जाएगा।

ई-20 के विरोध में 100 लोगों के साथ पीएम से मिलने जा रहे केजरीवाल को पुलिस ने रोका

●मोदी सरकार ट्रंप के दबाव में अमेरिका से इथेनॉल खरीदकर देश पर थोपना बंद करे: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। ई-20 पेट्रोल के विरोध में 100 लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पैदल मार्च करते हुए उनके आवास जा रहे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली पुलिस ने रास्ते में ही रोक लिया। जिसके बाद अरविंद केजरीवाल लोगों से मिली 2.33 लाख से ज्यादा पिटीशन के साथ सड़क पर ही धरने पर बैठ गए और पीएम से मिलने की मांग करने लगे। पुलिस ने उन्हें बताया कि प्रधानमंत्री मिलना नहीं चाहते हैं और सारी पीटिशन लेकर धरना खत्म करा दिया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मोदी सरकार ट्रंप के दबाव में अमेरिका से इथेनॉल खरीदकर देश पर थोपना बंद करे। प्रधानमंत्री को हम पर अपनी ताकत दिखाने से क्या होगा, उन्हें यही हिम्मत ट्रंप को दिखानी चाहिए। ई-20 वापस नहीं होता है तो देश फिर एक बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर हो जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह समेत पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद रहे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोग 2,33,238 पिटीशन लेकर प्रधानमंत्री को देने गए थे। हालांकि पुलिस ने हमें प्रधानमंत्री आवास तक जाने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि एक महीना पहले ई20 के मुद्दे पर प्रधानमंत्री से चर्चा करने के लिए समय मांगा था, लेकिन उनका कोई जवाब नहीं आया। आज हम उन्हें पिटीशन देने के लिए निकले, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे नहीं मिलेंगे। यह उनकी तानाशाही को दिखाता है। जिस तरह से उन्होंने नीट वाले पूरे एपिसोड में तानाशाही दिखाई, वैसे ही ई20 के मुद्दे पर भी वे अड़े हुए हैं। उनकी सरकार ने खुद संसद में माना है कि गाड़ियों की माइलेज कम होती है, लेकिन थोड़ी कम होती है। इंजन के पार्ट खराब होते हैं, लेकिन रबड़ वाले पार्ट खराब होते हैं। जब इंजन के पार्ट खराब होते हैं और गाड़ियों की माइलेज भी कम होती है, तो फिर सरकार ने यह जबरदस्ती क्यों कर रखी है? अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह जबरदस्ती इसलिए कर रखी है क्योंकि ट्रंप मोदी जी के सिर पर बैठे हैं। ट्रंप उन पर इतना दबाव डाल रहे हैं कि मोदी जी ट्रंप के सामने ना कहने की हिम्मत नहीं है। ट्रंप जबरदस्ती कर रहे हैं कि अमेरिका से एथेनॉल खरीदकर भारत में बेचा जाए, इसलिए यह पूरा ई20 लाया गया है। आज हम पिटीशन लेकर गए थे जो रस्सी से बांधी हुई थीं, लेकिन किसी वजह से वो रस्सियां खुल गई और सब पिटीशन इधर-उधर हो गईं। अगर प्रधानमंत्री कार्यालय कहेगा तो हम सभी पिटीशन का एक फ्रेश सेट उन्हें भिजवा देंगे। अगर 2 लाख 33 हजार से ज्यादा लोगों ने इतनी जल्दी साइन कर दिए, तो जाहिर है कि पूरे देश के अंदर इसे लेकर बहुत बेचैनी है। हम प्रधानमंत्री से यही निवेदन करना चाहते हैं कि वे अमेरिका का दबाव बर्दाश्त करना सीखें, क्योंकि इसकी वजह से पूरा देश कष्ट झेल रहा है। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि अभी पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया गया है कि ई20 को वापस लिया जाए। ई20 जनता के खिलाफ है और प्रधानमंत्री जी को ट्रंप का दबाव नहीं मानना चाहिए। गोवा में हमारे दो, गुजरात में पांच और जम्मू-कश्मीर में हमारा एक विधायक है।

किडनी के पास पल रहा था 12 हफ्ते का भ्रूण दिल्ली के डॉक्टरों ने बचाई महिला की जान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल मेडिकल मामले का सफल इलाज कर एक महिला की जान बचाई। जांच में पता चला कि महिला की प्रेगनेंसी गर्भाशय में नहीं, बल्कि पेट के अंदर किडनी के पास विकसित हो रही थी। डॉक्टरों ने की-होल (लैप्रोस्कोपिक) सर्जरी के जरिए बिना बड़ा चीरा लगाए सफल ऑपरेशन किया। बंगलूरु की रहने वाली महिला नियमित गर्भावस्था जांच के लिए दिल्ली के इस निजी अस्पताल पहुंची थी। शुरूआती अल्ट्रासाउंड में डॉक्टरों को पेट में एक बड़ी थैली जैसी संरचना दिखाई दी, जिसे पहले डर्मोइड सिस्ट (त्वचा के भीतर थैलीनुमा गांठ) समझा गया। लेकिन बाद में एमआरआई जांच से पता चला कि गर्भाशय की दीवार फट गई थी और 12 सप्ताह का भ्रूण पेट के अंदर किडनी और मुख्य रक्त वाहिकाओं के पास विकसित हो रहा था।अस्पताल के ऑब्स्टेट्रिक्स एवं गायनेकोलॉजी विभाग के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. मन्नन गुप्ता ने बताया कि यह एक्टोपिक प्रेग्नेंसी (भ्रूण का गर्भाशय के बाहर विकसित होना) का बेहद दुर्लभ रूप है। आमतौर पर ऐसी गर्भावस्था फैलोपियन ट्यूब या ओवरी में होती है, लेकिन इस मामले में भ्रूण किडनी के पास विकसित हो रहा था। डॉ. गुप्ता बताते हैं कि उन्होंने अपने पूरे चिकित्सा कॅरियर में पहली बार ऐसा मामला देखा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस तरह का मामला लगभग 30 हजार मामलों में से किसी एक में देखने को मिलता है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसे दुर्लभ मामलों में समय पर जांच और इलाज बहुत जरूरी होता है, क्योंकि देरी होने पर यह जानलेवा साबित हो सकती है। मुख्य रक्त वाहिकाओं और अहम अंगों के करीब होने से सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी डॉक्टरों के अनुसार, गर्भावस्था मुख्य रक्त वाहिकाओं और दूसरे अहम अंगों के बहुत करीब थी। इसलिए सर्जरी काफी चुनौतीपूर्ण थी। पूरी योजना और सावधानी के साथ लैप्रोस्कोपिक तकनीक से ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन सफल रहा और महिला की हालत अब पूरी तरह स्थिर है।

संक्षिप्त खबरें

बंगला साहिब लंगर सेवा के लिए मिला 1 करोड़ का सहयोग

नई दिल्ली। दिल्ली के ऐतिहासिक गुरुद्वारा बंगला साहिब की रसोई में लंगर सेवा के लिए नई मशीनें स्थापित करने हेतु प्रख्यात समाजसेवी सुरिंदर पाल सिंह सलूजा एवं उनके परिवार ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को 1 करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। इस अवसर पर कमेटी ने परिवार का सम्मान भी किया। सुरिंदर पाल सिंह सलूजा एवं उनके परिवार ने कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों को चेक सौंपा। कार्यक्रम में चेयरमैन सरदार भूपिंदर सिंह भुल्लर सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री कालका और श्री काहलों ने कहा कि कमेटी की मानव सेवा, चिकित्सा और शिक्षा से जुड़ी पहलों से प्रेरित होकर सलूजा परिवार ने यह महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि इस योगदान से सेवा कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि कमेटी लोगों को रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधाएं, निःशुल्क डायलिसिस तथा सस्ती दवाइयां उपलब्ध करा रही है। साथ ही गुरसिख अमृतधारी परिवारों के बच्चों की शिक्षा में भी आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने संगत से अपील की कि मानव सेवा के इस अभियान में कमेटी का सहयोग निरंतर बनाए रखें।

नीट-पीजी दाखिला व्यवस्था का ऑडिट कराएगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार नीट-पीजी स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले की मौजूदा प्रणाली के ऑडिट के लिए एक समिति गठित कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में जानकारी देते हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि समिति 8 सप्ताह में रिपोर्ट पेश करेगी, जिसका उद्देश्य मौजूदा खामियों की पहचान करना है। याचिकाकताओं ने कट-ऑफ में कमी को चुनौती दी है। केंद्र सरकार ने नीट-पीजी के जरिए स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले की मौजूदा व्यवस्था में खामियों का पता लगाने के लिए पूरे तंत्र का व्यापक ऑडिट करने जा रही है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी देते हुए कहा कि ऑडिट का तौर तरीका तय करनेकेलिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशाक की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ के समक्ष केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ से कहा कि सरकार ने 23 जुलाई को एक अधिसूचना जारी कर उच्च स्तरीय समिति गठित की है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत, साथी घायल

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

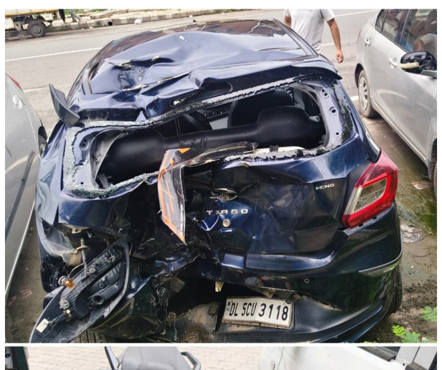

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जुट गई। पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 1:15 बजे शास्त्री पार्क थाना पुलिस को सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अक्षरधाम की ओर जाने वाले मार्ग पर दूसरे पुश्ते के पास पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि तेज गति से आ रही मोटरसाइकिल पीछे से सड़क किनारे खड़ी एक कार से टकरा गई। हादसे में मोटरसाइकिल चला रहे सैयद अमन अली (25 वर्ष), निवासी चूड़ीवालान, दिल्ली, गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं पीछे बैठे मोहम्मद फैज (25 वर्ष) को राहगीरों की मदद से जय प्रकाश नारायण अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना पर विधि विज्ञान दल ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शास्त्री पार्क थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा आसपास लगे निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है।

दिल्ली से अब सीधे दमन की उड़ान, घरेलू उड़ानों के 90 शहरों से जुड़ा आईजीआई एयरपोर्ट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक और नया विकल्प उपलब्ध हो गया है। अब दिल्ली से दमन के लिए सीधी नियमित उड़ान शुरू हो गई है। इस नई सेवा का संचालन एलायंस एयर करेगी। इसके साथ ही दिल्ली एयरपोर्ट से सीधे जुड़ने वाले घरेलू गंतव्यों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। इनमें सर्दियों के मौसम में संचालित होने वाले खजुराहो और जैसलमेर भी शामिल हैं। नई उड़ान शुरू होने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट देश का पहला ऐसा हवाई अड्डा बन गया है, जहां से 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से 32 तक सीधी उड़ान उपलब्ध है। इनमें 27 राज्य और पांच केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं। प्रतिदिन 1,050 से अधिक घरेलू उड़ानों का संचालन होता है और हर महीने 50 लाख से अधिक यात्री घरेलू सेवाओं का उपयोग करते हैं। यात्रियों के लिए इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अब दमन जाने के लिए बीच में विमान बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। देश के विभिन्न शहरों और विदेशों से दिल्ली पहुंचने वाले यात्री भी एक ही टिकट या सुविधाजनक कनेक्शन के जरिए दमन पहुंच सकेंगे। इससे यात्रा का समय कम होगा और सफर अधिक सुविधाजनक बनेगा।मिन अपने समुद्री तटों, पुर्तगाली विरासत और तेजी से विकसित हो रहे पर्यटन क्षेत्र के लिए जाना जाता है। वहीं दवा, रसायन, प्लास्टिक, वस्त्र और इंजीनियरिंग उद्योगों के कारण यह पश्चिम भारत का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र भी है। नई उड़ान से पर्यटकों के साथ-साथ कारोबारी यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। दिल्ली एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप पनिक्कर ने कहा कि घरेलू नेटवर्क का विस्तार क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने और यात्रियों को अधिक यात्रा विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में दिल्ली एयरपोर्ट से एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, अकासा एयर, स्पाइसजेट और एलायंस एयर घरेलू उड़ानों का संचालन कर रही हैं।

नवजात बच्चों का सौदा घोर अभिशाप : कोर्ट

नई दिल्ली। साकेत जिला अदालत ने अंतरराज्यीय शिशु तस्करी गिरोह से जुड़े आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि नवजात बच्चों की तस्करी घोर अभिशाप है, जो सभ्य समाज की नैतिक चेतना पर सीधा प्रहार करती है। अदालत ने कहा कि बच्चों के जीवन, स्वतंत्रता और गरिमा को किसी भी कीमत पर बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरगुरवारिंदर सिंह जग्गी की अदालत सोमवार को आरोपी राज कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह मामला एक अविवाहित दुष्कर्म पीड़िता से जन्मी नवजात बच्ची की कथित तस्करी से जुड़ा है। अदालत ने कहा कि बाल तस्करी समाज के सबसे कमजोर वर्ग पर हमला है और इस पर गहरी चिंता जताई जानी चाहिए। यह मामला तब सामने आया जब महिला एवं बाल विशेष पुलिस इकाई से सूचना मिली कि नवंबर 2023 में सफदरजंग अस्पताल में एक 18 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की जन्मी बच्ची को अवैध रूप से गोद दिलाने और तस्करी का प्रयास किया गया।

फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी का भंडाफोड़, सरगना समेत सात गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। साइबर थाना, सेंट्रल जिला पुलिस ने नेक्स्ट स्टेप एडवाइजर्स के नाम से चल रहे फर्जी प्लेसमेंट रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए सरगना समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह एजेंसी बिना पंजीकरण के संचालित हो रही थी और बेरोजगार युवाओं से नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर रही थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, पंजीकरण फार्म और भुगतान से जुड़े दस्तावेज बरामद किए हैं। जांच में राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर दर्ज पांच शिकायतों का भी इस मामले से संबंध सामने आया है। पुलिस के अनुसार, करोल बाग निवासी एक युवक की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता को व्हाट्सएप के जरिए नौकरी का झांसा देकर उत्तम नगर स्थित दफ्तर बुलाया गया, जहां उससे पंजीकरण और खाते खोलने के नाम पर 4800 रुपये वसूले गए। बाद में न तो उसे नौकरी दी गई और न ही रकम लौटाई गई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण और बैंक खातों की पड़ताल के आधार पर पुलिस टीम ने उत्तम नगर स्थित कार्यालय पर छापा मारा, जहां नेक्स्ट स्टेप एडवाइजर्स के नाम से फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी संचालित होती मिली। लगातार प्रयासों के बाद गिरोह की सरगना समेत सभी सात आरोपियों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ऑनलाइन जॉब पोर्टल पर आकर्षक नौकरियों के विज्ञापन डालकर बेरोजगार युवाओं को झांसे में लेते थे और इंटरव्यू के बहाने बुलाकर उनसे तीन से चार हजार रुपये तक वसूलते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी खुद को मानव संसाधन अधिकारी बताकर युवाओं से संपर्क करते थे और फर्जी इंटरव्यू के बाद नौकरी पक्की होने का भरोसा देकर पैसे लेते थे। इसके बाद न तो नौकरी दी जाती थी और न ही रकम लौटाई जाती थी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्लेसमेंट एजेंसी को बिना सत्यापन के कोई शुल्क न दें। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल की श्रद्धांजलि एवं व्याख्यानमाला का भव्य आयोजन, भारतीयता और वैश्य एकता पर हुआ मंथन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जनपद स्थित सदर सिटी क्लब के प्रांगण में डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल चैरिटेबल ट्रस्ट, लखनऊ के तत्वावधान में भारत के महान इतिहासकार, पुरातत्त्वविद् एवं राष्ट्रचिंतक डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल की स्मृति में श्रद्धांजलि एवं व्याख्यानमाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष, अभियंता संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अवकाशप्राप्त मुख्य अभियंता श्री जी. पी. जायसवाल ने की, जबकि मंच संचालन ट्रस्ट के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिद्धांत जायसवाल ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त श्री रामाशंकर जायसवाल ने किया। अपने उद्घाटन संबोधन में श्री रामाशंकर जायसवाल ने कहा कि डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल ने अपने ऐतिहासिक शोध के आधार पर समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा था, जिसने भारतीय इतिहास की गौरवशाली परंपरा को विश्व के समक्ष स्थापित किया। मुख्य अतिथि एवं डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल की नतनी, विकास प्राधिकरण की पदाधिकारी डॉ. प्रीति जायसवाल ने कहा कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि यदि डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल स्वतंत्र भारत में जन्मे होते, तो वे निश्चित रूप से भारत के प्रथम राष्ट्रपति होते। यह उनके अद्वितीय ज्ञान, राष्ट्रभक्ति एवं व्यक्तित्व का सर्वोच्च सम्मान है। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय वैश्य न्याय महासंघ के राष्ट्रीय प्रधान संरक्षक डॉ. राजकुमार आजाद ने कहा कि हम सभी समुद्रगुप्त के वंशज हैं। हम जन्मजात गौरवशाली परंपरा के उत्तराधिकारी हैं, किन्तु समाज के कुछ जयचंदों के कारण आज हमारा समाज सम्मानजनक स्थिति से वंचित होकर कठिन जीवन जीने को विवश है। उन्होंने समाज से एकजुट होकर अपने गौरव की पुनर्स्थापना का आह्वान किया। क्रांतिकारी वक्ता और सामाजिक क्रांति के लिए अपना पद न्यौछावर कर देने वाले पूर्व डिप्टी कलेक्टर एवं राष्ट्रीय वैश्य न्याय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आदित्य शिवमशंकर गुप्ता ने कहा कि महान क्रांतिकारी विभूति डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल ने अपने शोध एवं लेखनी के माध्यम से भारत और भारतीयता के स्वर्णिम एवं महान इतिहास का साक्षात्कार विश्व तथा अंग्रेजों को कराया। उन्होंने कहा कि डॉ. जायसवाल के जीवन के दो प्रमुख लक्ष्य थे–पहला, भारत की राजनीतिक स्वतंत्रता, जो वर्ष 1947 में पूर्ण हुई; तथा दूसरा, भारत की सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत महानता की पुनर्स्थापना। उन्होंने आह्वान किया कि भारत के नेपोलियन समुद्रगुप्त के वंशज सभी वैश्य-बनिया एकजुट होकर वैश्य क्रांति का शंखनाद करें और भारतीयता के गौरव को पुनः विश्व पटल पर प्रतिष्ठित करें। विशिष्ट अतिथि मिजार्पुर नगर परिषद के अध्यक्ष श्री श्याम किशोर केशरी सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में ट्रस्ट के महामंत्री ई. के. के. जायसवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार गुप्त, जे. जे. जायसवाल, अधि अलंकार जायसवाल, दीपक कुमार जायसवाल, सुरेंद्र जायसवाल, डॉ. मंजू लता जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं एवं अंगवस्त्र (चादर) से सम्मान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक, शैक्षणिक एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पेपर लीक मामले में कांग्रेस अपना रही है दोहरा मापदंड: भाजपा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर पेपर लीक मामले को लेकर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है और इस मुद्दे पर कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर जवाब मांगा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री खरगे जी राज्यसभा में खड़े होकर घंटों भाषण देते हैं। अच्छी बात है, कम से कम चर्चा तो हुई, लेकिन जब उसी विषय पर उनके सुपुत्र कर्नाटक में ऐसा बयान देते हैं जो असंवेदनशील है, अमानवीय है, उस पर श्री गांधी और श्री खरगे चुप हैं। उन्होंने कहा, हमने टीवी पर देखा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे जी ने कर्नाटक में हुए पेपर लीक पर, पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती में हुई गड़बड़ियों के खिलाफ छात्रों के आंदोलन को लेकर बड़े अहंकार से कहा कि ठीक है, पहले छात्रों को 25 दिन की भूख हड़ताल करने दो, फिर हम लाठीचार्ज करेंगे, फिर अपने इस्तीफे के बारे में चिंता करेंगे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, इस मुद्दे पर श्री गांधी चुप हैं और मैं दावे के साथ कहना चाहूंगा कि आज भी वे सदन चलने नहीं देंगे। यह कांग्रेस का दोहरा मापदंड है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ सहयोगी दल मानसून सत्र को बाधित कर रहे हैं। एक सत्र में करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। हालांकि, सत्र शुरू होने के बाद से, प्रश्नकाल नहीं हो पाया है। शायद ही किसी भी विधेयक पर कोई चर्चा हो रही है। श्री पात्रा ने कहा, मैं बस उनके दोहरे मानकों से हैरान हूं। संसद का सत्र चलाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। फिर भी, शुरू से ही, शून्य काल घंटे को बाधित करने के प्रयास किए गये हैं। समस्या कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार में निहित है। दोहरे मापदंड चौंकाने वाले हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि श्री प्रियांक खरगे ने एक असंवेदनशील बयान देते हुए कहा कि उन्हें भूख हड़ताल पर जाने दो। फिर हम उन पर लाठी चार्ज करेंगे, और उसके बाद ही मैं इस्तीफा देने के बारे में सोचूंगा। श्री गांधी अभी भी इस पर चुप हैं। झारखंड में हजारों छात्र विरोध प्रदर्शन में बैठे हैं, और कांग्रेस पार्टी झारखंड में आंदोलन में बैठे छात्रों के पक्ष में एक भी शब्द नहीं बोल रही है, और न ही ऐसा लगता है कि वह सदन में उस मुद्दे को उठा रही है।

अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी का भंडाफोड़, सरगना सहित आठ गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। राजधानी में सक्रिय अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का स्पेशल सेल (ईस्टर्न रेंज) ने भंडाफोड़ करते हुए सरगना समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 18 अवैध हथियार, 10 अतिरिक्त मैगजीन और 9 एमएम के जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह सोशल मीडिया के एन्क्रिप्टेड माध्यमों के जरिए सप्लायर, खरीदार और तस्करों के साथ संपर्क बनाए रखता था। पुलिस के अनुसार, इंस्पेक्टर राहुल कुमार, विनीत कुमार तेवतिया और अजीत कुमार की टीम ने एसीपी कैलाश सिंह बिष्ट के निर्देशन में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। 5 जुलाई को हरीश चंद्र को गिरफ्तार कर उसके पास से आठ अत्याधुनिक पिस्तौल और मैगजीन बरामद की गईं। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह अपने भाई के साथ मध्य प्रदेश से हथियार लाकर गिरोह के सरगना शिशपाल सिंह उर्फ यश चौधरी के निर्देश पर सप्लाई करता था। इसके बाद 7 जुलाई को प्रीतपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक देशी पिस्तौल और कारतूस मिला। जांच आगे बढ़ने पर फरीदाबाद से सरगना शिशपाल सिंह को पकड़ा गया, जो पिछले तीन वर्षों से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में सक्रिय था। उसके इशारे पर कुलदीप सागर और आगे एजेश कुमार को भी दबोचा गया। 14 जुलाई को नूर मोहम्मद उर्फ तसलीम और मोहम्मद शान को गिरफ्तार कर चार देशी पिस्तौल, एक सेमी ऑटोमैटिक पिस्तौल और एक रिवॉल्वर बरामद की गई। 15 जुलाई को विक्रम सिंह को पकड़कर उसके पास से 9 एमएम के पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह मध्य प्रदेश और अलीगढ़ से हथियार मंगाकर राजधानी समेत उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में सप्लाई करता था। आरोपी पहचान छिपाने के लिए फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल और वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल करते थे। इस मामले में शस्त्र अधिनियम और बीएनएस की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जीटी रोड पर कांवड़ियों के लिए भव्य सेवा शिविर, सावन में व्यवस्थाओं पर खास जोर

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। सावन के पवित्र महीने के साथ ही कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। दिल्ली के जीटी रोड पर उत्तर प्रदेश बॉर्डर के पास श्रद्धालुओं की सेवा के लिए एक भव्य कांवड़ शिविर लगाया गया है, जहां ठहरने, भोजन, सुरक्षा और चिकित्सा जैसी सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था की गई है। कांवड़ियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए शिविर में सभी जरूरी इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। जीटी रोड पर उत्तर प्रदेश बॉर्डर के निकट श्री गौरी शंकर कांवड़ सेवा संघ की ओर से श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए आकर्षक शिविर तैयार किया गया है। रंग-बिरंगे पंडाल, सादगीपूर्ण सजावट और भक्तिमय माहौल श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। सावन के आगमन के साथ ही यहां सेवा कार्य शुरू हो चुका है और लगातार कांवड़िये पहुंच रहे हैं। शिविर में कांवड़ियों के ठहरने, भोजन, शुद्ध पेयजल और ठंडी हवा के लिए कूलर की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर निगरानी के लिए कैमरे लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और यातायात पुलिस का सहयोग भी मिल रहा है। साफ-सफाई और फॉगिंग के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है, जिसके तहत शाम के समय चिकित्सा और नेत्र जांच शिविर लगाए जा रहे हैं।कांवड़ समिति के पदाधिकारियों के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रा के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो। पंडाल के भीतर भगवान गणेश और शिवलिंग की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। भजन-कीर्तन, रोशनी और बैठने की समुचित व्यवस्था श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण प्रदान कर रही है, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

आप के पूर्व विधायक को हाईकोर्ट से राहत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक कुलदीप कुमार को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकी रद्द कर दी हैं। ये प्राथमिकी कोविड-19 पाबंदियों के दौरान वर्ष 2021 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तिरंगा यात्रा निकालने के कारण दर्ज की गईं थीं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने इसी घटना के सिलसिले में चार अन्य लोगों रविंदर, योगेश, अनीता भट्ट व धीरेंद्र के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को भी रद्द किया है। पीठ ने कहा कि ये प्राथमिकियां एक ही घटनाक्रम से जुड़ी हैं। कई मुकदमों की इजाजत देना दोहरे खतरे(एक ही मामले में दो मुकदमे चलाने) के खिलाफ संवैधानिक सुरक्षा का उल्लंघन होगा। आदेश के अनुसार पीठ ने कल्याणपुरी थाने व गाजीपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी को उनसे जुड़ी सभी आगे की कार्यवाही के साथ रद्द किया है। दिल्ली पुलिस का आरोप था कि कोंडली विधानसभा क्षेत्र के तत्कालीन विधायक कुलदीप कुमार ने कोविड-19 पाबंदियों (जिनमें निषेधाज्ञा, सामाजिक दूरी के नियम व मास्क पहनने की अनिवार्यता शामिल थी) का उल्लंघन करते हुए तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया था। यह जुलूस जब न्यू अशोक नगर, कल्याणपुरी व गाजीपुर पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र से गुजरा, तो वहां अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गईं। कुमार व अन्य लोगों ने तर्क दिया कि सभी प्राथमिकी एक ही घटना से जुड़ी थीं। कुलदीप और सह-आरोपी रविंदर को न्यू अशोक नगर वाली प्राथमिकी में पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है। बाकी सभी को बरी करदिया गया था। उन्होंने दलील दी कि बाकी मुकदमों को जारी रखना एक ही घटनाक्रम के लिए बार-बार प्राथमिकी दर्ज करने जैसा होगा और यह भारत के संविधान का उल्लंघन होगा।प्राथमिकी रद्द करते हुए पीठ ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को खारिज कर दिया कि हर बार जब तिरंगा यात्रा किसी दूसरे पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में प्रवेश करती थी। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए आगे बढ़ती थी तो वह आदेश न मानने का एक नया कृत्य बन जाता था, जिससे एक अलग अपराध बनता है।

संक्षिप्त खबरें

पुरी रथ यात्रा के रथ के पहिए राष्ट्रपति भवन में लगाए जाएंगे

भुवनेश्वर। पुरी की वार्षिक रथयात्रा में इस्तेमाल होने वाले तीनों रथों के पहियों को राष्ट्रपति भवन में लगाया जाएगा। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने बताया कि उन्होंने भुवनेश्वर स्थित लोक भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उनके समक्ष यह प्रस्ताव रखा। उन्होंने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति इस बात पर सहमत हो गईं कि तीनों रथों के पहिये राष्ट्रपति भवन में लगाए जाएं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। अधिकारियों ने बताया कि भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष, भगवान बलभद्र के तालध्वज और देवी सुभद्रा के दर्पदलन रथों के पहियों को नई दिल्ली भेजा जाएगा और ओडिशा की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के स्थाई प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वार्षिक रथयात्रा के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले तीनों रथों को हर साल उत्सव के बाद खोल दिया जाता है। जहां लकड़ी का एक हिस्सा जगन्नाथ मंदिर की रसोई में इस्तेमाल होता है, वहीं रथों के महत्वपूर्ण हिस्सों की श्रद्धालुओं के बीच नीलामी की जाती है।

आईपीयू के 9 कोर्स में ऑनलाइन स्पॉट राउंड काउंसलिंग

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली के 9 कोर्स में ऑनलाइन स्पॉट राउंड काउंसलिंग में 5 अगस्त तक आवेदन का अवसर है। ये कोर्स एलएलएम, बीसीए, बीए एलएलबी/बीबीए एलएलबी, बी.एड, बीबीए/बीबीए-एमबीए इंटीग्रेटेड, डिप्लोमा धारकों के लिए लेटरल एंट्री टू बी.टेक/बी.टेक, बी.कॉम (ऑनर्स), चार वर्षीय बीए अर्थशास्त्र(ऑनर्स) हैं। इस काउंसलिंग में भाग लेने के लिए 500 रुपये का पंजीकरण शुल्क भी जमा करना होगा। जिन छात्रों ने 2,500 रुपये का आवेदन शुल्क अभी तक जमा नहीं किया है वे उसे भी 5 अगस्त तक जमा कर सकते हैं। 5 अगस्त तक समस्त प्रोग्राम के लिए विकल्प चयन भी किया जा सकता है। 06 अगस्त को इस काउंसलिंग से संबद्ध ज्यादातर प्रोग्राम के परिणाम घोषित कर दिए जायेंगे।

राधा रमण की जयंती पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राधा रमण की जयंती पर प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान फल वितरण भी किया गया। देवेंद्र यादव ने कहा कि राधा रमण स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा वर्ष 1972-77 के दौरान दिल्ली के मुख्य कार्यकारी पार्षद के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने प्रथम लोकसभा और बाद में चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए जनसेवा की। उन्होंने कहा कि राधा रमण ने खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन, सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई तथा स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पांच बार जेल भी गए। देवेंद्र यादव ने कहा कि उनके नेतृत्व ने दिल्ली में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईआईटी दिल्ली में स्थापित होगा एआई और साइबर सुरक्षा पर टेक्नोलॉजी हब

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, कौशल विकास और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक निजी प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत आईआईटी दिल्ली परिसर में टेक्नोलॉजी हब स्थापित किया जाएगा, जो अगले तीन वर्षों तक अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार का प्रमुख केंद्र बनेगा। आईआईटी दिल्ली के अनुसार, इस हब के माध्यम से छात्रों, शोधार्थियों और उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों को एआई और साइबर सुरक्षा से संबंधित अत्याधुनिक तकनीकों पर प्रशिक्षण, अनुसंधान परियोजनाओं और ज्ञान साझा करने के अवसर मिलेंगे। हब का उद्देश्य देश में डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना, उभरते साइबर खतरों से निपटने के लिए समाधान विकसित करना और भविष्य के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना है। संस्थान के कॉरपोरेट रिलेशंस के डीन प्रो. जयंत जैन ने कहा कि यह पहल उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को नई दिशा देगी तथा नवाचार को बढ़ावा देगी।

फुकेट-दिल्ली एयर इंडिया फ्लाइट टबुर्लेंस की चपेट में आई, कई यात्री घायल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

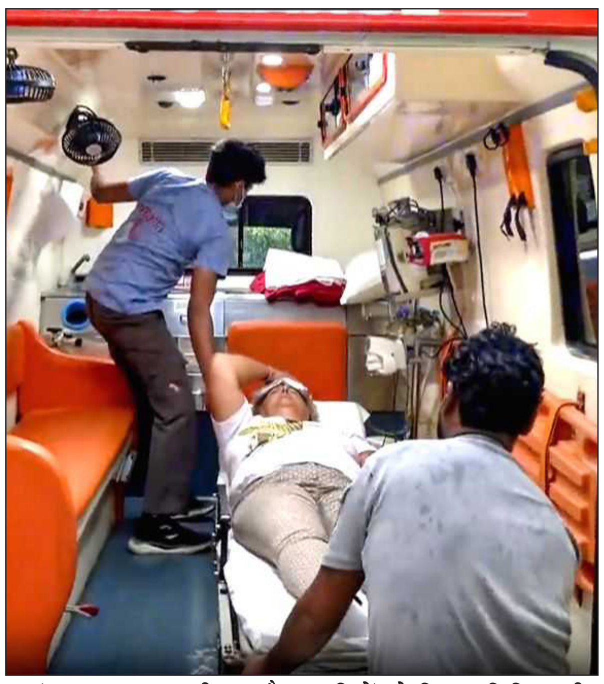

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फुकेट से दिल्ली आ रही उड़ान एआई-2379 मंगलवार को दिल्ली पहुंचने से पहले अचानक तेज टबुर्लेंस (हवाई झटकों) की चपेट में आ गई। जोरदार झटकों के कारण विमान में सवार कई यात्रियों और कुछ क्रू सदस्यों को मामूली चोटें आईं। हालांकि विमान ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्री व चालक दल सुरक्षित बाहर निकल गए। एयर इंडिया ने आधिकारिक बयान में कहा कि उड़ान के दौरान कुछ समय के लिए विमान को तेज टबुर्लेंस का सामना करना पड़ा, जिससे उसकी ऊंचाई में क्षणिक बदलाव आया। विमान के सुरक्षित उतरते ही एयरपोर्ट पर एंबुलेंस पहले से तैनात थीं। एहतियात के तौर पर घायल यात्रियों और क्रू सदस्यों को एयरपोर्ट के मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां उनका स्वास्थ्य परीक्षण और प्राथमिक उपचार किया गया। कुछ यात्रियों को विस्तृत चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल भी भेजा गया। अचानक नीचे आया विमानप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टबुर्लेंस के दौरान विमान अचानक नीचे आया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। कई यात्रियों को सीटों और केबिन के अन्य हिस्सों से टकराने के कारण चोटें आईं। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि किसी यात्री या क्रू सदस्य के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है और सभी प्रभावित लोगों को आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई है एयरलाइन ने जांच में सहयोग का दिया भरोसा एयर इंडिया ने कहा कि घटना की जांच के लिए संबंधित विमानन अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करेगी। गौरतलब है कि मानसून के दौरान बादलों की सक्रियता और प्रतिकूल मौसम के कारण टबुर्लेंस की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी जाती है। विमानन विशेषज्ञ ऐसे मौसम में यात्रियों को पूरी उड़ान के दौरान सीट बेल्ट बांधे रखने और केबिन क्रू के निर्देशों का पालन करने की सलाह देते हैं।

पीएम आवास की ओर प्रस्तावित मार्च पर रोक की मांग
सैकड़ों वकीलों ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास की ओर किसी भी प्रस्तावित मार्च को रोकने और हाई-सिक्योरिटी इलाकों में प्रदर्शन के लिए स्पष्ट नियम बनाने की मांग को लेकर देशभर के सैकड़ों वकीलों ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन भेजा है। यह ज्ञापन एडवोकेट संकेत गुप्ता के जरिए भेजा गया। वकीलों ने ज्ञापन में कहा कि प्रधानमंत्री आवास देश के सबसे संवेदनशील और उच्च सुरक्षा वाले प्रतिष्ठानों में से एक है। ऐसे में यहां राजनीतिक प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने दिल्ली पुलिस से मांग की कि पीएम आवास जैसे हाई-सिक्योरिटी जोन में राजनीतिक प्रदर्शन के लिए एक एसओपी यानी मानक संचालन प्रक्रिया बनाई जाए। ज्ञापन में अरविंद केजरीवाल द्वारा पीएम आवास की ओर मार्च के आह्वान का भी हवाला दिया गया। वकीलों ने कहा कि 20 जुलाई को बिना अनुमति के हुए धरने जैसी घटनाएं फिर न हों, इसे रोकना जरूरी है। वकीलों ने आशंका जताई कि अगर राजनीतिक दल या संगठन हाई-सिक्योरिटी क्षेत्रों की ओर जुटान करते हैं तो इससे सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। ज्ञापन में कहा गया कि संविधान के आर्टिकल 19 के तहत शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार सबको है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को उससे ऊपर रखना जरूरी है। इसी वजह से मांग की गई कि प्रधानमंत्री आवास के आसपास किसी भी तरह की अवैध सभा, जुलूस या प्रदर्शन की अनुमति न दी जाए। ज्ञापन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और एसपीजी एक्ट के प्रावधानों का भी जिक्र किया गया। वकीलों ने कहा कि इन कानूनों के अनुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही दिल्ली पुलिस से अपील की गई कि वह सभी हाई-सिक्योरिटी प्रतिष्ठानों के आसपास प्रदर्शन को लेकर एक जैसी और व्यापक एसओपी जारी करे। वकीलों ने यह भी कहा कि भविष्य में अगर कोई राजनीतिक दल या संगठन हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र की ओर मार्च का सार्वजनिक आह्वान करता है तो उस पर रोक के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश पहले से तय होने चाहिए। ज्ञापन को अत्यंत जरूरी बताते हुए वकीलों ने दिल्ली पुलिस से इस मामले में तत्काल निवारक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

भाजपा शासित राज्यों में बुलडोजर न्याय संविधान का अपमान: कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के खरगोन में चार वर्ष पहले रामनवमी पर हुई हिंसा मामले में सभी आरोपियों के बरी होने के बाद मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बुलडोजर न्याय के नाम पर जो किया जा रहा है, वह संविधान का घोर अपमान है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि जिन लोगों के घर ध्वस्त किए गए, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए और कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अप्रैल, 2022 में खरगोन में रामनवमी जुलूस के दौरान हिंसा भड़कने के अगले ही दिन जिला प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई करते हुए शहर के पांच मुस्लिम बहुल इलाकों में 16 मकानों और 29 दुकानों को ध्वस्त कर दिया था। उन्होंने कहा कि उस समय मध्य प्रदेश के तत्कालीन गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा था, जिस घर से पत्थर आए हैं, उस घर को ही पत्थरों का ढेर बनाएंगे। रमेश ने दावा किया कि जुलाई, 2026 में मध्य प्रदेश के एक सत्र न्यायालय ने 2022 की रामनवमी हिंसा के मामले में आरोपी सभी 11 मुस्लिम पुरुषों को बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आरोपियों के खिलाफ न कोई विश्वसनीय साक्ष्य था, न कोई गवाह था और न ही कोई विधिसम्मत जांच की गई थी। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अदालत द्वारा आरोपियों को निर्दोष करार दिए जाने के बावजूद भाजपा का बुलडोजर न्याय वर्षों पहले ही दिया जा चुका था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बुलडोजर कार्रवाइयों का निशाना लगातार मुस्लिम समुदाय को बनाया गया तथा उनके धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और घरों तक को ध्वस्त किया गया। रमेश ने आरोप लगाया कि यह कानून के शासन और संविधान, दोनों का घोर अपमान है। उन्होंने मांग की, जिन लोगों के घर ध्वस्त किए गए, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए और इस कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए।

आसाराम को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं : एम्स

नई दिल्ली। एम्स ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि दुष्कर्म मामले में दोषी आसाराम को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, एम्स ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि दोषी को 24 घंटे प्रशिक्षित देखभाल करने वालों की मदद की जरूरत है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और पी.बी. वराले की पीठ के समक्ष पेश अपनी रिपोर्ट में एम्स ने कहा कि आसाराम कोरोनरी आर्टरी डिजीज, ऑस्टियोपोरोसिस, क्रोनिक हाइपोनेट्रेमिया, थैलेसीमिया और बार-बार होने वाली गैस्ट्रो-संबंधी बीमारियों से पीड़ित हैं। एम्स ने आसाराम के स्वास्थ्य की जांच करने के बाद अपनी रिपोर्ट पेश की। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल आधार पर सजा निलंबित कर जमानत देने की मांग को लेकर आसाराम की ओर से दाखिल याचिका पर विचार करते हुए एम्स को उनकी सेहत की जांच करने और रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। पीठ ने मामले की सुनवाई गुरुवार तक के लिए टाल दी है क्योंकि राजस्थान सरकार का पक्ष रखने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता मौजूद नहीं थे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई नेताओं ने प्रथम मंगला गौरी व्रत की बधाई दी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी तिथि, मंगलवार को प्रथम मंगला गौरी व्रत है। इस दिन माता गौरी (पार्वती) और भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फलदाई होता है। सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखती हैं। इस पावन अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई नेताओं ने बधाई दी है। दिल्ली सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, आप सभी को पावन श्रावण मास के प्रथम मंगला गौरी व्रत की हार्दिक शुभकामनाएं। जगत जननी मां मंगला गौरी की असीम कृपा से प्रत्येक घर में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल का वास हो। मां का आशीर्वाद सभी के जीवन को आनंद, सौभाग्य और नई ऊर्जा से आलोकित करे। नई दिल्ली आनंद विहार की उप महापौर और भाजपा नेता डॉ. मोनिका पंत ने एक्स पोस्ट में लिखा, आप सभी को पावन श्रावण मास के प्रथम मंगला गौरी व्रत की हार्दिक शुभकामनाएं। जगत जननी मां मंगला गौरी की असीम कृपा से प्रत्येक घर में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल का वास हो। मां का आशीर्वाद सभी के जीवन को आनंद, सौभाग्य और नई ऊर्जा से आलोकित करे। भाजपा की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पावन मंगला गौरी व्रत की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। मां गौरी की कृपा सदैव आप सभी पर बनी रहे।

सरकारी स्कूल के शौचालय में छात्र का यौन शोषण

नई दिल्ली। नरेला इलाके के सरकारी स्कूल के शौचालय में कक्षा पांच के छात्र से सहपाठियों द्वारा यौन शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को पोक्सो की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित छात्र सरकारी स्कूल में कक्षा पांच का छात्र है। शिकायत के अनुसार, आठ छात्र स्कूल के शौचालय में करीब छह माह से शोषण कर रहे थे। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।पीड़ित से यह जानकारी नहीं मिली। इस बीच 30 जुलाई को तीन छात्रों ने यौन शोषण किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्कूल में पीड़ित का रिश्तेदार भी पढ़ता है।

राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव ने बैंक में रखे सोने, चांदी और अन्य रिकॉर्ड की समीक्षा की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अयोध्या (उप्र)। अयोध्या स्थित राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव ने यहां एक बैंक लॉकर में रखे करोड़ों रुपये के सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं के साथ-साथ उनसे जुड़े रिकॉर्ड की समीक्षा की। मंदिर के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन सोमवार की शाम अयोध्या में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा गए और देर रात तक वहां रुके। उन्होंने बताया कि इस दौरान कीमती सामान की सूची तैयार की गई और बैंक लॉकर में जमा सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं की तस्वीरें ली गईं। सूत्रों ने बताया कि कृष्ण मोहन पिछले तीन दिनों से ट्रस्ट के खाता-बही और अन्य रिकॉर्ड की जांच-पड़ताल में लगे हुए थे, जिसके बाद कोष और कीमती धातुओं की अंतिम सूची तैयार की गई। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले के बाद उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर बनाई गई नई विशेष अन्वेषण टीम (एसआईटी) के मंगलवार को अपना काम फिर से शुरू करने की उम्मीद है। कृष्ण मोहन ने बैंक के अपने दौरे के बारे में मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि राम मंदिर में व्यवस्थाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, आप आएं, दर्शन करें और खुद देखें अगर कोई कमी हो, तो हमें बताएं। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला जून के पहले सप्ताह में सामने आया था जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एक विशेष अन्वेषण टीम (एसआईटी) का गठन किया और शुरू में जांच के लिए 15 दिन का समय दिया।

रोजाना होगी पेपर लीक मामलों की सुनवाई, दिल्ली की विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शुरू किया काम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली के मामलों के निपटारे के लिए दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में बनी विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने काम शुरू कर दिया है। इस कोर्ट के नए जज अजय गुप्ता ने चार्ज संभाल लिया है। कोर्ट ने मौखिक तौर पर कहा कि पेपर लीक से जुड़े मामलों की सुनवाई अब रोजाना के आधार पर की जाएगी, ताकि पीड़ित छात्रों को जल्द न्याय मिल सके। इस मामले में मंगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल और विकास बिवाल ने कोर्ट में एक अर्जी दी है। इसमें उन्होंने पॉलीग्राफ टेस्ट, ब्रेन मैपिंग और लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने की मांग की है। कोर्ट ने इस आवेदन पर नोटिस जारी कर दिया है। साथ ही कोर्ट ने सरकार और जांच एजेंसियों से यह भी जवाब मांगा है कि क्या इस तरह की अर्जी सुनवाई के लायक है या नहीं। वहीं दिनेश बिवाल और विकास बिवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई भी स्थगित दी गई है। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि उन्हें मामले में दाखिल चार्जशीट को पढ़ने के लिए थोड़ा समय चाहिए। इसे देखते हुए कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख तय कर दी। कोर्ट अब चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर 6 अगस्त को सुनवाई करेगा। इससे पहले 25 जुलाई को राऊज एवेन्यू कोर्ट के कोर्ट नंबर 408 में इस विशेष अदालत ने काम शुरू किया था। तब विशेष न्यायाधीश अनु ग्रोवर बालिगा ने इसका कार्यभार संभाला था। दिल्ली हाईकोर्ट ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अनुचित साधनों के इस्तेमाल से जुड़े आपराधिक मामलों की जल्दी सुनवाई के लिए इस फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया है। इस अदालत का मुख्य मकसद ऐसे मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करना है, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से मौसम हुआ सुहाना येलो अलर्ट जारी; पूरे सप्ताह गर्मी से राहत के आसार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मंगलवार सुबह से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। देर रात से शुरू हुई हल्की बारिश का सिलसिला सुबह तक जारी रहा, जिससे लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत मिली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 4 अगस्त के लिए दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण इस सप्ताह तापमान सामान्य से नीचे बना रहेगा, जिससे लोगों को तेज गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के सात दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार 4 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिनभर आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) 75 से 85 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। पूर्वानुमान के मुताबिक पूर्वाह्न, अपराह्न और शाम–तीनों समय हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसी वजह से आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को मौसम संबंधी सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। आईएमडी के अनुसार 5 अगस्त को भी मौसम सुहावना बना रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पूरे दिन आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि इस दिन किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। 6 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दिन भी कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। 7 अगस्त को भी मौसम में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री, न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिनभर बादलों की आवाजाही के साथ हल्की बारिश हो सकती है और किसी प्रकार का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। 8 अगस्त को तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस दिन भी सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग ने इस दिन भी कोई चेतावनी जारी नहीं की है। वहीं 9 अगस्त को अधिकतम तापमान 34 डिग्री तथा न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आर्द्रता 65 से 85 प्रतिशत के बीच रह सकती है।

नीट 2026 परिणाम में गड़बड़ी के आरोप में याचिका दाखिल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 6 प्रतिभागी छात्रों द्वारा नीट-यूजी-2026 के परिणाम में अनियमितता का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करने को सहमति जताई है। याचिका में आरोप लगाया गया कि परीक्षा के नतीजे घोषित होने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने जो ओएमआर शीट उपलब्ध कराई, उनमें और उनके द्वारा ओएमआर शीट पर असल में मार्क किए गए जवाबों में अंतर है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष छात्रों की ओर से पेश अधिवक्ता ने काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने से पहले याचिका पर सुनवाई करने का आग्रह किया। अधिवक्ता ने पीठ से कहा कि यह मामला उन छह छात्रों से जुड़ा है जिन्होंने 600 और 650 से अधिक प्राप्त किए, लेकिन उनका दावा है कि एनटीए द्वारा अपलोड ओएमआर शीट, परीक्षा के दौरान उनके द्वारा मार्क किए गए जवाबों से अलग हैं।

केंद्र ने लंबित पेंशन मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए मंत्रालयों को दिए निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के पेंशन और पारिवारिक पेंशन से जुड़े लंबे समय से लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के लिए सभी मंत्रालयों, विभागों तथा उनसे संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने विशेष अभियान 3.0 के तहत 18 अगस्त, 2026 तक लंबित पेंशन संबंधी शिकायतों, दावों और अन्य मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा है। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने भी विभाग के दिशा-निर्देश अपने सभी संस्थानों, प्रयोगशालाओं और इकाइयों को अनुपालन के लिए भेज दिए हैं। कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, सीपीईएनजीआरएएमएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण का औसत समय मई 2026 में घटकर 21 दिन रह गया, लेकिन मूल कारणों के विश्लेषण में कई श्रेणियों के पेंशन संबंधी मामले लंबे समय से लंबित पाए गए। इनमें साधारण पारिवारिक पेंशन के स्थान पर अतिरिक्त या उदारीकृत पारिवारिक पेंशन, अनुग्रह राशि, राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार भत्ता, संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगति (एमएसीपी), केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों और ह्यवन रैंक-वन पेंशनह्व के तहत पेंशन संशोधन, पारिवारिक पेंशन के बकाये, बैंक अथवा पेंशन प्रसंस्करण प्रणाली बदलने के बाद लंबित भुगतान तथा पीपीओ में जन्म तिथि दर्ज नहीं होने के कारण अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन नहीं मिल पाने जैसे मामले शामिल हैं।

दीपांकर भट्टाचार्य ने आरएसएस की जेन-जेड से संवाद की योजना पर सवाल उठाए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की युवाओं से संवाद की योजना पर मंगलवार को सवाल उठाए और कहा कि संघ परिवार को युवाओं से जुड़ने की कोशिश करने से पहले किशोरों को बलात्कार और जान से मारने की धमकियां देना बंद करना चाहिए। भट्टाचार्य ने यह प्रतिक्रिया आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा छह अगस्त को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सेंटर में 100 शहरों के 15-19 साल के लगभग 2,000 छात्रों को संबोधित करने के कार्यक्रम पर दिये। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का पैमाना प्रभावशाली है, लेकिन इसका उद्देश्य क्या है। भाकपा (माले) लिबरेशन महासचिव ने कहा, कहा जा रहा है कि आरएसएस जेन जेड तक पहुंचने के लिए बहुत बेताब है। मोहन भागवत 100 शहरों से लाए गए 15 से 19 साल की उम्र के 2,000 छात्रों को संबोधित करने वाले हैं। संख्या तो प्रभावशाली है, लेकिन इस संवाद का उद्देश्य क्या होगा? सत्तारूढ़ व्यवस्था पर युवा प्रदर्शनकारियों के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए भट्टाचार्य ने कहा, मोदी पहले ही सांस्कृतिक झटके की बात कर चुके हैं, ऐसा करते हुए उन्होंने भारत की भटकी हुई बेटियों को लेकर पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों का सहारा लिया है। सुनियोजित तरीके से ऑनलाइन और ऑफलाइन हो रही प्रतिक्रिया के कारण 15 वर्ष के बच्चों तक को माफी मांगते हुए वीडियो जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रमेश बिधूड़ी ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वालों को पंचर बनाने वाले कहा, भाजपा सांसद कंगना रनौत ने जेन जेड को जेनरेशन गटर कहा, पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी बताया और आरएसएस के संयुक्त महासचिव अतुल लिमये ने इन प्रदर्शनों को संविधान-विरोधी और राष्ट्र-विरोधी करार दिया। भट्टाचार्य ने कहा, आरएसएस वास्तव में भारत की जेन-जेड की बात सुनना चाहता है, तो उसे सबसे पहले संघ परिवार से कहना चाहिए कि वे 15 साल के बच्चों को दुष्कर्म और जान से मारने की धमकियां देना बंद करें।

दिल्ली: मुठभेड़ के बाद नीरज बवाना-नवीन बाली गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद नीरज बवाना-नवीन बाली गिरोह के एक संदिग्ध सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पुलिस टीम पर कथित तौर पर गोली चलाई जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। आरोपी की पहचान सविंदर (36) के रूप में हुई है। उसे सोमवार देर रात अलीपुर इलाके में एक अभियान के दौरान पकड़ा गया। पुलिस ने कहा कि खुफिया जानकारी मिली थी कि अलीपुर और नरेला इलाकों में व्यापारियों और प्रॉपर्टी डीलर से कथित जबरन वसूली में संलिप्त सविंदर जीटीके रोड-हिरनकी पुश्ता रोड के रास्ते से गुजरेगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, जब पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, तो आरोपी ने कथित तौर पर कर्मियों पर गोलीबारी की। एक गोली उप निरीक्षक विशाल की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। हालांकि वह बच गए। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें सविंदर के बाएं पैर में गोली लगी। उन्होंने बताया कि सविंदर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, उसे पहले राजा हरिश्चंद्र अस्पताल ले जाया गया और बाद में एलएनजेपी अस्पताल स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मौके से एक पिस्तौल, तीन कारतूस व पांच खोखे बरामद किये। पुलिस के अनुसार, सविंदर नीरज बवाना-नवीन बाली गिरोह का एक सक्रिय सदस्य है और उसके खिलाफ छह मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या के प्रयास, हमले और शस्त्र अधिनियम के तहत अपराध के मामले शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि वह कथित तौर पर एक और हमले की साजिश रच रहा था।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

गुरुग्राम में एसडब्ल्यूएम पोर्टल से कचरा प्रबंधन की निगरानी

डोर-टू-डोर संग्रहण, वाहनों व मैनपावर का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, आयुक्त ने दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम कार्यालय में शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा द्वारा संचालित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) मॉनिटरिंग पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य ठोस कचरा प्रबंधन कार्यों की निगरानी को सुदृढ़ करना है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में अतिरिक्त निगमायुक्त, संयुक्त आयुक्त, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक, सहायक सफाई निरीक्षक, सफाई सुपरवाइजर तथा ठोस कचरा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एसडब्ल्यूएम मॉनिटरिंग पोर्टल की कार्यप्रणाली, पंजीकरण प्रक्रिया और कार्यों की निगरानी व मूल्यांकन की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सभी एजेंसियां अपने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, रोड स्वीपिंग, कचरा परिवहन से जुड़े वाहनों और मैनपावर का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण करें। उन्हें क्षेत्रवार कार्य आवंटित करना भी आवश्यक है। यह स्पष्ट किया गया कि भविष्य में केवल उन्हीं वाहनों और मैनपावर का भुगतान किया जाएगा, जिनका एसडब्ल्यूएम मॉनिटरिंग पोर्टल पर पंजीकरण होगा और जिनके कार्य का रिकॉर्ड पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। भुगतान पोर्टल पर दर्ज रिपोर्ट और कार्य निष्पादन के आधार पर ही होगा। एजेंसियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि पंजीकृत वाहन और मैनपावर केवल उन्हें आवंटित क्षेत्र में ही कार्य करें। यदि निर्धारित क्षेत्र के बाहर कार्य पाया गया या पोर्टल पर रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हुआ, तो संबंधित कार्य की अदायगी नहीं की जाएगी।

कचरा प्रबंधन को पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रदीप दहिया

इस अवसर पर निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम ठोस कचरा प्रबंधन को पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक आधारित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एसडब्ल्यूएम मॉनिटरिंग पोर्टल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे कार्यों की वास्तविक समय में निगरानी, संसाधनों का बेहतर उपयोग और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से यह स्पष्ट रूप से पता चलेगा कि किस क्षेत्र में कौन-सा वाहन और कितनी मैनपावर कार्यरत है तथा कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार किया जा रहा है या नहीं। इससे कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, जवाबदेही तय होगी और नागरिकों को बेहतर स्वच्छता सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। निगमायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं एजेंसियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने सभी वाहनों और कर्मचारियों का पंजीकरण पूर्ण करें तथा पोर्टल का नियमित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल भुगतान प्रक्रिया को डिजिटल बनाना नहीं, बल्कि पूरे ठोस कचरा प्रबंधन तंत्र को अधिक दक्ष, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना है, ताकि गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर शहर बनाने के लक्ष्य को और अधिक मजबूती मिल सके।

गुरुग्राम में सीएम नायब सैनी का दौरा आज

BJP ऑफिस में संकल्प बैठक में होंगे शामिल; कलश यात्रा को दिखाएंगे हरी झंडी

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज गुरुग्राम के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री दो बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन और पार्टी कार्यकर्ताओं ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहले भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय गुरुकमल पहुंचेंगे। यहां वे पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित होने वाली संकल्प बैठक की अध्यक्षता करेंगे। आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक एजेंडे को लेकर होने वाली इस बैठक में मुख्यमंत्री कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाने का संकल्प दिलाएंगे।

सभी जिलों के लिए रवाना होगी पवित्र कलश यात्रा

संकल्प बैठक के बाद मुख्यमंत्री एक बड़े धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। वे संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन उपलक्ष्य में निकाली जा रही पवित्र कलश यात्रा को विधिवत रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह पवित्र कलश यात्रा हरियाणा के सभी 27 संगठनात्मक जिलों से होकर गुजरेगी। इस भव्य यात्रा का मुख्य उद्देश्य संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता, आपसी भाईचारे और मानवता के दिव्य संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं ।

गुरुग्राम में प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में तोड़फोड़

बुलडोजर लेकर पहुंचे युवक, क्रिकेट ग्राउंड किया तहस-नहस; कैश ले जाने का आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

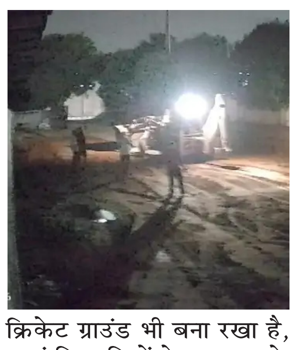

गुरुग्राम । जिले के अलीपुर गांव में बीती रात हमलावर युवकों ने एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय और उसके पीछे बने क्रिकेट ग्राउंड में तोड़फोड़ की। इस दौरान कार्यालय में रखी नकदी भी गायब होने का आरोप है। घटना की सूचना भोंडसी थाना पुलिस को दी गई है, जिसने मामले की जांच शुरू कर दी है। अलीपुर के रहने वाले पीड़ित मंजीत ने बताया कि सोहना रोड पर उनका ह्यबालाजीह्न नाम से एक कार्यालय है। यह कार्यालय लगभग 25 वर्षों से बना हुआ है और उनके पूर्वजों की जमीन पर बना है। वह प्रतिदिन अपने कार्यालय में बैठते हैं। कार्यालय के पीछे उन्होंने एक क्रिकेट ग्राउंड भी बना रखा है, जहां खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए नेट लगाए गए हैं। मंजीत ने बताया कि बीती रात कुछ अज्ञात युवक बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार्यालय को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके अतिरिक्त, क्रिकेट ग्राउंड में लगे नेट और अन्य संरचनाओं को भी तोड़ दिया गया, जिससे काफी नुकसान हुआ है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि तोड़फोड़ के दौरान कार्यालय में रखी नकदी भी युवक अपने साथ ले गए।

मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलने पर भोंडसी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने मंजीत की शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

पुलिस मामले की जांच कर रही

यह भूमि विवादित है और इससे संबंधित एक मामला पहले से ही कोर्ट में विचाराधीन है। पुलिस ने बताया कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

जांच पूरी होने और तथ्य सामने आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और आरोपियों की भूमिका के संबंध में स्पष्ट जानकारी मिल पाएगी।

एकतरफा प्यार में हुआ लेडी टीचर का मर्डर

फरीदाबाद में युवक से एक साल पहले जान-पहचान; प्रपोजल ठुकराया तो स्कूल में घुस 34 बार चाकू मारे

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद । में स्कूल में घुसकर लेडी टीचर संध्या शर्मा (25) की चाकू से गोदकर हत्या करने वाले युवक अमित को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि अमित संध्या से एकतरफा प्यार करता था। वह पिछले एक साल से अपने दिल की बात उससे कहना चाहता था, लेकिन संध्या हर बार उसे नजरअंदाज कर देती थी। पुलिस के मुताबिक, छेड़छाड़ के मामले में माफी मांगने के बाद अमित को यह बात नागवार गुजरी कि संध्या ने स्कूल भी बदल लिया था और रहने की जगह भी बदल ली थी। इसी रंजिश में सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे वह संध्या के स्कूल पहुंचा। वहां उसने संध्या को उसके पति के नाम का हवाला देकर कमरे से बाहर बुलवाया। जैसे ही वह बाहर आई, अमित ने उसकी चोटी पकड़कर उसे कमरे से बाहर खींचा और उस पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, अमित ने महज 32 सेकेंड में संध्या पर 34 बार चाकू से वार किए। इनमें से करीब 10 वार उसकी गर्दन और आसपास के हिस्से पर किए गए। मृतका के पति विक्की गुर्जर का आरोप है कि पत्न ी पहले सिरोही गांव के एक स्कूल में पढ़ाती थी। वहीं उनकी अमित से जान-पहचान हुई। हालांकि, अमित की हरकतों से परेशान होकर उन्होंने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में अमित ने अपनी गलती मानते हुए माफी मांग ली थी।

लेडी टीचर के पति विक्की गुर्जर ने बताईं ये बातें

लव मैरिज की, शादी के बाद 2 बच्चे हुए: मृतका संध्या शर्मा डबुआ इलाके की रहने वाली थीं। गांव फिरोजपुर निवासी विक्की गुर्जर ने उनसे लव मैरिज की थी। विक्की के मुताबिक, शादी के बाद उनके दो बच्चे हुए। इनमें 7 साल का एक बेटा और 5 साल की एक बेटी है। संध्या परिवार के साथ फिरोजपुर गांव में रहती थीं और वहीं से सिकरौना स्थित सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल पढ़ाने जाती थीं। वह दूसरी कक्षा तक के बच्चों को पढ़ाती थीं। एक साल पहले अमित से हुई थी जान-पहचान: विक्की ने बताया कि करीब एक साल पहले संध्या सिरोही गांव के एक स्कूल में पढ़ाती थी। उसी दौरान कोट गांव निवासी अमित का वहां आना-जाना था। वहीं दोनों की जान-पहचान हुई। शुरूआत में सब कुछ सामान्य था, लेकिन कुछ समय बाद अमित संध्या को परेशान करने लगा। इस पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, बाद में अमित के माफी मांगने पर मामला वहीं सुलझा दिया गया। परेशानी से बचने के लिए स्कूल बदल लिया: विक्की ने बताया कि संध्या ने सिरोही गांव के स्कूल में करीब तीन महीने तक ही नौकरी की। इसके बाद उन्होंने वहां की नौकरी छोड़कर सिकरौना स्थित 12वीं तक के सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया।

मानेसर नगर निगम हाउस की मीटिंग में हाथापाई

सीनियर डिप्टी मेयर और महिला पार्षद के एक-दूसरे पर आरोप; दोनों पक्षों ने दी शिकायत

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के मानेसर नगर निगम में सदन मीटिंग के दौरान मेयर और सीनियर डिप्टी मेयर पक्ष के बीच में झगड़ा हो गया। वार्ड नंबर-18 की वर्तमान महिला पार्षद परवेश यादव ने सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीन कुमार पर उनके साथ सार्वजनिक रूप से अभद्र व्यवहार करने, बेहद अशोभनीय एवं अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। वहीं सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीण कुमार ने भी जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। इस बारे में महिला पार्षद और सीनियर डिप्टी मेयर की तरफ से सेक्टर-7 आईएमटी मानेसर थाने लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, नगर निगम मानेसर के मेयर कार्यालय में सदन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर सहित नगर निगम के तमाम वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और सभी वार्डों के पार्षद मौजूद थे। चर्चा के दौरान अचानक माहौल गरमा गया और महिला पार्षद के साथ कथित तौर पर बदसलूकी शुरू हो गई।पार्षद ससुर ने आपा खोया, कैमरे तोड़ने का प्रयास बताया गया कि बैठक में महिला पार्षद से हुई कथित अभद्रता के बाद हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला।

फरीदाबाद में करंट लगने से महिला की मौत

घर में पानी भरने के लिए मोटर चला रही थी; पाइप लगाते वक्त लगा झटका

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के मुजेसर थाना क्षेत्र के गांव गौंछी में बारिश के दौरान करंट लगने से 30 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला घर में पानी भरने के लिए लगी मोटर चलाने गई थी। मोटर में पाइप लगाते समय वह करंट की चपेट में आ गई। गंभीर हालत में परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान गांव गौंछी निवासी रोशन खातून (30) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बारिश के कारण मोटर में करंट आ गया था। जैसे ही रोशन खातून ने मोटर में पाइप लगाया, उसका हाथ मोटर से छू गया और उसे तेज करंट लग गया।

परिवार के सामने हुआ हादसा

घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य भी घर पर मौजूद थे। महिला के पति मोहम्मद अरमान एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। हादसे के बाद परिजन तुरंत उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलते ही मुजेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। मुजेसर थाना प्रभारी पूर्ण सिंह ने बताया कि करंट लगने से महिला की मौत होने की सूचना मिली है । शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

फरीदाबाद इढळढ में अधूरे प्रोजेक्ट्स की होगी जांच

5 सदस्यीय कमेटी गठित; मंत्री नागर बोले- 15 दिन में आएगी रिपोर्ट

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद ।ग्रेटर फरीदाबाद स्थित बीपीटीपी क्षेत्र में लंबे समय से अधूरे पड़े विकास कार्यों की जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में फरीदाबाद महानगरीय विकास प्राधिकरण (ऋट्टऊअ) और नगर निगम फरीदाबाद के अधिकारियों को शामिल किया गया है। कमेटी को 15 दिनों के भीतर क्षेत्र का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इसकी जानकारी हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री राजेश नागर ने दी।

अधूरे कार्यों का होगा विस्तृत सर्वे

मंत्री राजेश नागर ने बताया कि बीपीटीपी की विभिन्न सोसाइटियों के आरडब्ल्यूए और स्थानीय निवासी लंबे समय से अधूरे विकास कार्यों को लेकर शिकायतें कर रहे थे।

इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बैठक में 5 सदस्यों की संयुक्त जांच कमेटी बनाई है।

उन्होंने कहा कि कमेटी पूरे क्षेत्र का सर्वे कर यह रिपोर्ट तैयार करेगी कि कौन-कौन से विकास कार्य अभी अधूरे हैं, किन स्थानों पर कितना कार्य शेष है और किन परियोजनाओं में निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार पूरा नहीं किया गया। यह रिपोर्ट आगामी 15 दिनों में तैयार करेगी।

लापरवाही मिलने पर होगी सख्त कार्रवाई

राजेश नागर ने स्पष्ट कहा कि जांच के दौरान जिस भी ठेकेदार या एजेंसी की लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि बीपीटीपी में कई स्थानों पर सड़कें समय से पहले क्षतिग्रस्त हो गई हैं और कई विकास कार्य अधूरे छोड़ दिए गए हैं।

मंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार ठेकेदारों और एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को जल्द बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।

सिख गुरू पर आपत्तिजनक टिप्पणी, निहंगों ने युवक को पकड़ा

मां-बाप ने थप्पड़ मारे पहले गुरुग्राम में गाय को चिकन मोमोज खिला चुका

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम । सिख गुरू श्री गुरू नानक देव जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले को निहंगों ने पकड़ लिया। इसके बाद उसे गुरुद्वारे में ले गए। जहां उससे माफी मंगाई गई। उसके माता-पिता भी साथ में पहुंचे। उन्होंने भी बेटे की इस हरकत को गलत करार देते हुए उसे थप्पड़ मारे। निहंगों ने चेतावनी दी कि इस बार तो माफी मिल गई। अगली बार ऐसा हुआ तो फिर इसके बाद कहीं और माफी नहीं मिलेगी। इसका वीडियो निहंग जसविंदर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इस युवक की यह पहली हरकत नहीं है। इससे पहले वह गुरूग्राम में गाय को चिकन मोमोज खिला चुका है। तब हिंदू संगठनों ने उसे पीटा था। उससे माफी मंगवाने के बाद उस पर ऋक्र भी दर्ज कराई थी।

पहले जानिए, वायरल वीडियो में क्या दिखा?

कुछ दिन पहले निहंग जसविंदर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक लाइव स्ट्रीम का वीडियो साझा किया। वीडियो में एक युवती लाइव दिखाई देती है, जिसके पीछे श्री गुरु नानक देव जी की तस्वीर लगी हुई है। इसी लाइव में जुड़े एक युवक ने युवती से पूछा, ह्लपीछे किसकी तस्वीर लगी है?ह्व युवती ने जवाब दिया, श्री गुरु नानक देव जी की।

इसके बाद युवक ने पूछा, ह्लक्या तुम इन्हें मानती हो? युवती ने कहा, ह्लमैं सरदारों के घर की हूं, फिर क्यों नहीं मानूंगी?ह्व युवक ने फिर सवाल किया, तुम्हें किसने कहा कि इन्हें मानना चाहिए?ह्व इस पर युवती ने जवाब दिया, ह्लमेरे घर वालों ने।ह्व इसी बातचीत के दौरान दूसरा युवक हंसता हुआ दिखाई देता है। यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद का कारण बना।

वीडियो वायरल होने के बाद क्या हुआ?

वीडियो सामने आने के बाद सिख संगत और निहंगों में नाराजगी देखने को मिली। इसके बाद वायरल वीडियो में दिखाई देने वाले दो युवकों में से एक को निहंगों ने पकड़ लिया। इसके लिए निहंग उसके गुरूग्राम स्थित घर पर पहुंच गए। इस दौरान पुलिस भी वहां आई। सोशल मीडिया पर साझा वीडियो के अनुसार, उसे गुरुद्वारे ले जाकर संगत के सामने सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई गई। वीडियो में उसके माता-पिता भी दिखाई देते हैं, जो बेटे के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए उसे थप्पड़ मारते हुए नजर आते हैं। युवक ने कहा- मुझसे गलती हुई है। वैसी गलती फिर कभी नहीं करूंगा। इस मामले में पुलिस या संबंधित युवकों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वायरल वीडियो में दिखाई देने वाले दूसरे युवक के बारे में फिलहाल कोई नई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

स्कूटी पर 10 लाख रुपये के 96 चालान लंबित, जब्त

-हेलमेट, इंश्योरेंस और प्रदूषण सर्टिफिकेट के बिन वाहन चलाने के अधिक चालान

गुरुग्राम। साइबर सिटी में स्कूटी की मूल कीमत से करीब 12 गुना ज्यादा रुपये के चालान लंबित पाए जाने पर पुलिस ने जब्त कर ली। यातााायात पुलिस ने स्कूटी की जांच के दौरान पाया कि 10 लाख रुपये कीमत के 96 चालान नहीं जमा कराए गए थे, जोकि 90 दिनों से ज्यादा समय से लंबित हैं। यातायात पुलिस ने स्कूटी के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार कार्रवाई की है। शहर के राजीव चौक पर जोनल अधिकारी एएसआई विजय सिंह ने अपनी टीम के साथ नियमित वाहन जांच के दौरान एक स्कूटी को रूकवाया। यातायात पुलिस ने स्कूटी के चालक से वाहन संबंधी दस्तावेज दिखाने के लिए कहा तो वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। जांच में पाया गया कि स्कूटी पर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत 96 चालान लंबित हैं। चालानों में से एक चालान मशीन द्वारा मैन्युअली तरीके से और 95 चालान सड़कों व हाईवे पर कैमरों के माध्यम से किए गए हैं। इन 96 चालानों की जुमार्ना राशि 10 लाख रुपये है। स्कूटी के अधिकांश चालान बिना हेलमेट वाहन चलाने, बिना इंश्योरेंस व बिना प्रदूषण सर्टिफिकेट संबंधित हैं। लंबित चालानों के कारण नियमानुसार कार्रवाई करते हुए यातायात पुलिस ने स्कूटी को जब्त कर निर्धारित पार्किंग में खड़ा कराया गया। यातायात पुलिस ने एक से 31 जुलाई तक खतरनाक ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 401 वाहनों के चालान काटे हैं। इस अवधि के दौरान पुलिस ने दिल्ली-जयपुर हाईवे, द्वारका एक्सप्रेसवे, गुरुग्राम-सोहना हाईवे सहित अन्य सड़कों पर वाहनों की मॉनिटरिंग की। यातायात पुलिस ने उक्त वाहनों के चालकों पर 20.85 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। खतरनाक ड्राइविंग में तेज गति, गलत दिशा में वाहन चलाना, अचानक लेन बदलना और लापरवाहीपूर्वक ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

गुरुग्राम में झमाझम बारिश: सड़कों पर लंबा जाम, बजघेड़ा अंडरपास एहतियातन बंद; पुलिस-प्रशासन ने संभाला मोर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम में सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह हुई झमाझम बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। हालांकि कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी रही। बारिश के मद्देनजर नगर निगम गुरुग्राम (एमसीजी) और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की टीमें संभावित जलभराव वाले स्थानों पर तैनात रहीं और पानी निकासी पर नजर रखी। लगातार हो रही बारिश के बाद जलभराव की आशंका को देखते हुए बजघेड़ा अंडरपास को एहतियातन बंद कर दिया गया। अंडरपास में पानी प्रवेश न कर सके, इसके लिए दोनों ओर मिट्टी से भरे कट्टे लगाए गए हैं। साथ ही यातायात को सुरक्षित बनाए रखने के लिए वाहनों का रूट डायवर्ट कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है। हालांकि लगातार वर्षा के दौरान यातायात पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों ने पूरी मुस्तैदी के साथ विभिन्न प्रमुख यातायात बिंदुओं पर ड्यूटी करते हुए शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा। यातायात पुलिस द्वारा एनएच-48, द्वारका एक्सप्रेसवे, सोहना रोड, गोल्फ कोर्स रोड, एमजी रोड, इफको चौक, शंकर चौक सहित अन्य महत्वपूर्ण चौराहों और जलभराव संभावित स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। बारिश के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए पुलिस कर्मियों ने मौके पर मौजूद रहकर वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित कराया तथा आवश्यकतानुसार यातायात का संचालन किया। यातायात पुलिस के कंट्रोल रूम, सीसीटीवी कैमरों और फील्ड स्टाफ के माध्यम से पूरे शहर की यातायात स्थिति पर लगातार नजर रखी गई। जहां भी यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना बनी, वहां तुरंत अतिरिक्त पुलिस बल भेजकर स्थिति को सामान्य किया गया, जिससे आमजन को अनावश्यक जाम का सामना नहीं करना पड़ा। जिला प्रशासन की तीन अगस्त सुबह आठ बजे से चार अगस्त सुबह आठ बजे तक की वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, सोहना तहसील में सबसे अधिक 23 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा गुरुग्राम और पटौदी तहसील में 15-15 मिमी, वजीराबाद में 7 मिमी, कादीपुर और हरसरू में 6-6 मिमी, जबकि मानेसर और फर्रुखनगर में 4-4 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। बादशाहपुर में सबसे कम 2 मिमी बारिश हुई।

कॉमनवेल्थ गेम्स के विजेताओं का दिल्ली एयरपोर्ट पर स्वागत

देर रात पहुंचे खेल मंत्री गौरव गौतम; खिलाड़ियों की थपथपाई पीठ

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में देश का परचम लहराने वाले भारतीय खिलाड़ी मंगलवार अलसुबह वतन लौटे, तो इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का टर्मिनल-3 भारत माता की जय और ढोल-नगाड़ों की थाप से गूंज उठा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाने वाले इन एथलीटों का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर भारी संख्या में खेल प्रेमी और उनके परिजन मौजूद थे।

जैसे ही खिलाड़ी बाहर आए, उन पर फूलों की बारिश की गई और माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया।

इस ऐतिहासिक पल पर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विशेष प्रतिनिधि के रूप में प्रदेश के खेल एवं कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम स्वयं एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर से सभी पदक विजेताओं को पुष्पगुच्छ भेंट किए और उनके गले में मेडल देखकर पूरी टीम की पीठ थपथपाई।

हरियाणा के खिलाड़ियों ने 7 गोल्ड जीते

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत की इस ऐतिहासिक पदक तालिका में 13 स्वर्ण (गोल्ड), 17 रजत (सिल्वर) और 9 कांस्य (ब्रॉन्ज) पदक शामिल हैं। इस दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने विश्व खेल पटल पर अपनी मजबूत खेल क्षमता और उभरती हुई शक्ति का लोहा मनवाया है। हरियाणा के कुल 11 खिलाड़ियों ने पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। भारत के कुल 13 स्वर्ण पदकों में से अकेले हरियाणा के खिलाड़ियों ने 7 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। ये सारे गोल्ड मेडल मुक्केबाजों ने अपने नाम किए हैं।

करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा बने खिलाड़ी

खिलाड़ियों का स्वागत करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि इन जांबाजों ने सात समंदर पार अपने उत्कृष्ट और ऐतिहासिक प्रदर्शन से पूरे विश्व में तिरंगे का मान बढ़ाया है। आज पूरा देश इन पर गर्व कर रहा है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता सिर्फ एक पदक नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो उन्हें खेल के मैदान में आगे बढ़ने और देश के लिए कुछ कर गुजरने का हौसला देगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: पदक विजेता खिलाड़ियों का भारत आगमन पर भव्य स्वागत, खेल राज्य मंत्री ने उत्साहवर्धन किया

गुरुग्राम। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में देश का गौरव बढ़ाने वाले पदक विजेता भारतीय खिलाड़ियों का भारत लौटने पर नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टर्मिनल-3) पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रतिनिधि के तौर पर हरियाणा सरकार के खेल एवं कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम खुद एयरपोर्ट पहुंचे और खिलाड़ियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा किया है और करोड़ों युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

टेंडर नोटिस सं. 32/2026-2027 दिनांक 04.08.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	19260618	सेट का ड्राइव असेंबली कंपोनेंट	51 सेट	29.08.26
02	07260204	कंट्रोल आर्म असेंबली	5015 नग	08.09.26

निविदा शर्ते–1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

2686/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का

नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और सोनम वांगचुक की 26 दिन तक चली भूख हड़ताल की तुलना 2011 के अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से की जा रही है। ऊपर से देखने पर लगेगा कि वैसा ही आंदोलन है। इससे पहले हुए किसी दूसरे आंदोलन से भी इसकी तुलना की जा सकती है। कह सकते हैं कि छात्र और नौजवान वैसे ही उद्वेलित हुआ, जैसे 2012 में निर्भया कांड के समय था। ऊपरी तौर पर इसकी तुलना पिछले पांच दशक में हुए किसी भी दूसरे आंदोलन से की जा सकती है। जेपी के आंदोलन से भी तुलना कर सकते हैं तो मंडल, मंदिर, किसान, शाहीन बाग, पाटीदार या मराठा आंदोलन के कुछ कुछ तत्व इस आंदोलन में भी तलाशे जा सकते हैं। लेकिन थोड़ी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा कि यह आंदोलन अब तक हुए सभी आंदोलनों से कई मायने में भिन्न है। इस आंदोलन की सबसे बड़ी पहचान है कि इसमें किसी तरह की अस्मिता नहीं तलाश सकते हैं। इस लिहाज से यह जेपी और अन्ना हजारे के आंदोलन की तरह है। उन दोनों आंदोलनों में भी समाज का हर वर्ग शामिल था क्योंकि उनमें जिस चीज का विरोध किया जा रहा था वह हर वर्ग को प्रभावित करने वाली थी। बाकी आंदोलनों में किसी न किसी तरह की अस्मिता का मामला रहा है। मंडल से लेकर मराठा या पाटीदार आरक्षण के आंदोलन में जातीय अस्मिता प्रमुख थी। मंदिर आंदोलन में भी हिंदू अस्मिता बहुत मुखर थी तो शाहीन बाग में मुस्लिम अस्मिता। निर्भया कांड के समय हुआ आंदोलन एक फ्लैश प्रोटेस्ट था, जो एक घटना से उपजा था और जल्दी ही समाप्त हो गया। उसका दायरा पूरे देश में नहीं फैला था। इन सबसे उलट नीट यूजी के पेपर लीक के खिलाफ चल रहा आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का है। इसमें एक खास बात यह भी है कि कोई एक व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता है कि वह आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। सोनम वांगचुक जरूर इस आंदोलन की नैतिक ताकत हैं लेकिन नेतृत्व उनके हाथ में भी नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी आंदोलन का नेतृत्व करने का दावा नहीं कर सकते हैं। ऐसे आंदोलन के अक्सर अराजक हो जाने का खतरा रहता है। परंतु यह आंदोलन इतना लंबे चलने के बावजूद अराजक नहीं हुआ। जंतर मंतर पर मोटे तौर पर शांति बनी रही। दिल्ली से बाहर दूसरे राज्यों में जरूर कुछ प्रदर्शनों में हिंसा होने की खबरें आईं लेकिन दिल्ली में पुलिस की बड़ी कार्रवाई के बावजूद शांति रही। इसका कारण यह था कि आंदोलन में असली स्टेकहोल्डर्स शामिल थे। यानी ऐसे छात्र शामिल हुए, जिनको अपना भविष्य बचाना है। वे पेशेवर नेता या प्रदर्शनकारी नहीं थे। छात्र और युवा अपने वास्तविक सरोकारों की वजह से जंतर मंतर पर पहुंचे थे। असल में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था की गड़बडियों के खिलाफ गुस्सा काफी समय से जमा हो रहा था। यह सिर्फ अखिल भारतीय परीक्षाओं जैसे नीट यूजी या जेईई या सीयूईटी आदि का मामला नहीं है। दाखिले और नौकरी के लिए होने वाली राज्यों की प्रतियोगिता परीक्षाओं में भी लगातार गड़बड़ी हो रही थी। छात्रों की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि परीक्षाओं का कैलेंडर नहीं बना है। नियमित परीक्षाएं नहीं होती हैं। कई साल की परीक्षाओं को मिला कर एक परीक्षा होती है और उसमें भी पेपर लीक हो जाता है या परीक्षा केंद्र मैनेज करके अलग तरह की धांधली होती है। अगर पेपर लीक या परीक्षा केंद्र मैनेज होने की घटना न हो तो प्रश्न पत्र में गड़बड़ी हो जाती है, उत्तर पुस्तिका जांचने में गड़बड़ी हो जाती है या नतीजे आने में बहुत समय लग जाता है। कई साल की परीक्षा एक साल कराने की वजह से बड़ी संख्या में छात्रों की उम्र सीमा पार हो जाती है। इन सबका संचित गुस्सा जंतर मंतर पर निकला है। शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था में गड़बडियों से परेशान एक पूरी पीढ़ी ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया है। यह इसकी सबसे खास बात है। जिस पीढ़ी को ह्यजेन जीह्न कहा जाता है और जिसमें 14 से लेकर 29 साल तक के युवा हैं, वह पीढ़ी इस आंदोलन में सड़कों पर उतरी। यह फीगर ऑफ स्पीच नहीं है कि ये आंदोलन ह्यजेन जीह्न का। सचमुच आठवीं, नौवीं क्लास की लड़कियां, जिनकी उम्र 14 या 15 साल की है वो प्रदर्शन करने पहुंचीं। अपने क्लास की किताब लेकर लड़कियां आईं, जिन्होंने पढ़ कर सुनाया कि लोकतंत्र का क्या मतलब होता है और आज वास्तव में क्या हो रहा है। वयस्क होने से पहले की उम्र के सैकड़ों छात्र और युवा जंतर मंतर पर दिखाई दिए, जिनके चेहरे पर दृढ़ प्रतिबद्धता थी।

आपकी सोच से भी अधिक हानिकारक है शुगर

आप किसी भी स्कूल में चारों ओर देखें तो आप पाएंगे कि बच्चे कुछ दशक पहले की तुलना में अधिक वजन वाले हो गए हैं। हालांकि बच्चों के वजन बढ़ने की समस्याओं के लिए कई कारक जिम्मेदार होते हैं, लेकिन शुगर का अत्यधिक सेवन इसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है। इसलिए, हम वयस्कों को न सिर्फ खुद के द्वारा सेवन की जाने वाली शुगर की मात्रा पर नजर रखनी है, बल्कि यह बच्चों में भी कई जटिलताएं पैदा कर सकती हैं। ऐसा क्यों होता है, आइए हम इस पर नजर डालते हैं। माता-पिता के रूप में हम, विशेष रूप से माताएं अपने बच्चों को पेट भरने से कहीं अधिक खिलाना चाहती हैं। एक आम धारणा है कि बेबी फैट अच्छा होता है। दुबला- पतला बच्चा कमजोर और यहां तक कि कुपोषित भी माना जाता है, जबकि मोटा बच्चा समृद्ध और स्वस्थ माना जाता है और इस तरह यह परिवार की वित्तीय स्थिति को भी दशार्ता है। इसके अलावा, बच्चे अपने वजन को लेकर चिंतित नहीं होते हैं बल्कि खुशी पूर्वक लापरवाह होते हैं। इसलिए, वे अपने भोजन का चयन पूरी तरह से अपने स्वाद के अनुसार करते हैं। इसलिए, जब शुगर की बात आती है, तो बच्चों के पास कोई वजह नहीं होती है कि वे इसके बारे में अधिक सोचें। यह प्रवृत्ति बच्चों को वजन बढ़ने के प्रति न सिर्फ अत्यधिक संवेदनशील बना सकती है बल्कि कम उम्र में ही उनमें कई प्रकार की बीमारियां भी पैदा कर सकती हैं। सुप्रसिद्ध जर्नल ओबेसिटी में हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में तर्क दिया गया है कि चीनी न सिर्फ इसलिए बुरी है क्योंकि यह आपके वजन को बढ़ाती है, बल्कि यह शरीर के चयापचय में भी अधिक परिवर्तन ला सकती है। शोधकताओं ने 9 साल से 18 साल उम्र के वैसे 43 मोटे बच्चों में, जिनमें उच्च रक्तचाप या उच्च ट्राइग्लिसराइड्स (ब्लड फैट) या फैटी लीवर के मार्कर जैसी कम से कम एक अन्य चयापचय से संबंधित समस्या थी, उनमें शुगर पर प्रतिबंध के प्रभाव का अध्ययन किया। नौ दिनों तक किये गए अध्ययन के तहत, उन्हें शुगर-प्रतिबंधित आहार का सेवन कराया गया, लेकिन शुगर के लिए स्टार्च और कार्बोहाईड्रेट में प्रतिस्थापन के द्वारा उनकी कैलोरी को स्थिर रखा गया। नवें दिन के अंत में, बच्चों के औसत डायस्टोलिक रक्तचाप में 5 एमएमएचजी की कमी हुई; उनका ट्राइग्लिसराइड्स 33 प्वाइंट तक कम हो गया; उनका एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल 10 प्वाइंट तक नीचे चला गया; इंसुलिन का स्तर एक तिहाई कम हो गया और फास्टिंग ग्लूकोज और लीवर फंक्शन टेस्ट में सुधार हुआ। इसके आधार पर शोधकताओं ने निष्कर्ष निकाला कि ह्यकैलोरी सिर्फ कैलोरी नहीं होती हैह्न। कैलोरी जहां से आती है, निर्धारित करती है कि उसे शरीर में कहां जाना है। निष्कर्षों का समर्थन करते हुए, अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रीशनह्न में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि अधिक शुगर और अन्य परिष्कृत काबोर्हाइड्रेट वाले आहार के हानिकारक प्रभावों में से एक हानिकारक प्रभाव यह है कि यह आपमें टाइप 2 मधुमेह होने का खतरा पैदा करता है। यदि आपको पहले से ही मधुमेह है, चाहे वह टाइप 1, टाइप 2 या गर्भावधि का मधुमेह हो, आपके आहार में बहुत ज्यादा चीनी आपके रक्त शर्करा के स्तर को स्वस्थ सीमा में रखने में रुकावट पैदा कर सकता है। फोर्टिस ग्रूप ऑफ हॉस्पिटल्स के वेलनेस एवं न्यूट्रिशन कंसल्टेंट डॉ. सिमरन सैनी कहते हैं, शुगर की कैलोरी इसलिए खराब होती है क्योंकि ये वजन बढ़ाते हैं, पेट का मोटापा बढ़ाते हैं, एचडीएल के स्तर को कम करते हैं और एलडीएल के स्तर को बढ़ाते हैं, रक्त शर्करा, ट्राइग्लिसराइड्स, और उच्च रक्तचाप के स्तर को बढ़ाते हैं। इससे हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। इससे भी अधिक, शुगर आपके लीवर पर अधिक भार डाल सकती है और आपके लीचर को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा, सभी प्रकार के शुगर दंत क्षय को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, यदि आपको हर भोजन में शुगर खाने की आदत है, तो इसका मतलब है कि आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली दिन में अधिकांश समय आधी क्षमता से कार्य करेगी।

बच्चों का लापता होना समाज के लिए सबसे बड़ी चेतावनी

हालांकि राहत की बात यह रही कि पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों, तकनीकी निगरानी, ऑपरेशन मिलाप और व्यापक खोज अभियान के माध्यम से इन सभी लोगों को खोजकर उनके परिवारों से मिलाने में सफलता प्राप्त की। यह पुलिस की सक्रियता और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग का सकारात्मक उदाहरण है, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट करता है कि बच्चों के लापता होने की घटनाएं कितनी गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनकी सुरक्षा केवल उनके माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का दायित्व है। जब कोई बच्चा लापता होता है तो केवल एक परिवार नहीं रोता, बल्कि समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है। आज के समय में अपराधी पहले से कहीं अधिक संगठित और तकनीकी रूप से सक्षम हो चुके हैं। वे मासूम बच्चों को अपना आसान शिकार बनाने के लिए अनेक तरीके अपनाते हैं। कभी लालच देकर, कभी धोखे से और कभी अपहरण करके बच्चों को अपने कब्जे में ले लिया जाता है। जांच एजेंसियों और विभिन्न मामलों से यह सामने आया है कि अनेक बार बच्चों के लापता होने के पीछे संगठित बाल तस्करी गिरोह सक्रिय होते हैं। ये गिरोह बच्चों को भीख मंगवाने, जबरन मजदूरी कराने या अन्य शोषणकारी गतिविधियों में धकेलने का प्रयास करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को देश के दूसरे राज्यों या विदेशों तक भी पहुंचाया जाता है।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे का लापता हो जाना जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी होती है। संसार का कोई भी दुःख उस पीड़ा की बराबरी नहीं कर सकता, जब एक परिवार का मासूम अचानक उसकी आंखों के सामने से गायब हो जाए। जिस घर में बच्चे की हंसी गूंजती थी, वहां पलभर में सन्नाटा छा जाता है। माता-पिता की रातों की नींद उड़ जाती है, हर दस्तक पर उम्मीद जागती है और हर फोन की घंटी उनके दिल की धड़कन बढ़ा देती है। वर्षों बीत जाने के बाद भी ऐसे परिवार अपने बच्चे के लौटने की आशा नहीं छोड़ते। यह केवल एक घटना नहीं होती, बल्कि ऐसा मानसिक और भावनात्मक आघात होता है जिसके साथ कई परिवारों को पूरी जिंदगी जीना पड़ता है। राजधानी दिल्ली के दक्षिण-पश्चिमी जिले के आंकड़े इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। वर्ष 2026 में केवल सात महीनों के भीतर 990 लोगों के लापता होने की शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 269 बच्चे शामिल थे। केवल जुलाई महीने में ही 43 बच्चों और 124 अन्य लोगों के लापता होने की शिकायतें पुलिस तक पहुंचीं। हालांकि राहत की बात यह रही कि पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों, तकनीकी निगरानी, ऑपरेशन मिलाप और व्यापक खोज अभियान के माध्यम से इन सभी लोगों को खोजकर उनके परिवारों से मिलाने में सफलता प्राप्त की। यह पुलिस की सक्रियता और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग का सकारात्मक उदाहरण है, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट करता है कि बच्चों के लापता होने की घटनाएं कितनी गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनकी सुरक्षा केवल उनके माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का दायित्व है। जब कोई बच्चा लापता होता है तो केवल एक परिवार नहीं रोता, बल्कि समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है। आज के समय में अपराधी पहले से कहीं अधिक संगठित और तकनीकी रूप से सक्षम हो चुके हैं। वे मासूम बच्चों को अपना आसान शिकार बनाने के लिए अनेक तरीके अपनाते हैं। कभी लालच देकर, कभी धोखे से और कभी अपहरण करके बच्चों को अपने कब्जे में ले लिया जाता है। जांच एजेंसियों और विभिन्न मामलों से यह सामने आया है कि अनेक बार बच्चों के लापता होने के पीछे संगठित बाल तस्करी गिरोह सक्रिय होते हैं। ये गिरोह बच्चों को भीख मंगवाने, जबरन मजदूरी कराने या अन्य शोषणकारी गतिविधियों में धकेलने का प्रयास करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को देश के दूसरे राज्यों या विदेशों तक भी पहुंचाया जाता है। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि हर लापता बच्चा ऐसे गिरोहों का शिकार ही होता है। कई बच्चे घर छोड़ देते हैं, कुछ रास्ता भटक जाते हैं और कुछ अन्य व्यक्तिगत या पारिवारिक परिस्थितियों के कारण लापता हो जाते हैं। इसलिए प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक होती है। लेकिन यह भी सच है कि बाल तस्करी एक वास्तविक और गंभीर अपराध है, जिसके प्रति समाज और प्रशासन दोनों को अत्यधिक सतर्क रहना चाहिए। बच्चों से भीख मंगवाने वाले गिरोह मानवता पर कलंक हैं। ये मासूम बच्चों का बचपन, उनकी शिक्षा और उनका भविष्य छीन लेते हैं। सड़कों, चौराहों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर भीख मांगते हुए दिखाई देने वाले कई बच्चों के पीछे मजबूरी के साथ-साथ संगठित अपराध का भी संदेह रहता है। ऐसे गिरोह बच्चों से दिनभर भीख मंगवाकर उनकी कमाई छीन लेते हैं और उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रहने के लिए मजबूर करते हैं। इससे उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बुरी तरह प्रभावित होता है। बाल तस्करी का खतरा केवल भारत तक सीमित नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ संगठित अपराध है। अपराधी बच्चों की पहचान बदल देते हैं, उन्हें दूर-दराज के क्षेत्रों में भेज देते हैं और उनके परिवारों से उनका संपर्क पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। ऐसे मामलों में बच्चों को वापस लाना अत्यंत कठिन हो जाता है। यही कारण है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सीमाओं के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सहयोग और सतर्कता आवश्यक है। दिल्ली पुलिस द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन मिलाप इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जैसे ही किसी व्यक्ति या बच्चे के लापता होने की सूचना मिलती है, पुलिस तत्काल खोज अभियान शुरू करती है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, मोबाइल तकनीक, सोशल मीडिया, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, ई-रिक्शा स्टैंड और सार्वजनिक स्थानों पर तस्वीरें लगाने जैसे उपायों से लापता लोगों की तलाश की जाती है। इन प्रयासों के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने परिवारों तक वापस पहुंच सके हैं। यह दशार्ता है कि यदि समय पर कार्रवाई हो और तकनीक का सही उपयोग किया जाए तो कई परिवारों को बिखरने से बचाया जा सकता है। इसके साथ ही समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि किसी बच्चे को संदिग्ध परिस्थितियों में देखा जाए, कोई बच्चा डरा-सहमा दिखाई दे या किसी के साथ जबरदस्ती होती नजर आए तो नागरिकों को तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए। जागरूक नागरिक अपराधियों के खिलाफ सबसे मजबूत सुरक्षा कवच बन सकते हैं। स्कूलों में बच्चों को सुरक्षा संबंधी शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्हें यह बताया जाना चाहिए कि अजनबियों के साथ नहीं जाना है, किसी भी लालच में नहीं फंसना है और संकट की स्थिति में तुरंत परिवार या पुलिस से संपर्क करना है। माता-पिता को भी बच्चों के साथ नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए और उनकी गतिविधियों पर संवेदनशील नजर रखनी चाहिए। सरकार को भी बाल तस्करी और बच्चों के अपहरण से जुड़े मामलों में और अधिक कठोर कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, आधुनिक तकनीक का विस्तार, त्वरित जांच, फास्ट ट्रैक अदालतों में सुनवाई तथा दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड मिलना आवश्यक है।

जन सुराज का उभार ने कई सवाल खड़े कर दिए

यह जीत केवल एक विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे बिहार की राजनीति में वैकल्पिक राजनीति के उभरने के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि किसी भी चुनाव परिणाम को केवल एक कारण से समझना उचित नहीं होता है। चुनाव में उम्मीदवार की छवि, स्थानीय मुद्दे, संगठन की सक्रियता, मतदाताओं की नाराजगी, जातीय समीकरण, मतदान प्रतिशत और राजनीतिक संदेश, सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र पटना शहर का महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र रहा है। शहरी मतदाताओं, शिक्षित वर्ग, व्यापारिक समुदाय और विभिन्न सामाजिक समूहों की मौजूदगी के कारण यहां की राजनीति हमेशा अलग महत्व रखती रही है। लंबे समय तक भाजपा ने इस क्षेत्र में मजबूत पकड़ बनाए रखी। संगठनात्मक नेटवर्क, कार्यकताओं की सक्रियता और परंपरागत मतदाता आधार के कारण पार्टी को यहां लगातार सफलता मिलती रही। नीतिन नवीन के लगातार चुनाव जीतने से बांकीपुर को भाजपा के प्रभाव वाले क्षेत्रों में गिना जाने लगा। उनके राज्यसभा जाने के बाद जब यह सीट खाली हुई तो भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कि वह इस मजबूत राजनीतिक विरासत को कैसे आगे बढ़ाती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

बिहार की राजनीति में कुछ चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होते हैं, बल्कि वे समाज, संगठन और राजनीतिक रणनीति के भीतर छिपे कई सवालों को उजागर कर देते हैं। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम भी ऐसा ही एक राजनीतिक घटनाक्रम माना जा सकता है, जिसने केवल एक प्रत्याशी की हार-जीत तय नहीं की, बल्कि कई सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा को जन्म दिया है। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के मजबूत किलों में गिना जाता रहा है। इस क्षेत्र से लगातार भाजपा के उम्मीदवारों की जीत ने यह धारणा मजबूत की थी कि यहां पार्टी का संगठन, मतदाता आधार और सामाजिक समीकरण काफी मजबूत है। लेकिन उपचुनाव के परिणाम ने इस स्थापित धारणा को चुनौती दी और बिहार की राजनीति में नए समीकरणों की संभावना पर चर्चा शुरू कर दी। जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर की जीत को कई राजनीतिक विश्लेषक एक नए प्रयोग के रूप में देख रहे हैं। यह जीत केवल एक विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे बिहार की राजनीति में वैकल्पिक राजनीति के उभरने के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि किसी भी चुनाव परिणाम को केवल एक कारण से समझना उचित नहीं होता है। चुनाव में उम्मीदवार की छवि, स्थानीय मुद्दे, संगठन की सक्रियता, मतदाताओं की नाराजगी, जातीय समीकरण, मतदान प्रतिशत और राजनीतिक संदेश, सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र पटना शहर का महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र रहा है। शहरी मतदाताओं, शिक्षित वर्ग, व्यापारिक समुदाय और विभिन्न सामाजिक समूहों की मौजूदगी के कारण यहां की राजनीति हमेशा अलग महत्व रखती रही है। लंबे समय तक भाजपा ने इस क्षेत्र में मजबूत पकड़ बनाए रखी। संगठनात्मक नेटवर्क, कार्यकताओं की सक्रियता और परंपरागत मतदाता आधार के कारण पार्टी को यहां लगातार सफलता मिलती रही। नीतिन नवीन के लगातार चुनाव जीतने से बांकीपुर को भाजपा के प्रभाव वाले क्षेत्रों में गिना जाने लगा। उनके राज्यसभा जाने के बाद जब यह सीट खाली हुई तो भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कि वह इस मजबूत राजनीतिक विरासत को कैसे आगे बढ़ाती है। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में कायस्थ समाज की भूमिका हमेशा चर्चा का विषय रही है। ऐतिहासिक रूप से पटना शहर में कायस्थ समाज का सामाजिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राजनीतिक दृष्टि से भी कायस्थ समाज को शिक्षित और जागरूक मतदाता समूह माना जाता है। लेकिन चुनावों में मतदान व्यवहार हमेशा एक जैसा नहीं रहता है। कई बार यह देखा गया है कि कोई भी समाज केवल जातीय पहचान के आधार पर एकजुट होकर मतदान नहीं करता है। व्यक्तिगत पसंद, उम्मीदवार की छवि, पार्टी की नीतियां, स्थानीय मुद्दे और राष्ट्रीय राजनीति जैसे अनेक कारक मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करते हैं। कुछ लोगों का मत है कि बांकीपुर में कायस्थ मतदाताओं का अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया। वहीं दूसरी ओर कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव परिणाम को केवल एक समाज के मतदान व्यवहार से जोड़ना उचित नहीं होगा, क्योंकि हर चुनाव बहुआयामी होता है। भारतीय लोकतंत्र में मतदान केवल अधिकार नहीं बल्कि जिम्मेदारी भी है। अक्सर यह चर्चा होती रही है कि शहरी और शिक्षित वर्गों में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहता है। कई बार लोग राजनीतिक व्यवस्था से नाराज होकर मतदान से दूरी बना लेते हैं। लेकिन इसका परिणाम यह होता है कि सक्रिय मतदाता समूह चुनावी परिणाम को अधिक प्रभावित कर देते हैं। किसी भी समाज के लिए राजनीतिक प्रभाव बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम लोकतांत्रिक भागीदारी है। यदि कोई समुदाय मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी नहीं करता तो उसकी राजनीतिक मांगों और अपेक्षाओं का प्रभाव कम हो सकता है। इसलिए बांकीपुर जैसे चुनाव परिणामों से एक बड़ा संदेश यह भी निकलता है कि सामाजिक संगठन केवल चर्चा तक सीमित न रहकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएं। किसी भी चुनाव में उम्मीदवार चयन सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णयों में से एक होता है। भाजपा जैसी बड़ी राजनीतिक पार्टी के सामने बांकीपुर जैसी सीट पर चुनौती यह थी कि वह ऐसा उम्मीदवार उतारे जो परंपरागत समर्थन को बनाए रखने के साथ-साथ नए मतदाताओं को भी आकर्षित कर सके। कुछ कार्यकताओं और समर्थकों की राय रही कि उम्मीदवार चयन में और अधिक गंभीरता दिखाई जानी चाहिए थी। उनका मानना था कि मजबूत राजनीतिक छवि वाले उम्मीदवार की जरूरत थी, जो प्रशांत किशोर जैसे नए राजनीतिक चेहरे को चुनौती दे सके। हालांकि राजनीतिक दलों के निर्णय कई स्तरों पर लिए जाते हैं और किसी उम्मीदवार की सफलता या असफलता केवल व्यक्तिगत क्षमता पर निर्भर नहीं करती। संगठन, चुनावी रणनीति और मतदाताओं का मूड भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। भारतीय राजनीति में कई बार मजबूत सीटों को लेकर अतिआत्मविश्वास देखने को मिलता है। किसी क्षेत्र को लंबे समय तक अपना गढ़ मान लेने से राजनीतिक सतर्कता कम हो सकती है। लोकतंत्र में कोई भी सीट स्थायी नहीं होती है। मतदाता समय-समय पर अपना निर्णय बदल सकते हैं। बांकीपुर का परिणाम यह संदेश देता है कि किसी भी राजनीतिक दल को जनता के बीच लगातार सक्रिय रहना होगा।

सावन : शिव भक्ति, श्रद्धा और साधना का पावन पर्व

सुनील कुमार महला

03 अगस्त को श्रावण मास का पहला सोमवार है। श्रावण मास भगवान शिव की उपासना/आराधना और व्रत के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। श्रद्धालु व्रत-उपवास, पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक तथा कांवड़ यात्रा के माध्यम से भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि सावन/श्रावण मास भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और प्रकृति के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।सावन का महीना प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है। वर्षा ऋतु में धरती हर तरफ हरियाली से आच्छादित हो जाती है, नदियाँ और जलस्रोत भर जाते हैं तथा कृषि कार्य अपने चरम पर होता है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इस समय वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्रकृति के सम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। यह वह महीना है जब हमारे देश में स्थान-स्थान पर अनेक धार्मिक उत्सवों और मेलों का आयोजन होता है। ये उत्सव, मेले व सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। संयम, सात्विक आहार, आत्मानुशासन और सेवा-भाव जैसे जीवन-मूल्य भी इसी मास की विशेष पहचान है।शिव परम चेतना हैं। संस्कृत में शिव शब्द का अर्थ है- जो कल्याणकारी हैं, मंगलकारी हैं, शुभ हैं, और हितकारी हैं। वास्तव में, शिव शांति और अद्वैत (एकत्व) का स्वरूप हैं। इसीलिए संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है-शिवं शान्तमद्वैतम्। शिव पुराण के अनुसार-शिव परब्रह्म हैं। वे अनादि (जिनका आदि नहीं), अनंत (जिनका अंत नहीं) हैं।सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार—तीनों का मूल कारण वही हैं। कुछ प्रसंगों में तो ब्रह्मा और विष्णु भी शिव से प्रकट हुए बताए गए हैं। शिव निराकार भी हैं और भक्तों के लिए साकार रूप भी धारण करते हैं।शिवलिंग उनके अनंत, निराकार स्वरूप(सगुण और निर्गुण दोनों) का प्रतीक माना गया है। सरल शब्दों में कहें तो शिव ही सृष्टि हैं, शिव ही पालनकर्ता हैं और शिव ही संहारकर्ता हैं। शिव योग विज्ञान के प्रथम गुरु हैं। ये शिव ही हैं, जिन्होंने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान दिया।मान्यता है कि कांतिसरोवर (केदारनाथ के पास) तट पर शिव ने अपना ज्ञान सप्तऋषियों (सात ऋषियों) को दिया था। सरल शब्दों में कहें तो वे योगेश्वर या यूं कहें कि प्रथम योगी (आदियोगी) हैं, जिन्होंने मानव सभ्यता को योग, ध्यान और आत्म-ज्ञान का मार्ग दिखाया। शिव का अर्थ है-जो नहीं है। अर्थात वह शून्यता जिससे समस्त सृष्टि उत्पन्न होती है। सच तो यह है कि शिव असीम संभावनाओं और पूर्ण चेतना का प्रतीक हैं। शिव पूर्ण मौन, ध्यान और साक्षीभाव के प्रतीक हैं। उनका तांडव जीवन की ऊर्जा और परिवर्तन का प्रतीक है। वे संसार से भागने वाले नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए पूर्ण जागरूकता का संदेश देते हैं।शिव केवल एक देवता नहीं, बल्कि चेतना, कल्याण, मौन, योग और आत्मबोध के सर्वोच्च प्रतीक हैं। वे देवों के देव-महादेव हैं। भक्ति परंपरा उन्हें महादेव और परमेश्वर मानती है। वहीं पर योग परंपरा उन्हें आदियोगी मानती है। दार्शनिक परंपरा उन्हें परम चेतना या ब्रह्म का प्रतीक मानती है। शिव स्वयंभू (जो स्वयं प्रकट हुए हों) हैं। हम सभी यह जानते हैं कि सावन में शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, लेकिन यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर सावन मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक क्यों होता है? तो यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सावन के महीने में ही समुद्र मंथन हुआ था, जिसमें से महाविनाशकारी हलाहल विष निकला था। कहते हैं कि जब महादेव ने सृष्टि की रक्षा के लिए इस विष को अपने कंठ में धारण किया, तो उनके शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ गया और कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष की ज्वाला और ताप को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने भगवान शिव को जल और औषधियां अर्पित कीं। वास्तव में,सावन की वर्षा और जल चढ़ाने की परंपरा इसी घटना से जुड़ी है ताकि महादेव के शरीर को शीतलता मिले। सावन का महीना रुद्र रूप के उस पक्ष को दशार्ता है जो संहार के बाद पुनर्गठन और नवजीवन लाता है। शास्त्रों के अनुसार, भीषण गर्मी से जब हमारी पृथ्वी तप रही होती है,तो सावन में जब शिवजी जल ग्रहण करते हैं, तो वे प्रसन्न होकर पृथ्वी पर वर्षा के रूप में अपनी कृपा बरसाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

सिवारा चौकी इंचार्ज का चार्ज छिना, प्रतीक्षारत दरोगाओं को मिली नई तैनाती

फर्रुखाबाद। एसपी आरती सिंह ने कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सिवारा चौकी प्रभारी धीरज कुमार को हटाकर थाना कंम्पिल से संबद्ध किया है। पुलिस लाइन में प्रतीक्षारत उप निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद राठौर को प्रभारी चौकी सिवारा पद पर तैनाती की गई। पुलिस लाइन से उप निरीक्षक जितेन्द्र कुमार को थाना कंम्पिल, उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह व उप निरीक्षक अशोक कुमार तिवारी को कोतवाली मोहम्मदाबाद भेजा गया। जबकि कंम्पिल थाने के उप निरीक्षक हरीश कुमार का तबादला थाना नवाबगंज किया गया। एसपी ने स्थानान्तरित उप निरीक्षकों को आदेश दिए है कि वह अपनी नई तैनाती के स्थान पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर ले।

खेत में मेड़ बांध रहे युवक पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

मीरजापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव में मंगलवार सुबह खेत में मेड़ बांध रहे एक युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मानिकपुर निवासी रोहित चौहान (22) पुत्र मुरारी चौहान सुबह अपने खेत में मेड़ बांध रहे थे। इसी दौरान रिमझिम बारिश के बीच अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौरा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। ग्रामीणों ने बताया कि रोहित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। घटना के समय उनके पास मोबाइल फोन भी था। हालांकि मोबाइल के कारण बिजली गिरने की बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और इसका कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है। थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्र ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने फंदे से लटककर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बंजारी कलां गांव में सोमवार देर रात एक 27 वर्षीय महिला का शव घर के भीतर कच्चे मकान की बंडेर से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बंजारी कलां निवासी बाबूलाल कोल की पत्नी एकादशी देवी संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी मिलीं। घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। बताया गया कि एकादशी देवी की शादी आठ वर्ष पहले हुई थी। उनका मायका हलिया थाना क्षेत्र के देवघटा पांडेय गांव में है। वह अपने पीछे दो बेटियों और एक पुत्र को छोड़ गई हैं। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महामना मदन मोहन मालवीय कैंसर संस्थान के चौथे तल से कैंसर मरीज ने लगाई छलांग

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के चितईपुर थाना क्षेत्र स्थित महामना मदन मोहन मालवीय कैंसर संस्थान में सोमवार देर रात दर्दनाक हादसा सामने आया। संस्थान में भर्ती एक 35 वर्षीय कैंसर पीड़ित मरीज ने चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद अस्पताल परिसर में देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक रोगी की पहचान बिहार के मुजफ्फरपुर जिले (थाना पारु, ग्राम मोहजम्मा) निवासी रामेश्वर कुमार (35) पुत्र नंदकिशोर के रूप में हुई है। हालत गंभीर होने पर परिजनों ने उन्हें करीब एक माह पूर्व महामना कैंसर संस्थान में भर्ती कराया था। बीते शनिवार को ही चिकित्सकों ने उनका ऑपरेशन किया था। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार देर रात रामेश्वर अपने बेड से उठकर चौथी मंजिल पर स्थित वार्ड नंबर चार में पहुंचे और वहां से नीचे छलांग लगा दी। तेज आवाज सुनकर सुरक्षा गार्ड और अस्पताल कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे, जहां मरीज लहूलुहान अवस्था में मिला। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय चितईपुर पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीक निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मंगलवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सदन को प्रभावित कर 25 करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहा विपक्ष : मुख्यमंत्री योगी

-मुख्यमंत्री योगी मानसून सत्र के दूसरे दिन सदन में बोले

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में समाजवादी पार्टी व विपक्षी सदस्यों को आड़े हाथ लिया। उन्होंने सपा विधायकों के अभद्रतापूर्ण आचरण पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी व विपक्ष का आचरण असंवैधानिक और शर्मनाक है। विपक्ष सदन की कार्यवाही को प्रभावित कर 25 करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहा है, जिसे सभी प्रदेशवासी देख रहे हैं।

संसदीय लोकतंत्र को पुष्ट करने वाली संस्थाओं का अपमान

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून सत्र में सभी सदस्यों के पास बेहतरीन अवसर था कि वे 25 करोड़ जनता की भावनाओं और हितों को ध्यान में रखकर सदन में उनसे जुड़े मुद्दों को लेकर चर्चा-परिचर्चा करें। लेकिन, जिन लोगों का लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं है, वे लोग संसदीय लोकतंत्र को पुष्ट करने वाली सभी संस्थाओं की अवमानना व अपमान करते हैं। समाजवादी पार्टी व विपक्ष का यह आचरण न केवल असंवैधानिक, बल्कि शर्मनाक भी है।

सदन का बहुमूल्य समय नष्ट कर रहा विपक्ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि दलीय नेताओं की बैठक व एडवाइजरी कमेटी के तहत पहले ही सदन का एजेंडा तय किया गया था, लेकिन विपक्षी दलों के सदस्यों ने उसके तहत सदन में विधायी कार्य या अनुपूरक बजट से जुड़े एक भी प्रस्ताव पर रुचि नहीं ली। इसके विपरीत ये लोग अनावश्यक मुद्दों को उठाकर सदन का बहुमूल्य समय नष्ट करना चाहते हैं।

विपक्ष का संवैधानिक मूल्यों व सदन की परंपराओं पर विश्वास नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन प्रारंभ होने से पहले ही दलीय नेताओं की बैठक में सत्ता पक्ष की ओर से मैंने व संसदीय कार्य मंत्री ने आश्वस्त किया था कि नियम के अंतर्गत सदन में जो भी प्रस्ताव आएंगे, उन पर चर्चा होगी और सरकार उसका जवाब भी देगी।

प्रयागराज में 8 अगस्त का “छात्रों की गूंज” सम्मेलन होगा ऐतिहासिक : अजय राय

-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लाखों छात्रों के शामिल होने का किया दावा, राहुल गांधी करेंगे युवाओं से सीधा संवाद

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने दावा किया है कि 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आयोजित होने वाला “छात्रों की गूंज” सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से लाखों छात्र-छात्राएं, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी, शोधार्थी और बेरोजगार युवा शामिल होंगे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उनसे सीधे संवाद करेंगे। सोमवार को लहुराबीर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में चलाया जा रहा “छात्रों की गूंज” अभियान आज छात्रों और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई का एक सशक्त राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है।

—कोटा से शुरू हुआ अभियान, अब प्रयागराज में सबसे बड़ा आयोजन

अजय राय ने बताया कि अभियान की शुरुआत राजस्थान के कोटा से हुई थी, जहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की समस्याओं, पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। इसके बाद देहरादून में आयोजित कार्यक्रम को भी युवाओं का व्यापक समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि अब अभियान का सबसे बड़ा चरण 8 अगस्त को प्रयागराज में आयोजित किया जाएगा।

—युवा रखेंगे अपनी समस्याएं और सुझाव

उन्होंने बताया कि सम्मेलन में प्रदेश के सभी जनपदों से आने वाले छात्र-युवा राहुल गांधी के समक्ष अपनी समस्याएं, संघर्ष, सुझाव और भविष्य से जुड़े सवाल सीधे रखेंगे। उनके अनुसार यह संवाद केवल एक जनसभा नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, पारदर्शी भर्ती व्यवस्था और युवाओं के सम्मान की लड़ाई का एक धारदार मंच होगा।

—पेपर लीक और बेरोजगारी को बताया सबसे बड़ा मुद्दा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज देश और विशेषकर उत्तर प्रदेश का युवा पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, रिक्त पदों पर नियुक्तियों में देरी, बढ़ती बेरोजगारी और बदहाल शिक्षा व्यवस्था से सबसे अधिक प्रभावित है।

आश्रम में बछिया के साथ आपत्तिजनक हरकत का आरोप, महंत की शिकायत से मचा हड़कंप

-पुलिस ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को शांतिभंग में भेजा, गंभीर आरोपों की जांच शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अयाना थाना क्षेत्र के कुआगांव स्थित सिद्ध शनि आश्रम में एक अधेड़ पर बछिया के साथ कथित रूप से आपत्तिजनक हरकत करने का आरोप लगने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ आश्रम पहुंच गई और लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। पुलिस ने महंत की तहरीर के आधार पर मारपीट का मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी का शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया है। वहीं गोवंश के साथ कुकर्म के लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। आश्रम के महंत दिग्विजय गिरी ने बताया कि वह पिछले करीब दस वर्षों से सिद्ध शनि आश्रम में रह रहे हैं। आश्रम में एक गाय और दो बछियों की देखभाल भी वह स्वयं करते हैं। उनके अनुसार रविवार को तिवरलालपुर निवासी रामकेबल तिवारी आश्रम पहुंचा और गोवंशों को चराने के लिए ले जाने की बात कही। महंत ने उसकी बात स्वीकार नहीं की। महंत का आरोप है कि कुछ देर बाद जब वह गोवंशों को देखने पहुंचे तो एक बछिया वहां नहीं मिली। तलाश करने पर उन्होंने आरोपी को बछिया के साथ आपत्तिजनक अवस्था में देखा। महंत का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी ने उनके साथ मारपीट की। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा फैल गई और मंगलवार को सुबह साधु संतों में रोष दिखा गौ रक्षा दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबा रविंद दास ने कहा कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए नहीं तो आंदोलन करने के लिए मजबूर होगे। सोमवार को महंत ने अयाना थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। थाना प्रभारी जयप्रकाश पाल ने बताया कि महंत की ओर से मारपीट की तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जौनपुर में झमाझम बारिश से मिली गर्मी से राहत, जलभराव ने खोली नगर पालिका के दावों की पोल

प्रात : किरण संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद में बीते कई दिनों से पड़ रही भीषण उमस और गर्मी से सोमवार देर रात को उस समय राहत मिली, जब अचानक मौसम ने करवट ली और तेज बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश से तापमान में गिरावट आई और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, बारिश ने नगर पालिका परिषद की तैयारियों की भी पोल खोल दी। शहर के कई प्रमुख मार्गों और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सड़कों पर पानी भर जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान कई मोहल्लों रूहट्टा ओलन्दगंज पोलिटेक्निक चौराहे काली कुट्टी कटघरा आदि जगहों सड़कें तालाब जैसी नजर आईं। जगह-जगह बने गड्ढों में दोपहिया और चारपहिया वाहन फंसते रहे, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। शहर की कई सड़कें अब भी गड्ढामुक्त नहीं हो सकी हैं, जबकि प्रशासन और नगर पालिका की ओर से सड़कें दुरुस्त करने तथा जलनिकासी की व्यवस्था बेहतर होने के दावे किए जाते रहे हैं। बारिश के बाद सामने आई जलभराव की समस्या ने नगर पालिका परिषद की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। नागरिकों ने जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने और क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। वही इस मामले में जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने कहा कि जिन जगहों पर जल भराव हुआ है , वहां जल्द ही नाली नाले की सफाई करा कर जल भराव खत्म किया जाएगा।

किसान यूरिया से त्रस्त, सरकार आवंटित बजट भी खर्च नहीं कर पा रही: लाल बिहारी यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विधान परिषद में समाजवादी पार्टी (सपा)के सदस्यों ने प्रदेश में उर्वरक व बीज का मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि प्रदेश का किसान यूरिया से तस्त है। खाद व बीज किसानों को समय से नहीं मिल पा रहा है। सरकार आवंटित धन भी नहीं खर्च कर पा रही है। सपा सदस्य डॉ मान सिंह यादव ने तारांकित प्रश्न पूछा कि विगत तीन वर्षों में प्रदेश के किसानों को सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के लिए आवंटित बजट कितना था और कितना व्यय हुआ। इस प्रश्न के उत्तर में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि वर्ष 2025-26 में 7051.85 करोड़ धनराशि आवंटित थी, इसके सापेक्ष 5474.87 करोड़ रुपये खर्च हुए। सपा सदस्य शाहनवाज खान ने तारांकित प्रश्न में पूछा कि क्या कृषि मंत्री बताएंगे कि सोसायटी में यूरिया खाद नहीं मिल पाती जिसके कारण 20 बीघा का किसान हो या 30 बीघा का किसान है उसको सिर्फ दो बोरी यूरिया मिल पाती है।

उप्र मानसून सत्र: प्रदेश सरकार ने पेश किया 59 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट, केंद्र से मिलेगी 11 हजार करोड़ की सहायता

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने शून्यकाल में विपक्षी सदस्यों के भारी हंगामे बीच वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए अनुपूरक बजट में पेश किया। उन्होंने कुल 59,019.54 करोड़ रुपये की अनुपूरक बजट मांग (अतिरिक्त बजट) पेश किया। इस बजट में केंद्र सरकार से 11,240.97 करोड़ की मदद अंशदान (हिस्सेदारी) के रूप में मिलेगी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना बार -बार विपक्षी सदस्यों को अपनी सीट पर बैठने और चर्चा में भाग लेने का आग्रह करते रहे, लेकिन विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी जारी रखी। इस बीच जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोलने के लिए खडे. हुए तो विपक्षी सदस्यों ने हंगामा और तेज कर दिया। विपक्षी सदस्य नारे लगा रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि विपक्ष न तो सदन की मयार्दा का ख्याल रखता है और संवैधानिक मूल्यों का ही पालन कर रहा है आज सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए राज्य सरकार ने कुल 59,019.54 करोड़ रुपये की अनुपूरक बजट मांग (अतिरिक्त बजट) पेश किया। इस बजट में केंद्र सरकार से 11,240.97 करोड़ की मदद अंशदान (हिस्सेदारी) के रूप में मिलेगी। केंद्र से मिलने वाली राशि को घटाने के बाद राज्य सरकार के खजाने (समेकित निधि) पर 47,778.57 करोड़ रुपये का शुद्ध वित्तीय बोझ पड़ेगा। इस खर्च का इंतजाम सरकार टैक्स (कर) और गैर-टैक्स (करेतर) से होने वाली अपनी राजस्व आय के तय लक्ष्यों को पूरा करके तथा फालतू (अनुत्पादक) खर्चों में कटौती करके करेगी।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पेश किया पअनुपूरक बजट

वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए पेश किए गए अनुपूरक बजट में राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। औद्योगिक विकास एवं भारी उद्योगों को सबसे बड़ा हिस्सा दिया गया है, जिसके तहत भारी एवं मध्यम उद्योग विभाग के लिए 1,30,301.92 लाख रुपये का राजस्व खर्च और 20,905.88 करोड़ रुपये का भारी-भरकम पूंजीगत बजट मंजूर किया गया है। इसके अलावा हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग को 1,502.79 लाख रुपये राजस्व और 12,500.00 लाख रुपये पूंजीगत मद में दिए गए हैं, जबकि मुद्रण तथा लेखन सामग्री के पूंजीगत कार्यों हेतु 2,350.00

वाराणसी: कैंसर मरीज ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र की चौथी मंजिल से लगाई छलांग, मौत

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। चितईपुर थाना क्षेत्र स्थित महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र में इलाज करा रहे करीब 35 वर्षीय कैंसर मरीज ने देर रात अस्पताल की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल मरीज को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी हालत बेहद नाजुक बताई गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी में रखवा दिया है। रामेश्वर कुमार पुत्र नंदकिशोर, निवासी ग्राम मोहजम्मा, थाना पारु, जिला मुजफ्फरपुर, बिहार, उम्र करीब 35 वर्ष, पिछले कई दिनों से कैंसर का इलाज कराने के लिए महामना कैंसर संस्थान में भर्ती थे। बताया जा रहा है कि उनका एक दिन पूर्व ही ऑपरेशन हुआ था। बीती रात करीब 12:50 बजे रामेश्वर कुमार ने आईपीडी के वार्ड नंबर-4 की चौथी मंजिल से कथित तौर पर छलांग लगा दी। ऊंचाई से गिरने के कारण उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायल मरीज को तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई। घटना की सूचना मिलने पर चितईपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कराया। वहीं, फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। पुलिस द्वारा घटना के कारणों का पता लगाने के लिए अस्पताल में मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में मरीज द्वारा चौथी मंजिल से छलांग लगाने की बात सामने आई है।

घर के कुएं में मिला अधेड़ का शव, गांव में फैली सनसनी

-कुएं के पास पत्थर पर सोया था चालक, करवट बदलने पर गिरने की आशंका

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। जमालपुर थाना क्षेत्र के सेमरा गांव में मंगलवार सुबह घर के कुएं में 50 वर्षीय अधेड़ का शव उतराता मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान राम निरंजन मिश्र उर्फ पप्पू मिश्रा के रूप में हुई है। वह पेशे से चार पहिया वाहन चालक थे और महाराष्ट्र से महिंद्रा कंपनी की नई गाड़ियों को विभिन्न शहरों की एजेंसियों तक पहुंचाने का कार्य करते थे। बताया गया कि वह कुछ दिन पहले ही महाराष्ट्र से अपने गांव लौटे थे। ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार रात रामनिरंजन घर के सामने स्थित कुएं के पास पत्थर पर कंबल बिछाकर सोए थे। मंगलवार सुबह उनका शव कुएं में उतराता मिला, जिसके बाद परिजन और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मृतक पांच भाइयों में सबसे बड़े थे। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया आशंका है कि रात में सोते समय करवट बदलने पर रामनिरंजन कुएं में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गया।

फरुर्खाबाद: जिलाधिकारी ने प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा अधिकारियों के कसे पेंच

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद की जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने प्राथमिक शिक्षा को नींव बताते हुए उसे और बेहतर बनाने के लिए मंगलवार को शिक्षा अधिकारियों के पेंच कसे। जिलाधिकारी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण कार्य एवं विद्यालय प्रबंधन से संबंधित कार्यों में गुणात्मक प्रगति लाने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों के साथ आवश्यक समीक्षा बैठक में बोल रही थीं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की आधारशिला है, इसलिए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नियमित शैक्षणिक गतिविधियों तथा प्रभावी विद्यालय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, शिक्षण स्तर में निरंतर सुधार लाने तथा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार समयबद्ध शिक्षण कार्य कराया जाए। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों को प्राथमिक विद्यालयों में स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण, पेयजल, शौचालय, विद्युत, मध्यान्ह भोजन, छात्र-छात्राओं के नामांकन एवं उपस्थिति सहित सभी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने खण्ड शिक्षा अधिकारियों से कहा कि वे विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करें तथा निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि खण्ड शिक्षा अधिकारी कस्तूरबा गांधी विद्यालयों का निरीक्षण कर साप्ताहिक आख्या उपलब्ध कराएं, विद्यालयों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण में शिकायत से संबंधित बिंदुओं की अन्य विद्यालयों में भी क्रॉस चेकिंग करा लें तथा प्रत्येक विद्यालय में मिड डे मील की गुणवत्ता के साथ यह भी सुनिश्चित कर लें कि विद्यालय में नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए।

गोरखपुर में बच्ची की हत्या के विरोध में जौनपुर में प्रदर्शन, फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई व एक करोड़ मुआवजे की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 10 वर्षीय बच्ची के कथित अपहरण, दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में जौनपुर में मंगलवार को भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। समिति के अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर आरोपित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में समिति ने आरोप लगाया कि बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव रोहिन नदी में फेंक दिया गया। मामले के आरोपित सिपाही अभिषेक यादव के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराकर पॉक्सो अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत शीघ्र कठोरतम दंड दिए जाने की मांग की गई।समिति ने यह भी मांग की कि आरोपित की पूर्व में हुई सेवा बहाली की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, पर्याप्त सुरक्षा, न्यायिक सहयोग तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश के जिला अस्पतालों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने, महिला सुरक्षाकर्मियों की तैनाती और रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने की भी मांग उठाई। इसके अलावा पुलिस भर्ती, तैनाती और बहाली की प्रक्रिया में चरित्र सत्यापन को और अधिक सख्त किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई से ही आमजन का कानून व्यवस्था पर विश्वास मजबूत होगा।

चार मंजिला फर्नीचर शोरूम में आग से लाखों का सामान राख

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। गोविंदनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक चार मंजिला फर्नीचर शोरूम में लगी भीषण आग ने कुछ ही देर में पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटों और धुएं का घना गुबार दूर तक दिखाई देता रहा। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की आठ से अधिक गाड़ियां और एक विशेष वाटर टेंडर मौके पर पहुंचा। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हादसे में लाखों रुपये का फर्नीचर और अन्य सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देखते ही देखते आग चारों मंजिलों में फैल गई। शुरूआती सूचना में शोरूम के भीतर कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई थी, जिसके बाद दमकल और पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान चलाया। एहतियात के तौर पर गोविंदपुरी पुराने पुल के पास यातायात रोक दिया गया, ताकि बचाव कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही फजलगंज, किदवई नगर समेत विभिन्न फायर स्टेशनों से आठ से अधिक दमकल वाहन मौके पर भेजे गए। इसके साथ ही एक वाटर स्पेशलाइज्ड वाहन भी लगाया गया। दमकल कर्मियों ने तीन दिशाओं से मोर्चा संभालकर आग पर काबू पाया, जिसके बाद लंबे समय तक कूलिंग का कार्य जारी रहा। शोरूम संचालक गौरव भसीन ने बताया कि आग किन परिस्थितियों में लगी, इसका अभी स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका व्यक्त की जा रही है। पुलिस और फायर विभाग की टीम आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस हादसे में लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। हालांकि वास्तविक क्षति का आकलन जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

रबी फसलों के बीजों की ऑनलाइन बुकिंग शुरू, किसान जल्द कराएं पंजीकरण

मीरजापुर। रबी मौसम 2026-27 के लिए किसानों को निःशुल्क मिनी किट एवं अनुदानित बीज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) नरेंद्र कानापुरिया ने मंगलवार को हलिया विकास क्षेत्र के किसानों से समय रहते ऑनलाइन पंजीकरण एवं बीज बुकिंग कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि रबी सीजन के लिए तोरिया, सरसों, अलसी, चना, मटर, मसूर, गेहूं और जौ सहित विभिन्न फसलों के बीजों की ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो चुकी है। बुकिंग के बाद ई-लॉटरी के माध्यम से चयनित किसानों को राजकीय कृषि बीज गोदाम हलिया से बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। एडीओ (कृषि) ने बताया कि निःशुल्क मिनी किट, सामान्य बीज और 50 प्रतिशत अनुदान पर मिलने वाले बीजों का लाभ लेने के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। उन्होंने किसानों से पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर जल्द बुकिंग कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर पंजीकरण से गुणवत्तापूर्ण प्रमाणित बीज उपलब्ध होंगे और रबी फसलों की बेहतर उपज सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

वाराणसी में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

दो बदमाश और SOG प्रभारी को लगी गोली, चार किलो चांदी और नकदी बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। लंका थाना क्षेत्र के लौटूबीर के पास सोमवार देर रात चौक थाना क्षेत्र में चांदी लूट की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के दोनों पैरों में गोली लगी। वहीं मुठभेड़ के दौरान रडॠप्रभारी गौरव कुमार सिंह के दाहिने हाथ में गोली लगने से वह भी घायल हो गए। घायल दोनों बदमाशों और रडॠप्रभारी को उपचार के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर अउढ अतुल अंजान त्रिपाठी समेत पुलिस के अन्य अधिकारी पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से बदमाशों के कब्जे से करीब चार किलो चांदी और नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार बदमाशों से पूछताछ के बाद लूट की घटना से जुड़े अन्य मामलों और बरामदगी के संबंध में भी जानकारी जुटाई जाएगी।

चौक में स्वर्ण व्यवसायी के साथ हुई थी चांदी की लूट

पुलिस अधिकारियों के अनुसार चौक थाना क्षेत्र में स्वर्ण व्यवसायी के साथ चांदी की लूट की घटना हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रडॠकी टीम सक्रिय हो गई। बदमाश जिस वाहन से घटना को अंजाम देकर फरार हुए थे, पुलिस टीम ने उसका पीछा शुरू कर दिया। पुलिस टीम पीछा करते हुए लंका थाना क्षेत्र के लौटूबीर के पास पहुंची। खुद को पुलिस से घिरता देख बदमाशों ने वाहन छोड़कर भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने बदमाशों की फायरिंग का जवाब देते हुए जवाबी कार्रवाई की।

जवाबी फायरिंग में दो बदमाश घायल

पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के दोनों पैरों में गोली लगी। गोली लगने के बाद दोनों बदमाश घायल होकर मौके पर गिर पड़े। पुलिस टीम ने तत्काल उन्हें कब्जे में लिया और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की गोली लगने से रडॠप्रभारी गौरव कुमार सिंह के दाहिने हाथ में भी गोली लगी। उन्हें भी तत्काल उपचार के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार कराया जा रहा है।

मौके पर पहुंचे अउढ अतुल अंजान त्रिपाठी

मुठभेड़ की जानकारी मिलते ही अउढ अतुल अंजान त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही पुलिसकर्मियों से घटना की जानकारी ली। मौके पर पुलिस की टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। अउढ अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि चौक थाना क्षेत्र में स्वर्ण व्यवसायी के साथ चांदी लूट की घटना हुई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद रडॠऔर पुलिस की टीम ने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया।

जिन्होंने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, वही साधु-संतों और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को कर रहे बदनामः सीएम योगी

-चढ़ावा प्रकरण में किसी साधु-संत की संलिप्तता नहीं मिली, लेकिन विपक्ष भ्रामक तथ्यों से कर रहा सनातन पर प्रहारः मुख्यमंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर चढ़ावा प्रकरण और सदन में विपक्ष के हंगामे को लेकर समाजवादी पार्टी व कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। मंगलवार को विधानसभा भवन के पोर्टिको में पत्रकारों से वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, भगवान श्रीराम व श्रीकृष्ण के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर उन्हें मिथक बताया, वे आज अयोध्या और आस्था की बात कर रहे हैं! श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले की जांच में किसी भी साधु-संत की संलिप्तता नहीं मिली है। इसके बावजूद विपक्ष तथ्यों को तोड़-मरोड़कर सनातन, अयोध्या धाम और मंदिर को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। सीएम ने सदन में अध्यक्ष पीठ की अवमानना, प्लेकार्ड लहराकर कार्यवाही बाधित करने, मार्शलों से धक्का-मुक्की करने और संवैधानिक संस्थाओं का लगातार अपमान करने पर समाजवादी पार्टी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विपक्ष जनहित के मुद्दों पर चर्चा से बचता है। विपक्ष केवल भ्रम फैलाने और उत्तर प्रदेश की सकारात्मक छवि को नुकसान पहुंचाने की राजनीति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहले से तय है कि जो मुद्दा किसी न्यायाधिकरण या आयोग के पास लंबित हो, उस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। लेकिन विशेष परिस्थितियों में, अगर विधानसभा अध्यक्ष यह समझते हैं कि इस चर्चा के कारण संबंधित जांच प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं आएगा, तो वह अनुमति दे सकते हैं। सपा नेताओं ने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक और दलीय नेताओं की बैठक में भी आश्वस्त किया था कि वे जिन मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, नियम के अंतर्गत उसका नोटिस देंगे। संसदीय कार्य मंत्री ने स्वयं दोनों बैठकों में कहा था कि जो भी विषय अध्यक्ष पीठ द्वारा चर्चा के लिए स्वीकार किए जाएंगे, उन पर सत्ता पक्ष से तर्कपूर्ण तरीके से जवाब भी दिया जाएगा। इसके बावजूद यह जानते हुए कि श्रीराम जन्मभूमि से संबंधित यह मामला माननीय उच्चतम न्यायालय में लंबित है, समाजवादी पार्टी ने प्रकरण की गंभीरता को समझते हुए भी न केवल सदन की अवमानना की, बल्कि न्यायालय में लंबित पूरी प्रक्रिया को भी अपमानित करने का शर्मनाक प्रयास किया। सीएम योगी ने कहा कि माननीय विधानसभा अध्यक्ष ने बार-बार कहा कि हम चर्चा को स्वीकार करते हैं, अपनी बात को आप नियमों के अंतर्गत सदन में रखिए। लेकिन सदन की कार्यवाही का विरोध, प्लेकार्ड लहराना, अध्यक्ष पीठ की अवमानना के रूप में जो अपमानजनक व्यवहार सदन के अंदर समाजवादी पार्टी का रहा, वह अत्यंत निंदनीय है और शर्मनाक भी। संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करना समाजवादी पार्टी का शौक व शगल है। इसने कभी लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं किया। ह्यहल्ला बोलह्ल जिस पार्टी का मुख्य उद्देश्य रहा हो, वह लोकतांत्रिक कैसे कही जा सकती है? ये लोग ह्यहल्ला बोलह्ल पर विश्वास करते हैं। कभी मीडिया पर, कभी संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करते हैं। न्यायालय की बात नहीं मानते। सदन में नियम, उपनियम और परंपराओं का पालन नहीं करते। भारत की संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। चुनाव आयोग का अपमान करते हैं। आरोप-प्रत्यारोप के माध्यम से तर्कहीन मुद्दे उठाकर केवल नकारात्मक और भ्रामक सूचनाओं का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास करते हैं। समाजवादी पार्टी और विपक्ष का यह आचरण अलोकतांत्रिक है और असंवैधानिक भी। यह संविधान निमार्ताओं और बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की भावनाओं का अपमान भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब जानते हैं कि अयोध्या के जिस प्रकरण में ये लोग चंदा चोरी की बात करते हैं, वहां चंदा चोरी नहीं, चढ़ावे से जुड़ा एक प्रकरण सामने आया था।

प्राचार्य ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी का संबद्धता आदेश निरस्त करने का किया अनुरोध

भविष्य में पूर्व अनुमति के बिना किसी भी अधिकारी-कर्मचारी की संबद्धता न करने के निर्देश, आयुक्त व जिलाधिकारी को भी भेजी गई प्रतिलिपि

रिपोर्ट। अवनीश त्यागी बिजनौर, 4 अगस्त। महात्मा विदुर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बिजनौर की प्राचार्य ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय द्वारा जारी वरिष्ठ सहायक की संबद्धता (अटैचमेंट) संबंधी आदेश को निरस्त करने का अनुरोध किया है। साथ ही स्पष्ट किया है कि भविष्य में चिकित्सा महाविद्यालय से संबंधित किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी की संबद्धता अथवा कार्य आवंटन संबंधी आदेश प्राचार्य की पूर्व स्वीकृति के बिना जारी न किए जाएं। यह उल्लेख 30 जुलाई 2026 को जारी प्राचार्य के आधिकारिक पत्र में किया गया है। प्राचार्य द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि वरिष्ठ सहायक ललित कुमार की चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्धता पूर्व में ही समाप्त कर उन्हें कार्यमुक्त किया जा चुका है। इसके बावजूद 25 जुलाई 2026 को उन्हें दो दिनों के लिए पुनः चिकित्सा महाविद्यालय में कार्य करने का आदेश जारी किया गया, जो पूर्व में जारी आदेशों एवं उपलब्ध अभिलेखों के अनुरूप नहीं है। इसी आधार पर उक्त आदेश को निरस्त करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि चिकित्सा महाविद्यालय में प्रशासनिक एवं कार्यालयीय कार्यों का निर्धारण संस्थान की आवश्यकता और उपलब्ध मानव संसाधन के अनुसार किया जाता है। चूंकि संबंधित कर्मचारी की संबद्धता समाप्त हो चुकी है और वर्तमान में उनकी सेवाओं की आवश्यकता चिकित्सा महाविद्यालय में नहीं है, इसलिए उनसे उनके मूल कार्यालय में ही कार्य लिए जाने की बात कही गई है। प्राचार्य ने भविष्य के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चिकित्सा महाविद्यालय से संबंधित किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की संबद्धता अथवा कार्य आवंटन का कोई भी आदेश जारी करने से पूर्व चिकित्सा महाविद्यालय प्रशासन की पूर्व अनुमति एवं सहमति प्राप्त की जाए। पत्र में कहा गया है कि इससे दोनों कार्यालयों के बीच समन्वय बना रहेगा तथा प्रशासनिक कार्यों के संचालन में किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न नहीं होगी। प्राचार्य ने इस पत्र की प्रतिलिपि आयुक्त, मुरादाबाद मंडल, जिलाधिकारी बिजनौर, स्थापना लिपिक तथा कार्यालय अभिलेख के लिए भी प्रेषित की है।

रोटरी क्लब आकर्षण ने किया वृक्षारोपण, बच्चों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

25 पौधे रोपकर उनके संरक्षण का लिया संकल्प, विद्यालय में विद्यार्थियों को बताया पेड़ों का महत्व

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। रोटरी क्लब ह्यआकर्षणह्न हसनपुर की ओर से नगर के सरस्वती विद्या मंदिर, सैद नंगली परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के करीब 25 पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। वृक्षारोपण के बाद आयोजित वंदना कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता एवं क्लब ट्रेनर एवं आईटी डायरेक्टर आदेश कुमार अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को रोटरी संस्था की गतिविधियों तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए। वहीं आदेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन की रीढ़ हैं। यदि वृक्ष नहीं रहेंगे तो न स्वच्छ वायु मिलेगी, न शुद्ध जल और न ही जीवन सुरक्षित रह पाएगा। उन्होंने बच्चों से अधिकाधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर क्लब ट्रेजरार राजीव अग्रवाल सर्राफ, क्लब मेंबरशिप चेयरमैन संजय गर्ग, पर्यावरण चेयरमैन सचिन कसाना, डायरेक्टर क्लब सर्विस जोगिंदर चावला, सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य दिवाकर पांडे, सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य प्रभा शंकर तिवारी, शिशु वाटिका की प्रधानाचार्या श्रीमती हितेश शर्मा, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं तथा रोटरी क्लब के सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस से छह बच्चों को किया गया रेस्क्यू

वाराणसी। मानव तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस से छह नाबालिग बच्चों को सकुशल रेस्क्यू किया। बच्चों को कथित रूप से गुजरात में मजदूरी कराने के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान दो संदिग्ध तस्करों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। आरपीएफ के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, लखनऊ के निर्देशन में गठित ह्यनन्हे फरिश्तेह्न और एएचटीयू टीम ने ऑपरेशन आहट के तहत मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से वाराणसी की ओर आने वाली गाड़ी संख्या 15636 गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस में सघन जांच अभियान चलाया। टीम में उपनिरीक्षक माधुरी यादव, सहायक उपनिरीक्षक शिवकुमार यादव, महिला कांस्टेबल प्रीति, कांस्टेबल जयराम, हेड कांस्टेबल अशोक कुमार यादव, सीआईबी वाराणसी तथा एसोसिएशन फॉर वॉलेंटरी एक्शन (बीबीए) की सहायक परियोजना अधिकारी चंदा गुप्ता शामिल थीं। जांच के दौरान ट्रेन के सामान्य कोच में चार लड़कों और दो लड़कियों समेत छह नाबालिग बच्चे दो वयस्क पुरुषों के साथ डरे-सहमे बैठे मिले। संदेह होने पर टीम ने बच्चों से अलग-अलग पूछताछ की। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे असम के गुवाहाटी से गुजरात ले जाए जा रहे थे, जहां उन्हें अलग-अलग स्थानों पर मजदूरी कराई जानी थी।

अनुपूरक बजट में समाज कल्याण विभाग को 1,655 करोड़ रुपये की सौगात

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के सामाजिक एवं शैक्षिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए अनुपूरक बजट में समाज कल्याण विभाग के लिए 1,655 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया है। सरकार का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और प्रभावी बनाते हुए जरूरतमंदों तक समयबद्ध लाभ पहुंचाना है। मंगलवार को सदन में पेश हुए अनुपूरक बजट 2026-27 में सबसे बड़ा प्रावधान राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के लिए किया गया है। इसमें 1,500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जिससे पात्र बुजुर्गों को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और उनकी सामाजिक सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। डॉ. बी.आर. आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के लिए 407 करोड़ रुपये योगी सरकार ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की स्मृतियों के संरक्षण और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डॉ. बी.आर. अंबेडकर मूर्ति विकास योजना के लिए 407 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। सामान्य वर्ग दशमोत्तर शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति योजना के लिए 155 करोड़ रुपये तथा मुख्यमंत्री मेधावी अनुसूचित जाति एवं जनजाति उच्च शिक्षा सहायता योजना के लिए 2 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

गोकशी प्रकरण में लोनी विधायक ने डीएम को लिखा पत्र, रासुका और संपत्ति कुर्क की करी मांग

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। स्थानीय विधायक ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर हाल ही में सामने आए गोकशी प्रकरण में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोपियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई करने, उनकी अवैध संपत्तियों को कुर्क करने तथा बुलडोजर कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की अपील की है। उन्होंने पत्र की प्रति पुलिस आयुक्त गाजियाबाद को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित की है। विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि पवित्र श्रावण माह के प्रथम दिन लोनी क्षेत्र में सुनियोजित तरीके से गोकशी की घटना को अंजाम दिया गया, जिससे हिंदू समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने लिखा कि मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी पर दिल्ली-एनसीआर में गो-तस्करी के नेटवर्क से जुड़े होने के आरोप हैं तथा गोकशी से अर्जित धन से अवैध संपत्तियां बनाने की भी बातें सामने आ रही हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी के संबंध में दिल्ली के दंगों में शामिल होने जैसी चर्चाएं भी हैं। उन्होंने प्रशासन से इन सभी पहलुओं की गहन जांच कराने की मांग की है। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि प्रकरण में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध रासुका के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही गोकशी से अर्जित बताई जा रही संपत्तियों को कुर्क कर आवश्यकतानुसार बुलडोजर कार्रवाई भी अमल में लाई जाए।

अज्ञात बदमाशों द्वारा नशीला पदार्थ सुंघाकर ई-रिक्शा लेकर फरार हो जाने का आरोप

लोनी। अज्ञात बदमाशों द्वारा चालक को नशीला पदार्थ सुंघाकर उसकी ई-रिक्शा लेकर फरार हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित का आरोप है कि स्थानीय पुलिस चौकी पर लिखित शिकायत करने के बावजूद पुलिस कार्रवाई के नाम पर उसे लगातार टिरकाती आ रही है। लोनी की मुस्तफाबाद कॉलोनी में रहने वाले पीड़ित शाहिद का कहना है कि वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। 29 जुलाई के दिन लगभग 3 बजे वह दो नंबर बस स्टैंड से लालबाग जाने वाले चार अज्ञात युवको (सवारी) को लेकर रवाना हुआ था. इसी दौरान जब वह में किकरो के जंगल तक पहुंचा, रास्ते में मिले अन्य दो युवकों को अपना साथी बताते हुए रिक्शा में बैठे युवकों ने प्रार्थी को रुकने के लिए कहा, रिक्शा रोकते ही सभी ने मिलकर प्रार्थी को दबोच लिया और कोई नशीला पदार्थ सुंघाकर उसकी ई-रिक्शा लेकर फरार हो गए। देर रात लगभग 1 बजे होश आने के बाद प्रार्थी ने सुबह के समय घटना की सूचना स्थानीय पुलिस चौकी लाल बाग पर लिखित रूप से दी थी. मगर पुलिस कोई कार्रवाई करने की बजाय प्रार्थी से लगातार चौकी के चक्कर कटवा रही है। पीड़ित ने मामले में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग को लेकर अब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी से मिलने की बात कही हैं।

कावड़ियों की वापसी से शिव मय हुआ लोनी बॉर्डर क्षेत्र

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। सावन मास की कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न मार्गों और शिविरों में शिव भक्तों (कांवड़ियों) के आने का सिलसिला तेजी से शुरू हो गया है। प्रशासन और विभिन्न समितियों द्वारा श्रद्धालुओं के विश्राम, चिकित्सा और सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। वहीं दूसरी ओर मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और पुलिस बल के जरिए कड़ी नजर रखी जा रही है। सावन माह में कांवड़ यात्रा से हर ओर भोले की जय जयकार हो रही है। जहां उत्तराखंड की देवनगरी हरिद्वार से दिन पर दिन लौट रहे शिव भक्त कांवड़िया लोनी बॉर्डर क्षेत्र स्थित शिवरो में पहुंचने शुरू हो गए हैं, तो वहीं हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेने के लिए शिव भक्तों के जाने का सिलसिला भी अभी लगातार जारी है। सावन की कांवड़ यात्रा के मद्देनजर मंगलवार की सुबह से ही कांधे पर कांवड़ धारण किए कांवड़िये जब टीला मोड़ होकर पाइपलाइन मार्ग से लोनी बॉर्डर की ओर निकलने शुरू हुए तो क्षेत्र में आस्था की बयार बह निकली। शिव भक्त कावड़िया पाइप लाइन कावड़ मार्ग पर स्थित विभिन्न कॉलोनी व शिवरो से होकर निकलते रहे जहां आस्थावानो द्वारा उनके लिए जल, चिकित्सा, ठहरने और वाटरप्रूफ टेंट की पुख्ता व्यवस्था की गई है ताकि बारिश से बचाव हो सके। भोले की मस्ती में मस्त कांवड़िये धार्मिक भजनों पर नाचते गाते और बोल बम, बम भोले व हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए दिनभर अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहे।

अधिकारियों ने कांवड़ रूट पर भ्रमण कर लिया जायजा

सावन माह की कांवड़ यात्रा के मद्देनजर अधिकारी पूरी तरह से सतर्क है।कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत लोनी बॉर्डर थाना पुलिस मार्ग पर गश्त करती रही। इसी क्रम में पुलिस सहायक उपयुक्त अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने लोनी बॉर्डर सहित कांवड़ पथ मार्ग पर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ रूट को देखते हुए वहां तैनात अधीनस्थ पुलिस कर्मचारियों से जानकारी लेते हुए कांवड़ियों के आवागमन के बारे में भी पूछ-ताछ की।

डीएम ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर दिए सुधार के निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्याग

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध ढंग से सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने फैमिली आईडी योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई तथा आईजीआरएस की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में फार्मर रजिस्ट्री का लगभग 91 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने शेष कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। फैमिली आईडी योजना की समीक्षा के दौरान ब्लॉक नूरपुर, अफजलगढ़ एवं जलीलपुर की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया। विशेष रूप से अफजलगढ़ एवं जलीलपुर ब्लॉक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति संतोषजनक न होने पर संबंधित खंड विकास अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। वृक्षारोपण अभियान की समीक्षा में जिलाधिकारी ने लगाए गए पौधों की शत-प्रतिशत जियो टैगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा में उच्च शिक्षा विभाग की मात्र 5 प्रतिशत, नगर विकास विभाग की 16 प्रतिशत तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग की 18 प्रतिशत जियो टैगिंग पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। अन्य विभागों को भी शीघ्र शत-प्रतिशत जियो टैगिंग पूर्ण करने को कहा गया। आईजीआरएस की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत डिफॉल्टर श्रेणी में न पहुंचे। सभी प्रकरणों का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करते हुए फीडबैक में सुधार किया जाए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

कांवड़ यात्रा को लेकर बिजली विभाग की तैयारियां पूरी, 1034 कर्मी तैनात

प्रात : किरण अवनीश त्याग

बिजनौर। श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 के सफल एवं सुरक्षित संचालन के लिए विद्युत विभाग ने जनपद में व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। अधीक्षण अभियंता विद्युत ने बताया कि यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्युत पोलों पर इंसुलेटेड शीट एवं प्लास्टिक कवर लगाए गए हैं। जर्जर तारों को बदला गया है तथा क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों का प्रतिस्थापन कराया गया है। उन्होंने बताया कि कांवड़ मार्ग पर विद्युत कर्मियों की विशेष तैनाती की गई है और संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। आपात स्थिति से निपटने के लिए ट्रॉलियां, पिकअप वाहन सहित आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की गई है। यात्रा मार्गों पर विद्युत लाइनों के नीचे साफ-सफाई कराकर पॉलीथीन व अन्य अवरोधक सामग्री हटाई गई है। इसके अलावा 387 क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों पर एबी केबल लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा आवश्यक स्थानों पर विद्युत लाइनों की गार्डिंग भी कराई गई है। निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए 1034 विद्युत कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। यात्रा मार्ग पर स्थित 119 ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा एवं रखरखाव की विशेष व्यवस्था की गई है, जबकि आवश्यकता पड़ने पर नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की भी तैयारी है।

विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा। विभाग ने नागरिकों से बिजली बचाने तथा विद्युत चोरी की सूचना हेल्पलाइन 1800-180-8752 एवं 1800-180-3002 पर देने की अपील की है।

चेहल्लुम पर अजादारों ने किया जंजीरों का मातम...

जुलूस में शामिल रहे ताजिये, अंजुमनो ने किया मातम

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। हजरत इमाम हुसैन के चेहल्लुम पर अजादारों ने जंजीर का मातम कर खुद को लहूलुहान कर लिया। अजाखानों से गमगीन माहौल में ताबूत भी बरामद हुए। फिजा में लब्बैक या हुसैन की सदाएं सुनाई दीं। जुलूस ने अपने निर्धारित रास्तों से होकर निकला। मातमी अंजुमन जुलूस में नौहा पढ़ती हुई चल रही थीं। दूसरा जुलूस सुबह आठ बजे बड़ा इमामबाड़ा मोहल्ला दानिशमंदान से निकला। ताजियों का जुलूस रेलवे लाइन पार सुबोध नगर स्थित कर्बला पहुंचा। वहीं, मोहल्ला मंडी चौब स्थित सिब्तैन मंजिल से ताजिए का जुलूस निकला, जो दरबार-ए-कलां होता हुआ सबसे पहले मोहल्ला छेवड़ा पहुंचा। यहां से छेवड़े के ताजिए के साथ कटरा गुलाम अली में आकर मुख्य जुलूस में शामिल हो गया। सुबह अजाखाना बगला से चेहल्लुम का मुख्य जुलूस बरामद हुआ। जुलूस में ताजिए निकालें गए। जुलूस कोट चौराहा, चाहगोरी, शफातपोता, कटरा, गुजरी, त्रिपोलिया, नौबतखाना, जाफरी, नवघेर करम अली खां, लकड़ा होता हुआ बिजनौर रोड स्थित कर्बला में जाकर संपन्न हुआ। यहां मरसिया पढ़ा गया। जुलूस में दूसरों मोहल्लों से लगभग तीस ताजिए शामिल थे।अंजुमने अब्बासिया की ओर से बाजार गुजरी और नौबतखाना में जंजीर का मातम किया। फिजा में या हुसैन या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। शहर के मर्सिया खान हसन इमाम,सिब्ते सज्जाद, मुदस्सिर अली खान, मोहम्मद अली अफजाल, तबारक अली, महताब हसनैन, आसिफ निसार आदि ने छुन्नू लाल दिलगीर का मशहूर मरसिया... कैद से छूटकर जब सैय्यदे सज्जाद आए...पढ़ा। काजीगली स्थित अजाखाना मुसम्मात छज्जी में ताजिया उठाया गया। जो मोहल्ला जाफरी में जुलूस में शामिल हुआ। जुलूस का संचालन अंजुमन रजाकाराने हुसैनी ने किया। इस दौरान रजाकारान के काईद शाने मुज्तबा,जनरल सेक्रेटरी खुरशीद हैदर जैदी, नायब काईद शिराज गालिब,गुलाम सज्जाद, सैयद मुज्तबा,रजा शमीम,इमदाद आब्दी, डॉ. चंदन नकवी, वसीम जैदी, मोहम्मद तकी हसन काजिम , हुसैन अब्बास संचालन कर रहे थे। वहीं व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी (उ्द) द्वारा मनोनीत की गई विशेष कमेटी के सदस्य ज़िया एजाज, लियाकत अली, बाकर रजा नकवी,नदीम नकवी, शहजाद रजा, कासिम जैदी भी लगातार जुलूस की निगरानी करते नजर आए।

वाराणसी नगर निगम ने लगभग एक बीघा सरकारी पोखरी की भूमि को कराया कब्जा मुक्त

वाराणसी। शहरी क्षेत्र में बीएलडब्ल्यू रोड पर सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए वाराणसी नगर निगम ने लगभग एक बीघा मूल्यवान सरकारी पोखरी की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। नगर निगम कर्मियों द्वारा सरकारी भूमि को बुलडोजर लगाकर साफ कर दिया गया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में वर्षों पुराने विवाद का समाधान करते हुए राजस्व अभिलेखों में पुनः पोखरी दर्ज कराई गई तथा तत्काल बुलडोजर के माध्यम से उसके पुनरुद्धार का कार्य प्रारंभ किया गया। नगर निगम इस ऐतिहासिक पहल के माध्यम से जल संरक्षण, भूजल संवर्धन, पर्यावरण संतुलन और सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण को नई दिशा देते हुए एक स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वाराणसी के निर्माण के लिए निरंतर कार्यरत है। महापौर अशोक तिवारी ने कहा कि सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। वाराणसी शहर में कहीं भी सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा है तो इसकी जानकारी नगर निगम को दें। जिससे सरकारी जमीन से अवैध रूप से कब्जा हटाया जा सके।

केजीबीवी भर्ती में ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर घिरे सवाल, कट-ऑफ सूची जारी होने के बाद भी विवाद बरकरार

वेटिंग सूची जारी न होने से अभ्यर्थियों में रोष, पारदर्शिता पर उठे गंभीर प्रश्न

प्रात : किरण अवनीश त्याग

बिजनौर। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय (केजीबीवी) की संविदा शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में कट-ऑफ सूची जारी होने के बाद भी विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण के पालन और वेटिंग सूची जारी न किए जाने को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि भर्ती प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा आज भी अनसुलझा बना हुआ है अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों को समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ईडब्ल्यूएस आरक्षण की व्यवस्था लागू की थी। उनका आरोप है कि बिजनौर में वर्षों से होने वाली भर्तियों में इस आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं और इस भर्ती में भी उनकी आपत्तियों का संतोषजनक समाधान नहीं किया गया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने विद्यालय आवंटन के उपरांत 29 जुलाई तक मेरिट सूची जारी करने का आश्वासन दिया था। बाद में कट-ऑफ सूची जारी कर दी गई, लेकिन अभ्यर्थियों का कहना है कि इससे केवल प्रक्रिया का एक भाग पूरा हुआ है। भर्ती से जुड़े मूल प्रश्न—ईडब्ल्यूएस आरक्षण का अनुपालन और वेटिंग सूची जारी न किया जाना—आज भी जस के तस बने हुए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि यदि भर्ती पूरी तरह नियमों और आरक्षण व्यवस्था के अनुरूप की गई है तो प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए कितने पद निर्धारित किए गए, कितने अभ्यर्थियों का चयन इस श्रेणी में हुआ तथा आरक्षण रोस्टर का पालन किस प्रकार किया गया। इसके साथ ही अभ्यर्थियों ने यह भी मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वेटिंग सूची तत्काल सार्वजनिक की जाए, ताकि यदि कोई चयनित अभ्यर्थी कार्यभार ग्रहण न करे तो नियमानुसार प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को अवसर मिल सके। समाचार लिखे जाने तक जिला प्रशासन अथवा बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से ईडब्ल्यूएस आरक्षण और वेटिंग सूची के संबंध में कोई विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया था।

प्रमुख प्रश्न

क्या भर्ती में ईडब्ल्यूएस आरक्षण का पूर्ण रूप से पालन किया गया?

यदि किया गया, तो उसका विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया?

वेटिंग सूची अब तक जारी क्यों नहीं हुई?

क्या जिला प्रशासन इन प्रश्नों पर अपना आधिकारिक पक्ष स्पष्ट करेगा?

डॉ. मनोज वर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

सीएचसी स्योहारा की टीम ने पुष्पगुच्छ भेंट कर दी शुभकामनाएं

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। जनपद के वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. मनोज वर्मा का जन्मदिवस मंगलवार को वर्मा मेटरनिटी एंड नर्सिंग होम में हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही अपनी टीम के साथ पहुंचे और डॉ. मनोज वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। सभी ने केक काटकर उन्हें खिलाया और उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डॉ. बी.के. स्नेही ने कहा कि डॉ. मनोज वर्मा चिकित्सा सेवा के साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका अनुभव और सेवा भाव समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने भी डॉ. मनोज वर्मा को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय एवं सफल जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। पूरे कार्यक्रम में आत्मीयता और सौहार्द का माहौल बना रहा। अंत में डॉ. मनोज वर्मा एवं उनके पुत्र डॉ. शाश्वत वर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके स्नेह, सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही, आईओ वीर सिंह, फार्मासिस्ट प्रदीप रावत, अरुण कुमार, सुनील कुमार तथा यूनिसेफ पीसीआई से सौरभ आर्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दिव्यांग दमपत्तियों को विवाह पर मिलेगा 35 हजार रुपये तक का प्रोत्साहन

बिजनौर। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांग दम्पत्तियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य दिव्यांगजनों के विवाह को प्रोत्साहित करना एवं उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत यदि केवल युवक दिव्यांग है तो 15 हजार रुपये, केवल युवती दिव्यांग होने पर 20 हजार रुपये तथा युवक और युवती दोनों दिव्यांग होने पर 35 हजार रुपये की प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की जाएगी। सीडीओ ने बताया कि 1 अप्रैल 2025 से वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान विवाह करने वाले पात्र दिव्यांग दम्पत्ति विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी आवश्यक अभिलेखों सहित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, बिजनौर में जमा करनी होगी। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए वर का जनपद बिजनौर का निवासी होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ संयुक्त फोटो, विवाह प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, मूल निवास प्रमाण-पत्र, 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता प्रमाण-पत्र (यूडीआईडी), संयुक्त बैंक खाते की पासबुक की प्रति, आधार कार्ड तथा आयु प्रमाण-पत्र संलग्न करना आवश्यक होगा।

सेट पर रश्मिका मंदाना को लगी गंभीर चोट? डांस सीक्वेंस के दौरान हुआ हादसा

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को एक डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान गंभीर चोट लगी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके कूल्हे में गंभीर चोट आई है, जिसके चलते अभिनेत्री को करीब छह हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई है। चोट उनकी आने वाली फिल्म के मुश्किल एक्शन और डांस सीक्वेंस के दौरान लगी है।

शूटिंग पर लौटने में लगेगा वक्त

खबरों के मुताबिक, एक डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के कूल्हे की टेंडन पूरी तरह से अलग हो गई। इस चोट की वजह से उन्हें छह हफ्ते आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई है। इसके चलते अभिनेत्री को वापस शूटिंग पर लौटने में अब कुछ समय लगेगा। बता दें कि रश्मिका इन दिनों फिल्म 'रणबाली' और 'मैसा' की तैयारियों में व्यस्त हैं।

मेडिकल एक्सपर्ट्स ने चोट की गंभीरता पर हैरानी जताई है। उनका कहना है कि ऐसे मामले आमतौर पर प्रोफेशनल एथलीट्स में ही देखने को मिलते हैं। रश्मिका को लगी चोट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्मों की शूटिंग में कितना ज्यादा शारीरिक जोर लगाना पड़ता है। खबरों के अनुसार, डॉक्टरों ने रश्मिका को एक व्यवस्थित रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजरने की सलाह दी है, ताकि शूटिंग फिर से शुरू करने से पहले वे पूरी तरह स्वस्थ हो सकें।

रश्मिका मंदाना का वर्क फ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेता विजय देवरकोंडा से शादी के बाद उन्होंने अपनी नई फिल्म 'मैसा' की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं, जबकि इसे अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है। रश्मिका इसमें एक गोंड महिला की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा वे अपने एक्टर-पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी।

सलमान खान की एक सलाह और पूरी तरह बदल गई कियारा आडवाणी की जिंदगी

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा। दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं।

कियारा आडवाणी का जन्म 31 जुलाई 1991 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। उनके पिता जगदीप आडवाणी एक बिजनेसमैन हैं, जबकि मां जेनेविव जाफरी टीचर हैं। कियारा ने मुंबई से स्कूली पढ़ाई पूरी की और फिर मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। अभिनय में आने से पहले उन्होंने अपनी मां के प्री-स्कूल में छोटे बच्चों को पढ़ाया भी। वह बच्चों को कविताएं सुनाती थीं और उनकी देखभाल करती थीं। कियारा का कहना है कि इस अनुभव ने उन्हें जिम्मेदारी और धैर्य सिखाया।

जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। इंडस्ट्री में काम न मिलने पर वह काफी निराश हो गईं। उन्हें लगा कि शायद उनका फिल्मी करियर आगे नहीं बढ़ पाएगा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करती रहीं। साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' में साक्षी धोनी का

किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'भारत अने नेनु' में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'कबीर सिंह' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई 'गुड न्यूज' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। इसके बाद कियारा ने 'गिल्टी', 'लक्ष्मी', 'इंदू की जवानी', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुगजुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' और 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। 'शेरशाह' और 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

श्वेता तिवारी से रिया चक्रवर्ती तक 'ट्रेटर्स 2' में आएंगी नजर

रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का एलान होने के बाद से दर्शकों के मन में सवाल है कि इस बार मुकाबला किस-किसके बीच होगा? गुरुवार को प्राइम वीडियो के 'ट्रेटर्स 2' के प्रतियोगियों का एलान किया गया है। बता दें कि पहले सीजन की तरह इस बार भी करण जौहर बतौर होस्ट कमान संभालेंगे।

कौन-कौन लेगा शो में हिस्सा

इस सीजन में दर्शकों को मल्लिका शेरावत, रिया चक्रवर्ती, मुनव्वर फारुकी, क्रिस्टल डिसूजा, पारुल गुलाटी, रणवीर बराड़, शाहनील गिल, दलीप ताहिल, हरमन सिंह, शालिनी पासी, अभिषेक मल्हान, आदित्य कुलश्रेष्ठ, श्वेता तिवारी, रिदा थराना, अंश चोपड़ा, इक्का और तान्या पुरी समेत अन्य लोगों के बीच खेल का मुकाबला होता दिखेगा। प्राइम वीडियो के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें मेकर्स ने प्रतिभागियों के नाम का एलान किया है। साथ में लिखा है, 'खिलाड़ियों से मिलिए, लेकिन उन पर भरोसा अपने रिस्क पर ही कीजिएगा। 'द ट्रेटर्स' का नया सीजन आ रहा है। 13 अगस्त से हर गुरुवार को'।

दूसरे सीजन में और भी होगा ड्रामा

'द ट्रेटर्स' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रियलिटी शो फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है। नए सीजन के बारे में बात करते हुए प्राइम वीडियो इंडिया ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड, निखिल मधोक ने कहा, 'शो 'द ट्रेटर्स' के पहले सीजन को जो प्रतिक्रिया मिली, वह बहुत शानदार रही। इसने न सिर्फ लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि यह एक कल्चरल मोमेंट भी बन गया'।

अभिनेत्री अविका गोर ने बताया किस तरह के रोल करना चाहती हैं

चर्चित टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के तौर पर लोगों का दिल जीतने से लेकर मुश्किल रियलिटी शो और फिल्मों में काम करने तक, अदाकारा अविका गोर ने दर्शकों का खूब दिल जीता। उनका कहना है कि अब वे अपनी दमदार परफॉर्मेंस के जरिए पहचान पाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि उन्हें शानदार भूमिकाओं के लिए दर्शक याद रखें। यही वजह है कि वे किरदारों का चयन भी काफी सोच-समझकर कर रही हैं।

पहले से ज्यादा जागरुक हो गई हैं अविका

बातचीत में अविका ने कहा कि वे सिर्फ ऐसे रोल नहीं करना चाहतीं, जिनमें किसी ऑब्जेक्ट की तरह दिखें। अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आ रही हैं, जो आज 01 अगस्त से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि वे ऐसी स्क्रिप्ट चुनने को लेकर ज्यादा जागरूक और सतर्क हो गई हैं, जिनमें दमदार परफॉर्मेंस का मौका मिले।

उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ यह मानती हूं कि लोग मुझसे बहुत अच्छी परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं। कुछ ऐसे किरदार हैं, जो मैं अपनी फिल्मों में करती रहती हूं, जहां मुझे अभिनय करने का मौका मिलता है। मुझे यह दिखाने का मौका मिलता है कि मैं एक कलाकार के रूप में क्या करने में सक्षम हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मेरा ध्यान हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने, सही किरदार चुनने पर होता है, जहां मुझे फिल्म में फर्नीचर बनने से ज्यादा कुछ करने का मौका मिलता है। यही वजह है कि मैं हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने और सही किरदार चुनने को लेकर बेहद सचेत रहूंगी'।

दर्शकों और फैंस को कहा शुक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के किरदार से मशहूर हुई अविका ने कहा कि लगभग दो दशक बाद भी शो की लगातार लोकप्रियता के लिए वे शुक्रगुजार महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं शुक्रगुजार महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि मैंने कुछ खास किया है। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि दर्शक आज भी उन्हें उस यादगार किरदार के तौर पर पहचानते हैं'। शो में बिताए अपने समय को याद करते हुए अविका ने कहा कि किसी ने भी नहीं सोचा था कि 'बालिका वधू' इतनी बड़ी और यादगार टीवी सीरीज बन जाएगी।

इंडस्ट्री में औरतों संग भेदभाव, नहीं मिलता क्रेडिट, शो पर भी तोड़ी चुप्पी

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री में औरतों को लेकर भेदभाव किया जाता है। उन्हें उतना क्रेडिट नहीं दिया जाता, जितना वो डिजर्व करती हैं। शो के बारे में भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, बबीता जी का रोल निभाकर घर-घर में पहचानी जाने लगीं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान के लिए उन्हें अधिक पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि वे शो और अपने किरदारों में बहुत योगदान देती हैं। TMKOC के 18 साल पूरे होने के मौके पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुनमुन ने अपनी महिला को-स्टार्स के लिए तारीफ जाहिर की। उन्होंने उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। एक्ट्रेस ने खुद को मजबूत फेमिनिस्ट बताया और कहा कि उन्होंने शो में दूसरी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा।

उन्होंने कहा, 'मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुराने ख्यालों वाली इंसान हूं। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूं। मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर बढ़ना होगा। मुझे यहां किसी से भी कभी असुरक्षा महसूस नहीं हुई।' मुनमुन ने शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के सदस्यों की तारीफ की और कहा कि शो की कामयाबी में सभी का अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी कास्ट में कुछ बेहतरीन सदस्य हाल ही में शामिल हुए हैं और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से शानदार काम कर रहा है।' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी महिला साथियों का खास जिक्र किया।

'तारक मेहता' की एक्ट्रेसेस अलग

उन्होंने गोकुलधाम सोसाइटी की महिलाओं का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की अलग-अलग तारीफ की और उनके साथ काम करने के अनुभव को शानदार, समझदार और बेहतरीन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शो की कामयाबी का पूरा श्रेय उन्हें नहीं मिलता, लेकिन वे शो और इस मशहूर सिटकॉम में अपने किरदारों में बहुत कुछ नया और खास जोड़ती हैं।

महिलाओं को कम आंका जाता है

उन्होंने कहा, 'मैं इन शानदार महिलाओं के साथ काम करके बहुत खुश हूं। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है और मुझे लगता है कि वे सभी कमाल की हैं।' मुनमुन ने यह भी कहा कि शो की सफलता में बराबर का योगदान देने के बावजूद महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार होती हैं। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी महिलाओं को उतना महत्व नहीं दिया जाता।'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 18 साल पूरे

उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के बीच आपसी तालमेल और प्रोफेशनलिज्म की वजह से ही यह सिटकॉम लगभग दो दशकों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। मुनमुन ने कहा, 'हम सभी रोज आते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और पूरी ईमानदारी और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम करते हैं। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हम सच में एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं।' जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 28 जुलाई को 18 साल पूरे करने के बाद 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक बन गया है।

संक्षिप्त समाचार

10 प्रतिशत सस्ता मिल रहा एलआईसी का शेयर, 82.22 करोड़ शेयर सरकार बेच रही

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन

में अपनी 6.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने जा रही है। मंगलवार से शुरू हो रहे दो दिनों के ऑफर फॉर सेल के जरिए यह बिक्री 382 रुपये प्रति शेयर की तय कीमत पर होगी। यह सेल मंगलवार को संस्थागत निवेशकों के लिए खुलेगी। बुधवार को आम निवेशक हिस्सा ले सकेंगे। इस बिक्री से सरकार के विनिवेश खाते में करीब 31,000 करोड़ रुपये आएंगे। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने एक्स पर पोस्ट किया, 'सरकार ग्रीन शू विकल्प के रूप में अतिरिक्त चार प्रतिशत के साथ 2.5 प्रतिशत इक्विटी विनिवेश करने का प्रस्ताव करती है।' पूर्ण अभिदान मिलने पर और बोली की न्यूनतम कीमत के आधार पर 82.22 करोड़ से अधिक शेयर या 6.5 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री से सरकार को लगभग 31,000 करोड़ रुपये मिलेंगे। बोली की निचली सीमा के आधार पर बीएसई पर एलआईसी के शेयरों के सोमवार के बंद भाव 424.35 रुपये की तुलना में 10 प्रतिशत की छूट दी गई है। इस हिस्सेदारी बिक्री से एलआईसी को न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता आवश्यकता को समय से पहले हासिल करने में मदद मिलेगी। सेबी ने एलआईसी को न्यूनतम 10 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता हासिल करने के लिए 16 मई, 2027 तक का समय दिया था। इस समय एलआईसी में सरकार की 96.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एलआईसी का शेयर सोमवार को बीएसई पर 424.85 रुपये पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 468.30 रुपये और न्यूनतम स्तर 361 रुपये है। सोमवार के बंद भाव पर कंपनी का मार्केट कैप 5,36,802.55 करोड़ रुपये है और बाजार मूल्यांकन के हिसाब से सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में शामिल है

सॉफ्टवेयर डेवलप करने वाली कंपनी, 1 से भी कम का शेयर, लगा अपर सर्किट

मुंबई, एजेंसी। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डिजिटल सॉल्यूशंस टेक्नोलॉजी और कंसलटेंसी कंपनी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर अपर सर्किट छू रहे हैं। सोमवार, तीन अगस्त 2026 को इसके शेयर हस्श्व में 8.70 प्रतिशत बढ़ कर अपर सर्किट में बंद हुए। तब भी इसके शेयर एक रुपया से कम के हैं। हम बताते हैं इसके अपर सर्किट में फंसने की वजह। टेक्नोलॉजीज ने सोमवार को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इसने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए मेरिडियन इंटेलिजेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 15 करोड़ रुपये की यह साझेदारी कंपनी के अपनी टेक्नोलॉजी क्षमताओं को बढ़ाने और लंबे समय तक रेवेन्यू के अवसर बनाने पर लगातार ध्यान देने को दर्शाती है। माना जा रहा है कि हाथ मिलाकर, कंपनी सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट सेक्टर में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने और विकास-केंद्रित राजस्व उत्पन्न करने के नए, टिकाऊ रास्ते खोलने की ओर एक आत्मविश्वासी कदम उठा रही है। बीते सप्ताह शुक्रवार को एनएसई में जीएसीएम टेक्नोलॉजीज के शेयर 69 पैसे पर बंद हुए थे। आज यानी सोमवार, 3 अगस्त, को इसके शेयर 75 पैसे पर खुले जो कि बीते सत्र के मुकाबले 8.70 फीसदी या 6 पैसे ज्यादा है।

नई मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगाएगी सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स

5 साल में 2500 करोड़ का निवेश, गजब की वारंटी की घोषणा

कोलकाता, एजेंसी। प्लाईवुड, लैमिनेट्स, वीनियर्स, प्रीलेम बोर्ड आदि बनाने वाली प्रमुख कंपनी सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स (इंडिया) लिमिटेड अगले 5 साल में 2,500 करोड़ से 2,700 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी की योजना साल 2031 तक मैन्यूफैक्चरिंग कैपेसिटी को दोगुना करने तथा रेवेन्यू को 12,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की है। यह निवेश कंपनी की मौजूदा 9 यूनिट्स की उत्पादन क्षमता बढ़ाने और उत्तर प्रदेश और ओडिशा में नई यूनिट्स लगाने में किया जाएगा। इसकी घोषणा सेंचुरी प्लाईबोड्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर केशव भजनका और निकिता बंसल ने की।

सेंचुरी प्लाई शेयर प्राइस क्या है: बीएसई में कल सेंसेक्स 544 अंक चढ़ कर बंद हुआ। इस दिन बीएसई में सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स के शेयर 3.35 फीसदी या 26.75 रुपये नीचे बंद हुए। कारोबार की समाप्ति पर इसके शेयर 772.60 रुपये पर थे। सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर निकिता बंसल ने बताया कि इस समय देश में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री खास कर हाउसिंग सेक्टर में भारी विकास हो रहा है। इसलिए प्लाईवुड और इससे जुड़े अन्य प्रोडक्ट्स की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी का प्लाईवुड बिजनेस पिछले क्वार्टर में 30 प्रतिशत बढ़ा है। साथ ही हाई क्वालिटी वाले प्रोडक्ट्स की डिमांड तेजी से बढ़ ही है।

गजब की वारंटी

कंपनी ने प्रीमियम रेंज के प्लाईवुड को भी बाजार में उतारा है जिस पर गजब की वारंटी ऑफर की गई है। इस प्रोडक्ट पर लाइफटाइम वारंटी मिलेगी, जिसमें 10 साल तक की कंप्रिहेंसिव वारंटी भी शामिल होगी। मतलब कि यदि खरीदने के 10 साल तक प्लाईवुड में कोई खामी आती है तो ग्राहक को न सिर्फ प्रोडक्ट का दाम वापस मिलेगा बल्कि उससे फर्नीचर बनाने में जितना खर्च आया है, वह भी वापस मिलेगा।

यूपी में जल्द ही बनेगा नया प्लांट

उन्होंने बताया कि इस समय कंपनी पंजाब के होशियारपुर में एक प्लांट बना रही है। यह इसी साल अक्टूबर में प्रोडक्शन के लिए तैयार हो जाएगा। उत्तर प्रदेश में सीतापुर के आसपास एक प्लांट लगाने की तैयारी है। इसके लिए जमीन की पहचान हो चुकी है। जल्दी ही वहां आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। कंपनी ओडिशा में भी एक प्लांट लगाना चाहती है।

3 बिजनेस डूबे, 76 लाख का कर्ज चढ़ा, आज 5 ब्रांड्स की मालकिन

कमाई 143 करोड़ पार

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर सफलता की चकाचौंध के पीछे अक्सर कई वर्षों के संघर्ष और नाकामी छिपी होती है। सिंगापुर की महिला कारोबारी मिजा नाजिली की कहानी इसका जीवंत उदाहरण है। कभी नौकरी से निकाली गईं, स्कूल की पढ़ाई अधूरी छोड़ चुकीं और बैंक खाते में महज 20 डॉलर (करीब 1900 रुपये) रखने वाली मिजा आज 5 ब्रांड्स की मालकिन हैं। उनकी अनुमानित कमाई 15 मिलियन डॉलर (करीब 143 करोड़ रुपये) से अधिक है।

असफलता और 80,000 डॉलर का कर्ज

मिजा नाजिली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी संघर्षपूर्ण यात्रा साझा करते हुए बताया कि सफलता रातों-रात नहीं मिलती। उन्होंने अपनी यात्रा के शुरुआती दिनों के संघर्षों को उजागर किया है। उन्होंने बताया कि एक फुल-टाइम नौकरी से निकाले जाने के बाद उन्होंने बिजनेस की शुरुआत की। लगातार 3 अलग-अलग बिजनेस असफल हो गए।

रिजेक्शन से मिली सफलता

पैसों की तंगी के कारण लॉजिस्टिक्स का खर्च

उठाना मुश्किल था। इस वजह से मिजा रोज सिंगापुर से जोहोर बाहरू (मलेशिया) तक जाकर खुद सामान (स्टॉक) लाती थीं।

जब उन्होंने अपने हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स को बड़े रिटेलर्स के पास ले जाना शुरू किया, तो शुरुआत में उनके प्रोडक्ट्स को रिजेक्ट कर दिया गया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आज उनके प्रोडक्ट्स 100 से ज्यादा आउटलेट्स पर उपलब्ध हैं।

143 करोड़ का साम्राज्य

संघर्षों के बाद आज मिजा नाजिली का बिजनेस सफलता के शिखर पर है। वह 5 प्रमुख ब्रांड्स की मालकिन/चीफ एग्जीक्यूटिव हैं। उनकी कंपनियों का कुल रेवेन्यू 15 मिलियन डॉलर (143 करोड़ रुपये से अधिक) के पार पहुंच चुका है। उनके पास दो इमारतों में फैला हुआ 6-मंजिला हेडक्वार्टर है। उन्होंने हाल ही में एक ब्रांड न्यू 2026 पॉर्श कार खरीदी है।

'दूसरों से अपनी तुलना न करें': मिजा ने अपनी पोस्ट के जरिए लोगों को प्रेरित करते हुए लिखा है, 'हर किसी की जीवन यात्रा और टाइमलाइन अलग होती है। इसलिए अपनी तुलना दूसरों से कभी न करें। लोग अक्सर आपकी सफलता और उपलब्धियां देखते हैं, लेकिन उसके पीछे के सालों के संघर्ष, असफलता और त्याग को नहीं देख पाते। हर सफलता की शुरुआत एक कठिन दौर से ही होती है।'

यूपीएस को बदलने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को साफ कर दिया है कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम में किसी भी तरह के बदलाव या इसे बदलने का कोई प्रस्ताव फिलहाल सरकार के पास नहीं है। यह स्कीम केंद्र सरकार के उन कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद हर महीने एक तय (गारंटीड) पेंशन देने के मकसद से शुरू की गई थी, जो पहले के दायरे में थे। लोकसभा में एक लिखित जवाब में वित्त मंत्री ने बताया कि 19 जुलाई 2026 तक कुल 1,18,195 कर्मचारियों ने का विकल्प चुना है। इनमें नए भर्ती हुए कर्मचारी, अभी काम कर रहे कर्मचारी और वे पुराने रिटायर्ड कर्मचारी भी शामिल हैं जिन्होंने इस स्कीम को अपनाया है।

केंद्र ने इसे 1 अप्रैल 2025 से लागू किया था। यह नैशनल पेंशन सिस्टम के तहत ही एक विकल्प के तौर पर लाई गई है। इसे इस तरह तैयार किया गया है ताकि कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद तय, महंगाई के साथ बढ़ने वाली और

सम्मानजनक पेंशन मिल सके। इससे बुढ़ापे में पेंशन की अनिश्चितता खत्म होती है।

सरकार का कहना है?

वित्त मंत्री ने कहा, एनपीएस के तहत आने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए यूपीएस एक विकल्प के रूप में लाया गया है। आज की तारीख तक इस स्कीम में कोई बदलाव करने या इसे हटाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।यह स्कीम उन पुराने कर्मचारियों के लिए भी उपलब्ध थी जो 31 मार्च 2025 या उससे पहले रिटायर हुए थे और जिन्होंने 10 साल की नियमित नौकरी पूरी की थी। साथ ही, ऐसे मृतक कर्मचारियों के कानूनी जीवनसाथी (पति/पत्नी) भी इसके पात्र बनाए गए हैं।

सरकार ने को इसलिए बनाया ताकि उन कर्मचारियों की मांग पूरी की जा सके जो रिटायरमेंट के बाद गारंटीड पेंशन चाहते थे। साथ ही यह भी ध्यान रखा गया कि यह स्कीम सरकार की तिजोरी पर भी बहुत अधिक बोझ न डाले और आर्थिक रूप से टिकाऊ रहे।

वित्त मंत्री ने बताया कि सरकार ने के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को रिटायरमेंट ग्रेच्युटी और डेथ ग्रेच्युटी का लाभ भी दिया है। इसके अलावा, अगर नौकरी के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है या वह अपंगता की वजह से रिटायर होता है, तो वह (पेंशन) नियम, 2021 या (असाधारण पेंशन) नियम, 2023 के तहत फायदों का विकल्प चुन सकता है। सरकार ने यह भी साफ किया कि टैक्स के मामले में को वही फायदे दिए गए हैं जो में मिलते हैं। साथ ही, चुनने वाले कर्मचारियों को एक बार यह सुविधा भी दी गई है कि वे चाहें तो वापस में लौट सकते हैं।

कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

बैगपाइपर, रॉयल चैलेंज की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने शराब बनाने वाली कई कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इनमें ओल्ड मोंक, मैकडॉवेल्स, बैगपाइपर, एंटीक्विटी ब्लू और रॉयल चैलेंज जैसे लोकप्रिय ब्रांड बनाने वाली कंपनियां भी शामिल हैं। इन कंपनियों पर आरोप है कि इन्होंने बिना अनुमति वाले फ्लेवरिंग तरीकों का इस्तेमाल किया। साथ ही शराब की एज से जुड़े भ्रामक दावे करके फूड सेफ्टी और लेबलिंग नियमों का उल्लंघन हुआ। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक फूड रेगुलेटर ने कहा कि जांच और लैब टेस्टिंग में पाया गया कि कुछ कंपनियां रम और व्हिस्की में बाहरी फ्लेवर मिला रहे थे। नियमों के मुताबिक उन्हें कच्चे माल, फर्मेंटेशन, डिस्टिलेशन और

मैच्योरेशन के जरिए प्राकृतिक रूप से स्वाद और खुशबू विकसित होने देनी चाहिए थी।

रम या फ्लेवर्ड स्पिरिट

ऐसे उत्पादों को स्टैंडर्ड रम या व्हिस्की के तौर पर बेचा जा रहा है, जबकि ये मुख्य रूप से न्यूट्रल अल्कोहल या एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल से बने होते हैं। इनमें ड्रिंक्स का असली स्वाद नहीं होता। अथॉरिटी ने कहा कि इन उत्पादों को रम-फ्लेवर्ड स्पिरिट या व्हिस्की-फ्लेवर्ड स्पिरिट के तौर पर लेबल किया जाना चाहिए ताकि उनकी असलियत पता चल सके। इनमें कोई खास स्वाद नहीं होता और इसलिए फ्लेवर मिलाते हैं। '

ग्राहकों को कैसे किया गुमराह?

ऐसे उत्पाद न केवल घटिया क्वालिटी के होते हैं बल्कि स्टैंडर्ड कैटेगरी के नामों का इस्तेमाल करके उन्हें गलत तरीके से बेचा जाता है। उन्हें रम-फ्लेवर्ड स्पिरिट या व्हिस्की-फ्लेवर्ड स्पिरिट आदि के तौर पर पहचाना जा सकता है। साथ ही पैक में उत्पाद की असलियत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जाती है। रेगुलेटर ने ओल्ड मोंक ट्रिपल एक्स रम के एक वेरिएंट पर 7 इयर्स ओल्ड ब्लेंडेड के दावे को भी गुमराह करने वाला पाया। जांच में पाया गया कि इस रम का मुख्य घटक न्यूट्रल स्पिरिट है जबकि मैच्योर रम स्पिरिट इसका बहुत छोटा हिस्सा है। जांच के नतीजों के अनुसार यह 5 प्रतिशत से भी कम पाया गया। यह मौजूदा नियमों का भी साफ उल्लंघन है। नियमों के मुताबिक स्पिरिट की उम्र का दावा मिश्रण में मौजूद सबसे कम उम्र की स्पिरिट के आधार पर होना चाहिए।

किन-किन पर लगी रोक?

लैब रिपोर्ट के आधार पर अथॉरिटी ने मोहन रॉकी स्प्रिंगवॉटर के ओल्ड मोंक वेरिएंट्स, यूनाइटेड स्पिरिट्स के मैकडॉवेल्स नंबर 1 रम, एंटीक्विटी ब्लू व्हिस्की और रॉयल चैलेंज व्हिस्की, इनब्रू बेवरेजेज के बैगपाइपर डीलक्स व्हिस्की और ओल्ड कास्क डीलक्स ट्रिपल एक्स रम और एसोसिएटेड अल्कोहल एंड ब्रुअरीज के सेंट्रल प्रोविंस व्हिस्की और मैकडॉवेल्स नंबर 1 सेलिब्रेशन मैच्योर ट्रिपल एक्स रम की बिक्री पर रोक लगा दी है। अथॉरिटी ने एक बयान में कहा, 'कुछ कंपनियां बाहरी फ्लेवर मिलाते हैं जो उत्पाद की असली खुशबू और स्वाद की नकल करता है। स्वाद विकसित करने के लिए मैच्योरेशन या शीरा, माल्ट या अंगूर जैसे बेस मटीरियल का यूज नहीं करती हैं। ये कंपनियां मुख्य रूप से स्पिरिट/न्यूट्रल अल्कोहल का इस्तेमाल करती हैं।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और एसरी इंडिया ने भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली एजेंसी। भारत में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर, लोकेशन इंटेलिजेंस और मैपिंग सॉल्यूशंस के क्षेत्र में बाजार की अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने जीआईएस, लोकेशन इंटेलिजेंस एवं जियोएआई वाली रक्षा परियोजनाओं और कार्यक्रमों पर गठबंधन के लिए रक्षा मंत्रालय के अधीन नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की आज घोषणा की। बीईएल और एसरी इंडिया भारतीय रक्षा सेवाओं के लिए पहले ही परियोजनाएं पूरी कर चुकी हैं और यह समझौता इस गठबंधन को और मजबूती प्रदान करेगा। इस समझौते के तहत रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम इंटीग्रेशन में बीईएल की गहन विशेषज्ञता और एसरी इंडिया की जीआईएस, लोकेशन इंटेलिजेंस एवं जियोएआई क्षमताओं को मिलाकर दोनों कंपनियां मिलकर रक्षा क्षेत्र में अवसरों का दोहन करेंगी। ये दोनों संगठन भारत की रक्षा पहल में आपात एवं अचानक बढ़ने वाली मांग के कारण परिचालन संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए जीआईएस सॉल्यूशंस की समय पर उपलब्धता एवं तैनाती सुनिश्चित करने के लिए भी मिलकर काम करेंगे। एसरी इंडिया जीआईएस और जियोएआई में इन-हाउस क्षमता निर्माण करने में मदद के लिए बीईएल को प्रशिक्षण सहयोग भी प्रदान करेगी। एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेन्द्र कुमार ने कहा, जियोस्पैटियल इंटेलिजेंस रक्षा क्षेत्र में सिर्फ एक सपोर्ट क्षमता से आगे बढ़कर रणनीतिक फैसले लेने में बढ़त दिलाने वाली क्षमता बन गई है जिससे कमांडर ज्यादा तेजी और सटीकता के साथ देख, विश्लेषण कर और प्रतिक्रिया दे पाते हैं। जैसे जैसे एआई, रक्षा प्रणाली में गहराई से शामिल हो रहा है, जीआईएस और जियोएआई का मेल, मजबूत और मिशन के लिए तैयार क्षमताएं बनाने में बहुत अहम भूमिका निभाएगा। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ हमारा गठबंधन आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप भारत की रक्षा सेवाओं को विश्वसनीय, भविष्य के लिए तैयार लोकेशन इंटेलिजेंस और परिचालन सपोर्ट से युक्त करते हुए देशज जियोस्पैटियल नवप्रवर्तन को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय क्षमता मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टेक्नोलॉजी साझा करने को प्रतिबद्ध हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के निदेशक (बीसी) एवं निदेशक (मार्केटिंग) का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे रजनीश शर्मा ने कहा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का हमेशा से ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उन्नत देशज प्रौद्योगिकियां उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित रहा है।

सैमसंग ने पेश किया स्मार्ट 30 महीने का नो-कॉस्ट ईएमआई प्लान

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग ने गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 के लिए 30 महीने के नो-कॉस्ट ईएमआई ऑप्शन लॉन्च करके प्रीमियम स्मार्टफोन खरीदने के तरीके को नया रूप दिया है, जिससे सैमसंग की नई फोल्डेबल तकनीक अब पहले से कहीं आसानी से लोगों तक पहुंच सकेगी। हर महीने की किस्त का बोझ कम करने के मकसद से बनाई गई इस नई फाइनेंसिंग सुविधा से ज़्यादा से ज़्यादा ग्राहक बिना किसी डाउन पेमेंट के गैलेक्सी एआई से लैस सैमसंग की नई गैलेक्सी जेड सीरीज़ का अनुभव ले सकेंगे। सैमसंग की नई गैलेक्सी जेड सीरीज़ फोल्डेबल तकनीक की सात पीढ़ियों के अनुभव और ग्राहकों से मिले फीडबैक पर बनी है, और अब तक का सबसे बेहतरीन फोल्डेबल अनुभव देती है। इसमें खास तौर पर बनाया गया गैलेक्सी एआई, हिंज डिज़ाइन, डिस्प्ले, मजबूती और परफॉर्मेंस से जुड़ी नई इंजीनियरिंग एक साथ मिलती है। यह नई फाइनेंसिंग सुविधा सिर्फ डिवाइस तक सीमित नहीं है, बल्कि सैमसंग की नई फोल्डेबल तकनीक को खरीदना भी उतना ही आसान बना रही है। अब ग्राहक गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा को सिर्फ 6,667 रुपये प्रति महीने से खरीद सकते हैं, जो पिछली पीढ़ी के गैलेक्सी जेड फोल्ड7 के मुकाबले 9 प्रतिशत कम मासिक ईएमआई है। गैलेक्सी जेड फोल्ड8 सिर्फ 6,000 रुपये प्रति महीने से उपलब्ध है, जबकि गैलेक्सी जेड फ्लिप8 सिर्फ 4,167 रुपये प्रति महीने से शुरू होता है, जिससे नई और शानदार फोल्डेबल तकनीक अब और ज़्यादा लोगों की पहुंच में आ गई है।

संक्षिप्त समाचार

खेल मंत्री ने वेटलिफ्टिंग में पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली । भारतीय वेटलिफ्टर्स ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 8 मेडल जीते, जिनमें 1 गोल्ड, 6 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहा। इसके साथ ही भारतीय दल ने कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। स्वदेश लौटने पर केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को इन पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार उपलब्धियों के लिए गोल्ड मेडल विजेताओं को 30 लाख रुपए, सिल्वर मेडल विजेताओं को 20 लाख रुपए और ब्रॉन्ज मेडल विजेताओं को 10 लाख रुपए के नकद पुरस्कार दिए। वेटलिफ्टर्स को बधाई देते हुए मांडविया ने कहा कि पूरे देश ने उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया। उन्होंने कहा, 'संसद में भी, हर बार जब आपने पदक जीते, तो घोषणाएं की गईं। उन पलों ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया।'

मनसुख मांडविया ने कोचों की जमकर तारीफ की, जिनमें द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता विजय शर्मा भी शामिल थे। उन्होंने चैंपियन बनाने में कोचों की अहम भूमिका पर जोर देते हुए कहा, 'एक एथलीट के सफर में गुरु की सबसे बड़ी भूमिका होती है। चैंपियन बनाने में कोच के योगदान से बड़ी कोई चीज नहीं है।' कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने लगातार तीन कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय वेटलिफ्टर बनकर इतिहास रचा, जबकि ऋषिकांत सिंह और वल्लुरी अजय बाबू ने स्नैच में नए 'कॉमनवेल्थ गेम्स' रिकॉर्ड बनाए। ज्ञानेश्वरी यादव और हरजिंदर कौर सहित कई वेटलिफ्टर्स ने अपना पर्सनल-बेस्ट प्रदर्शन किया।
इन खेलों में 11 वेटलिफ्टर्स में से छह 'खेलो इंडिया एथलीट' (केआईए) हैं। पदक विजेताओं में ज्ञानेश्वरी एक खेलो इंडिया एथलीट हैं, जबकि बिंद्यारानी देवी, हरजिंदर और अन्य पटियाला में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) में ट्रेनिंग करते हैं। यह सेंटर भारत के ग्रासरूट और एलीट एथलीट डेवलपमेंट इकोसिस्टम की सफलता में अहम भूमिका निभाता है।

भारतीय मूल का अमेरिकी क्रिकेटर 8 साल के लिए बैन

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने भारतीय मूल के अमेरिकी क्रिकेटर बोडुगम अखिलेश रेड्डी को सोमवार को मैच फिक्सिंग मामले में आईसीसी एंटी-करप्शन ट्रिब्यूनल द्वारा दोषी पाए जाने के बाद खेल के सभी फॉर्मेट से आठ साल के लिए बैन कर दिया है। आईसीसी ने एक बयान में इस बात की पुष्टि की। आईसीसी ने कहा, 'अमेरिका के खिलाड़ी बोडुगम अखिलेश रेड्डी को आईसीसी एंटी-करप्शन ट्रिब्यूनल द्वारा आईसीसी एंटी-करप्शन कोड के तीन मामलों को तोड़ने का दोषी पाए जाने के बाद आठ साल के लिए सभी तरह के क्रिकेट से बैन कर दिया गया है।' अखिलेश रेड्डी के खिलाफ आरोप संयुक्त अरब अमीरात में अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट के 2025 एडिशन से जुड़े हैं, जिसके लिए आईसीसी ने एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) की ओर से डेजिग्नेटेड एंटी-करप्शन ऑफिशियल (DACO) के तौर पर काम किया था। यह जानकारी सामने आई है कि अखिलेश रेड्डी ने जांच के दौरान फोन से डेटा डिलीट कर दिया। 26 साल के रेड्डी ने अमेरिका के लिए चार टी20 मैच खेले हैं और एक विकेट लिया है।

- **सनराइजर्स हैदराबाद के नेट बॉलर रहे हैं रेड्डी-** अखिलेश रेड्डी ने नॉर्थ अमेरिका टी20 कप में केमैन आइलैंड्स के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। हैदराबाद में पले-बढ़े रेड्डी विजय हजारे ट्रॉफी टीम का हिस्सा थे और उन्होंने आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए नेट बॉलर के तौर पर भी काम किया। दाएं हाथ के बैट्समैन और ऑफ-स्पिनर ने इंटरनेशनल क्रिकेट में मौकों की तलाश में अमेरिकी क्रिकेट का रुख किया। रेड्डी को पहली बार 21 नवंबर, 2025 को कुछ समय के लिए सस्पेंड किया गया था। आरोपों का जवाब देने के लिए उन्हें 14 दिन का समय दिया गया था।

एशियाड से पहले रूमेश पथिरागे का सामना करेंगे नीरज चोपड़ा

लुसाने डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली । दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और इस सत्र में सबसे आगे चल रहे श्रीलंका के रूमेश पथिरागे का सामना करेंगे। इस टूर्नामेंट में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले चुके पांच खिलाड़ी नजर आएंगे।

ग्लास्गो में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके 85. 83 मीटर का थ्रो फेंकने वाले नीरज का सामना ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकाट और पूर्व विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से होगा। टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इसमें नजर आएंगे।

आयोजकों ने कहा कि पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार 21 अगस्त को इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। चोट से उबरने के बाद यह नीरज का तीसरा टूर्नामेंट होगा। वह जून में दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। पथिरागे ने राष्ट्रमंडल खेलों में 89.75 मीटर का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया था। उन्होंने जून में गोल्डन गाला पिएट्रो मेनिया में 92.62 मीटर का थ्रो लगाया था। एशियाई खेलों से पहले नीरज के सामने लुसाने डायमंड लीग में कड़ी चुनौती होगी क्योंकि इसमें दिग्गज भाला फेंक एथलीट हिस्सा लेंगे। नीरज ने ग्लास्गो में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता था, लेकिन उनकी नजरें इससे बेहतर प्रदर्शन करने पर रहेंगी।

वॉशिंगटन ओपन 2026: फ्रिट्ज ने जोदार को हराकर करियर का 11वां खिताब जीता

बारिश के बाद फ्रिट्ज ने दिखाई दमदार वापसी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के स्टार टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज ने वॉशिंगटन डीसी ओपन 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में उन्होंने स्पेन के युवा खिलाड़ी राफेल जोदार को सीधे सेटों में 7-6(2), 6-4 से हराकर करियर का 11वां ATP टूर खिताब जीता। खास बात यह रही कि यह लगभग चार साल बाद ATP 250 से ऊपर के स्तर पर फ्रिट्ज का पहला खिताब है। बारिश के कारण फाइनल मुकाबला देर से शुरू हुआ, लेकिन दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में शानदार सर्विस गेम दिखाए। पहला सेट टाईब्रेक तक पहुंचा, जहां फ्रिट्ज ने आक्रामक रिटर्न और गहरी ग्राउंडस्ट्रोक्स की बदौलत जोदार से लगातार गलतियां कराईं और 7-2 से टाईब्रेक जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे सेट की शुरुआत में ही तीसरी वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर पूरे मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा।

पांचवें मैच प्वाइंट पर जीता खिताब

मुकाबले के अंतिम गेम में रोमांच चरम पर था। फ्रिट्ज ने एक ब्रेक प्वाइंट बचाया और आखिरकार पांचवें मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। एक घंटा 49 मिनट तक चले मुकाबले के बाद जीत मिलते ही फ्रिट्ज कोर्ट पर ही भावुक होकर गिर पड़े। इसके बाद उन्होंने उठकर घरेलू दर्शकों का अभिवादन किया। इस जीत के साथ फ्रिट्ज 2008 के बाद वॉशिंगटन ओपन जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 2024 में सेबेस्टियन कोर्डा ने यह खिताब जीता था।

रैंकिंग में मिला बड़ा फायदा

इस खिताबी जीत के बाद फ्रिट्ज ATP लाइव रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनका अगला लक्ष्य मॉन्ट्रियल में होने वाला ATP Masters 1000 टूर्नामेंट होगा। फ्रिट्ज इस सीजन ञक्क टूर का खिताब जीतने वाले ऐसे आठवें खिलाड़ी भी बने हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट के दौरान कम से कम एक मैच प्वाइंट बचाने के बाद ट्रॉफी जीती।हालांकि राफेल जोदार फाइनल हार गए, लेकिन उनका प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। 19 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी पहली बार ATP रैंकिंग के टॉप-20 में पहुंच गए हैं। अप्रैल में उन्होंने मराकेश में अपना पहला ञक्क खिताब जीता था और अब वॉशिंगटन में शानदार प्रदर्शन के बाद ATP लाइव रेस टू ट्यूरिन में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जोडार का लक्ष्य अब स्टेफानोस सितसिपास और कार्लोस अल्कारेज के बाद ऐसा तीसरा खिलाड़ी बनना है, जो नेक्स्ट जेन ATP फाइनल्स खेलने के अगले ही साल ATP फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करे।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में उसकी धरती पर बेहतर है भारत का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए रवाना होगी, जिसकी शुरुआत 15 अगस्त को गाले में होगी। सीरीज के पहले मैच से पूर्व भारत टेस्ट की तैयारी के लिए कोलंबो में श्रीलंका एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगा। शुभमन गिल नौ साल से अधिक समय में श्रीलंका के पहले टेस्ट दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। हालांकि, मेहमान टीम को जसप्रीत बुमराह की सेवाएं नहीं मिल पाएगी।

बुमराह सीरीज से बाहर

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी घुटने की चोट से उबरने में असफल रहने के बाद दुनिया के नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज बुमराह को सोमवार को इस महत्वपूर्ण सीरीज से बाहर कर दिया गया। बुमराह की जगह टीम में जम्मू-कश्मीर के गेंदबाज आकिब नबी को मौका मिला है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में श्रीलंका, भारत से नीचे है। लेकिन भारत उन्हें उनकी ही धरती पर हल्के में नहीं ले सकता है। मेजबान टीम के पास कई गुणवत्ता वाले बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिन्होंने कई मौकों पर उन्हें बड़ी जीत दिलाने में मदद की है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की उम्मीद को जिंदा रखना चाहेगा भारत

भारतीय खिलाड़ी आगामी सीरीज में एक मजबूत प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक होंगे ताकि टीम सीरीज में श्रीलंका टीम का सफाया कर सके और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की अपनी उम्मीदों को जीवित रख सके। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ उसकी धरती पर अब तक कुल 24 टेस्ट मैच खेलें हैं। भारत को इसमें नौ मैचों में जीत मिली है, जबकि सात में श्रीलंकाई टीम को सफलता मिली है। वहीं, दोनों टीमों के बीच आठ टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत ने आखिरी बार जुलाई-अगस्त 2017 में टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा किया था और विराट कोहली के नेतृत्व में 3-0 से जीत हासिल की थी।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारत की टीम: *शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी।*

स्वदेश लौटने पर भारतीय टीम का जोरदार स्वागत

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय टीम का दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ियों के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, परिवार के सदस्य, खेल अधिकारी और समर्थक एयरपोर्ट पहुंचे। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता के जयघोष के बीच खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया। खिलाड़ियों ने इस सम्मान के लिए देशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है और आगे भी वे देश के लिए इसी तरह पदक जीतने का प्रयास करेंगे। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स के 96 वर्षों के इतिहास में पहली बार भारत ने मुक्केबाजी में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। यह उपलब्धि न केवल भारतीय बॉक्सिंग के लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सभी सहयोगी संस्थाओं को इस सफलता का श्रेय देते हुए कहा कि अब भारतीय मुक्केबाजों की पहचान वैश्विक स्तर पर और मजबूत हुई है। स्वर्ण पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने एयरपोर्ट पर मिले शानदार स्वागत पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि इतने लोगों को स्वागत के लिए उपस्थित देखकर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है।

साक्षी ने कहा कि भारत सरकार, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार ने हमेशा खिलाड़ियों का साथ दिया है। इसी सहयोग और बेहतर प्रशिक्षण के कारण यह सफलता संभव हो सकी। उन्होंने अपना स्वर्ण पदक देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे भारत की है और वे भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

साक्षी चौधरी के दादा सतपाल सिंह ने कहा कि उन्हें अपनी पोती पर बेहद गर्व है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि यदि वे दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ मेहनत करते रहेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। वहीं उनकी भाभी प्रिया ने कहा कि साक्षी की जीत पूरे परिवार के लिए भावुक कर देने वाला पल था। जब उन्होंने गोल्ड मेडल जीता तो पूरा परिवार खुशी से झूम उठा और सभी बेसब्री से उनके घर लौटने का इंतजार कर रहे थे। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी टीम के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और देश लौटने पर मिले सम्मान ने उनकी खुशी को कई गुना बढ़ा दिया।

उन्होंने कहा कि सेना और भारत सरकार से मिले सहयोग ने खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद की। प्रीति ने बताया कि जल्द ही राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर शुरू होगा, जिसमें एशियन गेम्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी की जाएगी।

भारतीय मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस को दिया। उन्होंने कहा कि सेना का प्रतिनिधित्व करने से खिलाड़ियों के भीतर देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का अतिरिक्त उत्साह पैदा होता है। पहले उनके सामने केवल देश के लिए खेलने की प्रेरणा थी, लेकिन अब एक सैनिक होने के नाते जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि उनका अगला लक्ष्य उज्बेकिस्तान में होने वाला वर्ल्ड कप है, जिसके लिए वे पूरी मेहनत से तैयारी करेंगी।

पुरुषों की 90 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतने वाले मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने कहा कि उनकी तैयारी कई महीनों पहले से शुरू हो गई थी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए वे आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण लेते हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी भारतीय खेल प्राधिकरण और बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा पटियाला में आयोजित विशेष शिविरों में होती है। उन्होंने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान एशियन गेम्स पर है।

धोनी की निगरानी में ऋषभ पंत ने की टेस्ट सीरीज की तैयारी, रांची में माही के साथ अभ्यास करते आए नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की देखरेख में अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत श्रीलंका दौरे पर जा रहा है, जहां पहला टेस्ट 15 अगस्त से शुरू होना है। स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के लिए मध्य क्रम में पंत की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है।

ट्रेनिंग करते वीडियो हुआ वायरल

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रांची में धोनी और पूर्व भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम के साथ अभ्यास किया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में पंत और धोनी को पूर्व कप्तान के फार्महाउस से एक साथ बाहर निकलते हुए देखा गया, जबकि कई प्रशंसकों ने भी ट्रेनिंग सत्र की झलकियां साझा कीं। श्रीलंका का यह दौरा पंत के लिए एक ऐसे समय में आया है जब हाल ही में भारत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई घरेलू टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। श्रीलंका में परिस्थितियों के स्पिन के अनुकूल रहने की पूरी संभावना है, इसलिए पंत को उम्मीद होगी कि धोनी के साथ यह ट्रेनिंग सत्र दो मैचों की इस सीरीज से पहले उनके खेल को बेहतर बनाने में मदद करेगा। धोनी को उपमहाद्वीप में स्पिन गेंदबाजी और विकेटकीपिंग की परिस्थितियों को सबसे बेहतर ढंग से समझने वाले खिलाड़ियों में गिना जाता है। पंत पिछले कुछ वर्षों से नियमित रूप से उनकी सलाह लेते रहे हैं और दोनों के बीच गहरा रिश्ता है। इसके अलावा, यह विकेटकीपर बल्लेबाज सभी फॉर्मेट में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए पिछले कुछ हफ्तों से पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के मार्गदर्शन में अपनी सीमित ओवरों की क्रिकेट पर भी काम कर रहा है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारत की टीम: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, आकिब नबी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

भाजपा छोड़ें पंकजा मुंडे, मुख्यमंत्री बनाने में हम करेंगे मदद: कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने मौजूदा सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे को बड़ा ऑफर दे दिया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर मुंडे भारतीय जनता पार्टी छोड़ देती हैं, तो राज्य के मुख्यमंत्री पद के लिए उनका समर्थन किया जाएगा। खास बात है कि यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब मुंडे ने सक्रिय राजनीति से दूरी बनाने के संकेत दिए हैं। हालांकि, इसे लेकर उन्होंने अंतिम फैसला नहीं सुनाया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि अगर मुंडे भाजपा छोड़ती हैं, तो कांग्रेस और उसके सहयोगी राज्य की पहली ओबीसी सीएम के तौर पर उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे। फिलहाल, इस ऑफर पर भाजपा नेता ने प्रतिक्रिया नहीं दी है। कांग्रेस में शामिल किए जाने के सवाल पर वडेट्टीवार ने कहा कि अगर वह भाजपा को छोड़ने का फैसला करती हैं, तो दरवाजे खुले हुए हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, उन्होंने कहा, 'पंकजा ताई से हमारा अनुरोध है कि एक ओबीसी नेता होने के नाते आपको ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए। अन्य पिछड़ा वर्गों की अगुवाई करें और महाराष्ट्र की पहली महिला ओबीसी मुख्यमंत्री बनें।' उन्होंने कहा, 'अगर वह भाजपा छोड़ती हैं, तो हम हमारे आलाकमान से उन्हें पार्टी में शामिल कराने का अनुरोध करेंगे।' हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया है कि वह व्यक्तिगत रूप से मुंडे से अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह औपचारिक न्योता नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अथॉरिटी उनके पास नहीं है, 'लेकिन हां उनके भाजपा छोड़ने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से बात करूंगा कि उन्हें कांग्रेस में लाया जाए।' इस दौरान उन्होंने भाजपा पर ओबीसी नेताओं को नजरअंदाज करने के भी आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, 'ओबीसी सदस्य चले गए हैं। उन्हें लग रहा होगा कि उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है, हमारे त्याग का भाजपा में कोई महत्व नहीं है। शायद पंकजा ताई ने गुस्से में ऐसा कहा होगा। जब परेशानियां होती हैं, तो ऐसा लगता है।'

घिनौना, उदयनिधि स्टालिन के भाषण के दौरान लगे तृषा-तृषा के नारे; विजय की टीवीके और भाजपा ने लगाई क्लास

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की तृषा को लेकर की गई नारेबाजी पर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके ने इसे घिनौना बताया है और बीजेपी ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। कावेरी मुद्दे पर भाषण देते हुए स्टालिन सीएम विजय को घेरने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान तृषा–तृषा के नारे लगे तो वो पहले मुस्कुराए और ऐसी बात कही जिसे तृषा की ओर इशारा समझा गया। बता दें कि तृषा विजय की को–स्टार और करीबी दोस्त हैं। सोशल मीडिया पर कई लोग उनके बीच रोमांटिक रिश्ते की भी बात करते हैं। इस भाषण का वीडियो वायरल हो गया और इस पर सत्ताधारी टीवीके और विपक्षी पार्टी बीजेपी की तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। टीवीके विधायक रेवंत चरण ने एक्स पर लिखा, 'यह बेहद शर्मनाक है। किसी के भी बारे में ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। इससे उस परिवार की सोच, राजनीतिक संस्कृति और गिरते स्तर का पता चलता है।' उन्होंने आगे कहा कि यह उस राजनेता के लिए एक नया निचला स्तर है। तमिलनाडु बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा कि डीएमके नेता को जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तंजावुर में मुख्यमंत्री विजय और तृषा के बारे में उदयनिधि स्टालिन का डबल मीनिंग भाषण घिनौना, अश्लील, भद्दा और शर्मनाक है। सच तो यह है कि कोई बदमाश या चोर भी जिसकी मां, पत्नी और बेटी हो इतनी भद्दी बातें नहीं करेगा। कोई भी मां, पत्नी या बेटी ऐसे लोगों को माफ नहीं करेगी जो इस तरह की बातें करते हैं लेकिन यह शर्म की बात है कि पूर्व सीएम एमके स्टालिन यह सब देखते रहते हैं, जबकि खुद को द्रविड़ियन मॉडल कहने वाले ये बुरे लोग सार्वजनिक रूप से ऐसी बातें करते हैं।' उदयनिधि स्टालिन को गिरफ्तार करने और जेल भेजने से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को और ज्यादा श्रेय मिलेगा।' बीजेपी नेता विनोज पी सेल्वन ने भी इस टिप्पणी के लिए डीएमके नेता की आलोचना की। 'खुद भी अभिनेता रहे, फिर भी ऐसी बातें करते हैं' उन्होंने कहा, 'अगर वह इस तरह से बात न करते और बार–बार खुद को उस कलाकार का पोता न बताते तो हैरानी की बात नहीं होती। विपक्ष के नेता खुद भी एक पूर्व अभिनेता हैं।

कश्मीर जा रहे थे 21 बांग्लादेशी, रामबन में दबोचे गए; मददगारों की तलाश में जुटीं एजेंसियां

रामबन, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में 21 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। पकड़े गए लोगों में 4 महिलाएं और 7 नाबालिग बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यह समूह रोजगार की तलाश में असम के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था और अब कश्मीर घाटी की ओर जा रहा था। सुरक्षा एजेंसियां अब इस बात की जांच कर रही हैं कि इन्हें जम्मू-कश्मीर तक पहुंचाने में किस नेटवर्क का हाथ है।

बनिहाल में चेकिंग के दौरान हुआ खुलासा

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को जानकारी दी कि 1 अगस्त को बनिहाल में चेकिंग अभियान चल रहा था। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण फिलहाल अमरनाथ यात्रा के काफिले को छोड़कर किसी भी अन्य वाहन को कश्मीर की ओर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। इसी अभियान के दौरान दो वाहनों को रोका गया, जिनमें ये 21 बांग्लादेशी नागरिक सफर कर रहे थे।

बिना वैध दस्तावेजों के कर रहे थे सफर

हिरासत में लिए गए इन लोगों की उम्र 2 साल से 38 साल के बीच है। पूछताछ और जांच में कई अहम बातें सामने आई हैं। चेकिंग के दौरान इनमें से कोई भी व्यक्ति भारत में कानूनी प्रवेश या अपनी पहचान से जुड़ा कोई वैध यात्रा दस्तावेज पेश नहीं कर सका। शुरुआती पूछताछ में इन लोगों ने कबूल किया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर असम के जरिए भारत में प्रवेश किया था। असम से वे ट्रेन के जरिए जम्मू पहुंचे और वहां से रोजगार की तलाश में कश्मीर जा रहे थे।

मददगारों की तलाश में जुटी एजेंसियां अधिकारी अब पकड़े गए सभी नागरिकों से पूछताछ कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर उन्हें केंद्र शासित प्रदेश तक पहुंचने में किसने मदद की। जांचकर्ता इस एंगल से भी मामले की जांच कर रहे हैं कि इन अवैध प्रवासियों की आवाजाही के पीछे किसी स्थानीय या अंतरराज्यीय नेटवर्क का हाथ तो नहीं है। असम में 14 घुसपैठिए पकड़े गए इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पुलिस ने 14 'घुसपैठियों' को पकड़ा है और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हर दिन घुसपैठिए असम में अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं, लेकिन हम लगातार उनकी योजनाओं को नाकाम कर रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''असम पुलिस ने ऐसे 14 घुसपैठियों को पकड़ लिया है और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की गई है। असम पूरी तरह सतर्क है।''

राज्य सरकार ने हाल ही में विधानसभा को बताया था कि पिछले 10 वर्षों में असम से लगभग 2,100 अवैध विदेशियों को निर्वासित, निष्कासित अथवा वापस भेजा गया है। इनमें 2,023 बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे।

भाजपा की हार पर अखिलेश यादव का तीखा तंज- भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया...

बांकीपुर , एजेंसी। बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया।

अखिलेश यादव ने अपनी बातों से उस वीडियो का जिक्र किया, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन यूपी में थे और उनके रोड शो के दौरान हनुमान के गेटअप में एक शख्स नाचता दिखाई दिया था। बांकीपुर और दतिया चुनाव में भाजपा को मिली हार के बाद यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर विपक्षी खेमों की ओर से लगातार पोस्ट किए गए।

भगवान ने ही नचा दिया

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया। अपने को भगवान से ऊपर समझने वालों को भगवान ने चलती गाड़ी से नीचे उतार दिया है और

साथ ही उनके घमंड का बुखार भी उतार दिया। अब तो भाजपावाले भी अपने ही 'किसी' का इस्तीफा मांगेंगे क्योंकि जो अपनी ही विधानसभा हार गए, उनके भरोसे नाव कैसे पार होगी।

पंकज चौधरी पर कसा तंज: अखिलेश यादव ने आगे लिखा कि ये हार उनकी है जिन्होंने उनको चुना था या कहें संगठन पर अपनी मर्जी की तरह थोपा था। अब तो कोई ये भी नहीं कह सकता है कि 'भाजपा में इस्तीफे नहीं होते हैं।' सबसे ज्यादा खुश तो उप्र में 'वो' हैं, जिनको 'पीडीए' समाज का होने की वजह से राष्ट्रीय स्तर का पद न देकर जानबूझकर राज्य स्तर का पद दिया गया था। आज तो वो भी मुस्कुराकर पूछ रहे हैं, '5 बड़ा या 7'।

उन्होंने कहा कि वैसे जनता ये भी कह रही है कि जब राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन विधानसभा नहीं जिता पाए तो राज्य-अध्यक्ष तो विधानसभा लड़वा भी नहीं पाएंगे। ये डबल इंजन की डबल हार है। भाजपा की हार मतलब बदलाव की शुरुआत है। भाजपा की सबसे सुरक्षित और परंपरागत सीटें भी अब उनकी हार नहीं बचा पाएंगी। अब भाजपा का संकट हार से बढ़कर इस बात का होगा कि उनका टिकट लेने वाला 'ड्रोन और दूरबीन' से भी ढूंढे नहीं मिलेगा। सभी विजयी उम्मीदवारों को जीत की बधाई।

फरीदाबाद में महिला टीचर को चाकू मारने वाला आरोपी गिरफ्तार, पीछा छुड़ाने की कोशिश से गुस्से में था

फरीदाबाद , एजेंसी। हरियाणा की फरीदाबाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिकरौना गांव स्थित सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में महिला टीचर पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या करने के मामले में आरोपी को सूचना के 2 घंटे के अंदर ही काबू करने में सफलता हासिल की है. पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि 3 अगस्त को सुबह के समय गांव सिकरौना स्थित सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक महिला टीचर की चाकू मारकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी जिस संबंध में मृतका के पति विकास की शिकायत पर थाना सेक्टर 58 में मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई. घटना की गंभीरता के मद्देनजर फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखाओं ने अपने सोर्स एक्टिव किये. एवीटीएस सिकरौना की टीम ने तकनीकी सहायता और सूत्रों की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मामले में सफलता हासिल की और सूचना के 2 घंटे के अंदर ही गांव कोट फरीदाबाद निवासी अमित (21) को काबू कर लिया. प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि करीब 2 वर्ष पहले मृतका उसके गांव के प्राइवेट स्कूल में पढ़ती थी. इस दौरान ही उसकी महिला से जान पहचान हुई थी और उनकी आपस में बातचीत होती थी. महिला उससे पीछा छुड़ाना चाहती थी और वो बार–बार महिला का पीछा करता था. महिला ने उसके खिलाफ केस करने की धमकी दी थी और उससे बातचीत करनी बंद कर दी थी.

कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार के बाद कांग्रेस में भारी बगावत! वरिष्ठ नेताओं के इस्तीफे

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में लंबे समय से प्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार ने सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के लिए खुशियों के बजाय सिरदर्द पैदा कर दिया है। सोमवार को हुए इस विस्तार के बाद पार्टी के भीतर असंतोष की आग तेजी से फैल गई है। कई वरिष्ठ नेताओं और सात बार के विधायकों ने मंत्री पद न मिलने पर खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है, जिससे सरकार की स्थिरता और पार्टी के भीतर अनुशासन पर सवाल उठने लगे हैं।

कर्नाटक सरकार के नई दिल्ली में विशेष प्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता टीबी जयचंद्र ने कैबिनेट में जगह न मिलने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सात बार विधायक रह चुके जयचंद्र ने नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि पार्टी में वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार किया जा रहा है या फिर ईमानदार नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने मंत्रियों की नई लिस्ट पर हैरानी जताते हुए यहां तक कह दिया कि 'लिस्ट देखकर मुझे आश्चर्य होता है कि हम उन्हें अपना मंत्री कैसे कहें'। जयचंद्र के आवास पर उनके समर्थकों और असंतुष्ट नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक भी हुई है, जहां उनके समर्थक उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कैबिनेट विस्तार का झटका इतना गहरा था कि नियुक्तियों के कुछ ही घंटों बाद इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया। होसादुर्गा के विधायक बीजी गोविंदप्पा ने कर्नाटक खाद्य और नागरिक आपूर्ति निगम के पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं, कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड (केएसडीएल) के चेयरमैन और वरिष्ठ विधायक अप्पाजी नाडागौडा ने भी अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। नाडागौडा ने भावुक होते हुए कहा कि पार्टी में समर्पित नेताओं को दरकिनार कर 'स्वार्थी राजनीति' को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो वफादार कार्यकर्ताओं के लिए दुखद है। असंतोष केवल बंद कमरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सड़कों पर भी दिखाई दिया। पूर्व मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर को कैबिनेट में शामिल नहीं किए जाने से नाराज उनके समर्थकों ने बेलागवी में बेंगलुरु-पुणे हाईवे को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी नेता के लिए न्याय की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की, जिससे यातायात घंटों बाधित रहा। वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के भीतर अनुशासन की कमी दिख रही है। अप्पाजी नाडागौडा ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के दौर को याद करते हुए कहा कि पहले काम की पहचान होती थी, लेकिन अब माहौल बदल गया है जो पार्टी के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। टीबी जयचंद्र ने भी स्पष्ट किया कि वह भविष्य की रणनीति तय करने के लिए अपने समर्थकों के साथ गहन चर्चा करेंगे, जो पार्टी आलाकमान के लिए एक बड़ी चेतावनी है। कर्नाटक कांग्रेस में उभरा यह आंतरिक कलह अब मुख्यमंत्री और पार्टी नेतृत्व के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। क्योंकि एक तरफ सरकार चलाने की जिम्मेदारी है और दूसरी तरफ अपने ही पुराने वफादारों को एकजुट रखने की जद्दोजहद।

तेल कंपनियों पर बिफरे ट्रंप: शवोन के सीईओ पर अमेरिकी राष्ट्रपति की खरी-खरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल कंपनी शवोन के चेयरमैन और सीईओ माइक वर्थ पर तीखा हमला बोला है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि वर्थ ने कंपनी की सफलता का श्रेय अपनी नीतियों को दिया, लेकिन यह भूल गए कि उनकी सरकार की नीतियों के बिना अमेरिकी तेल उद्योग और देश दोनों मुश्किल में पड़ जाते। साथ ही उन्होंने तेल कंपनियों से उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें तुरंत कम करने की मांग भी की।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि माइक वर्थ ने एक इंटरव्यू में शवोन की सफलता के कई कारण गिनाए, लेकिन उन्होंने ट्रंप प्रशासन की भूमिका का जिक्र नहीं किया। ट्रंप ने दावा किया कि उनकी सरकार की दूरदर्शिता, मजबूती और स्थिर नीतियों की वजह से ही अमेरिकी तेल उद्योग आज मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार नहीं होती, तो तेल उद्योग लगभग खत्म हो चुका होता। ट्रंप ने कहा कि उनके कार्यकाल में वेनेजुएला पर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने अमेरिकी रणनीति को मजबूती दी। उनके मुताबिक, शवोन को पहले वेनेजुएला से बाहर होना पड़ा था, लेकिन अब कंपनी पहले से ज्यादा मजबूत स्थिति में वहां लौट रही है और बड़ा मुनाफा कमाने की उम्मीद कर रही है। ट्रंप ने सिर्फ शवोन ही नहीं, बल्कि अन्य तेल कंपनियों को भी खुदरा ईंधन कीमतें तुरंत कम करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं को राहत मिलनी चाहिए और कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने चाहिए। इससे पहले शवोन के सीईओ माइक वर्थ ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा था कि ईरान से जुड़े युद्ध और पश्चिम एशिया के तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार अब भी अस्थिर बना हुआ है। उन्होंने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर में जारी संकट के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरता है, जबकि लाल सागर में जारी व्यवधान के कारण भी वैश्विक आपूर्ति पर असर पड़ा है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान से जुड़े संघर्ष के बाद अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। अमेरिकी ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक, देश में पेट्रोल की औसत कीमत 4.10 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है, जो संघर्ष शुरू होने के समय की तुलना में एक डॉलर से अधिक ज्यादा है।

ट्रंप पर भी बढ़ रहा राजनीतिक दबाव

ईंधन की बढ़ती कीमतों और महंगाई को लेकर ट्रंप विपक्ष के निशाने पर हैं। अमेरिका में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले बढ़ती लागत उनके लिए राजनीतिक चुनौती बनती दिख रही है। हालांकि ट्रंप का दावा है कि यदि ईरान के साथ संघर्ष समाप्त हो जाता है, तो ईंधन की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी। वहीं, कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि युद्ध के आर्थिक प्रभाव लंबे समय तक बने रह सकते हैं और कीमतों में तत्काल बड़ी गिरावट की संभावना सीमित है।

गैरकानूनी हिंसा का लंबा इतिहास, पीओके में पाकिस्तान की करतूत पर हो रही दुनियाभर में बुराई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में तथाकथित विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इस दौरान बर्बरता, हिंसा और अशांति की खबरें सामने आ रही हैं। मानवाधिकार और प्रेस की आजादी पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्थाओं ने प्रदर्शनकारियों और मीडिया पर बढ़ती सख्ती को लेकर चिंता जताई है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल और कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने सरकार समर्थित हिंसा, स्वतंत्र रिपोर्टिंग पर रोक, पत्रकारों के जबरन गायब होने और लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने जैसे आरोपों पर चिंता जाहिर की है।

इन संस्थाओं ने पाकिस्तानी अधिकारियों से सख्ती खत्म करने, संचार सेवाएं बहाल करने और कथित मानवाधिकार उल्लंघनों की पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने की अपील की है। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग की खबरों का जिक्र

करते हुए एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि ये घटनाएं प्रदर्शनकारियों के खिलाफ गैर-कानूनी हिंसा के पाकिस्तान के पुराने रिकॉर्ड को दर्शाती हैं।

एमनेस्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, रावलकोट से आ रही परेशान करने वाली खबरें, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी अधिकारियों की गैरकानूनी हिंसा के लंबे इतिहास से मेल खाती हैं। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा बल प्रयोग की तुरंत, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। जब तक इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद रहेंगी, तब तक जमीनी हालात की पूरी जानकारी की स्वतंत्र पुष्टि में भारी बाधा आएगी। हम पाकिस्तानी अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि वे सभी संचार सेवाएं बहाल करें और मीडिया तथा स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को उस इलाके में जाने दें।

इसी तरह की चिंता जताते हुए सीपीजे ने कहा कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में प्रेस की आजादी की बिगड़ती स्थिति पर नजर रख रहा है। उसने इंटरनेट बंद होने, टेलीकम्युनिकेशन सेवाएं ठप होने, रिपोर्टिंग पर पाबंदियों और पत्रकारों को हिरासत में लेने व उनके लापता होने का हवाला दिया। प्रेस की आजादी पर नजर रखने वाली इस संस्था ने स्वतंत्र पत्रकार राजी ताहिर और उनके सहयोगी मुहम्मद सैफ के लापता होने की खबरों पर भी चिंता जताई। आरोप है कि 1 अगस्त को इस्लामाबाद में उनके दफ्तर से पुलिस की वर्दी पहने लोगों ने उन्हें उठा लिया था।

सीपीजे ने उन खबरों पर गहरी चिंता जताई है जिनके मुताबिक, आजाद पत्रकार राजी ताहिर और उनके साथी मुहम्मद सैफ 1 अगस्त से लापता हैं। खबरों के अनुसार, उन्हें इस्लामाबाद में उनके दफ़्तर से पुलिस की वर्दी पहने लोगों ने उठा लिया था और अभी तक उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सीपीजे ने लिखा, पाकिस्तानी अधिकारियों को यह बताना चाहिए कि क्या वे सरकारी हिरासत में हैं, कानूनी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए और अगर उन्हें बिना किसी ठोस वजह के हिरासत में रखा गया है तो उन्हें तुरंत रिहा करना चाहिए। बाद के एक अपडेट में सीपीजे ने कहा कि दो पत्रकार अभी भी लापता हैं, जबकि कश्मीरी पत्रकार राजा इकराम, जिन्हें 1 अगस्त को इस्लामाबाद में हिरासत में लिया गया था, उन्हें रिहा कर दिया गया है। सीपीजे ने यह भी कहा कि मीडिया पर की जा रही कार्रवाई इस इलाके से बाहर भी फैलती दिख रही है।

भारतीय मूल के व्यक्ति समेत 25 लोगों की नागरिकता रद करेगा अमेरिका, आपराधिक आरोपों के चलते कार्रवाई

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका ऐसे 25 नागरिकों की नागरिकता रद कर रहा है जिन्होंने बाद में नागरिकता हासिल की। इनमें भारतीय मूल का एक व्यक्ति भी शामिल है। इन लोगों पर पहचान छिपाने या गलत जानकारी देने से लेकर हत्या की कोशिश और बच्चों के यौन शोषण जैसे आरोप लगे हैं। अमेरिका के न्याय विभाग ने डेलावेयर जिले के रहने वाले 65 वर्षीय नरिंदर सिंह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अमेरिका में दाखिला पाने के लिए फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया था। न्याय विभाग के मुताबिक, नरिंदर सिंह ने 1996 से अमेरिका में दाखिला पाने के लिए दो पहचानों का इस्तेमाल किया और 1 मई, 2008 को अमेरिकी नागरिक बन गए। उनके खिलाफ शिकायत में कई गलत जानकारी देने और गैर-कानूनी काम करने के सात आरोप लगाए गए हैं, जो उनके नैतिक चरित्र पर बुरा असर डालते हैं। अपनी पहचान के बारे में गलत जानकारी देने के आरोप में जिन 25 लोगों के खिलाफ नागरिकता रद करने की प्रक्रिया शुरू की गई है, उनमें पाकिस्तानी मूल के दो व्यक्ति जिया मुराद भट्टी और मोहम्मद वासिफ भी शामिल हैं। इन 25 लोगों के खिलाफ शिकायतें 20 जुलाई से 3 अगस्त के बीच दर्ज की गई थीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,